रजिस्ट्री सं० डी० (डी)-73 REGISTERED No. D. (D.)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 35] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 2, 1978/भाद्र 11, 1900
[No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 2, 1978/BHADRA 11, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1978

का० आ० 2458.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत निर्वाचन आयोग, राजस्थान सरकार के परामर्श से, श्री जी० जे० मिश्रा के स्थान पर, राजस्थान राजस्व बोर्ड के सदस्य श्री जी० रामचन्द्र को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से राजस्थान राज्य के लिए मुख्य निर्वाचन आफिसर के रूप में एतद्द्वारा नामनिर्देशित करता है।

[सं० 154/राज०/78]
टी० नागरत्नम, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 8th August, 1978

S.O. 2458.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Rajasthan, hereby nominates Shri G. Ramachandra, Member, Rajasthan Board of Revenue, as the Chief Electroal Officer for the State of Rajasthan, with effect from the date he takes charge of the office vice Shri G. J. Misra.

[No. 154/RJ/78]
T. NAGARATHNAM, Secy.

वित्त, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1978

का० आ० 2459.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम 1969, (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स माथेर ग्रीव्ज लिमिटेड के पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या 756/71) के कथित अधिनियम के अंतर्गत निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[फा० सं० 2/7/78-एम-2]
एच० के० जैन, उप-सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 10th August, 1978

S.O. 2459.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969) , the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. Mather Greaves Limited, under the said Act (Certificate of Registration No. 756/71).

[F. No. 2/7/78/M. II]

H. K. JAIN, Dy. Secy.

(न्याय विभाग)

नोटिस

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1978

का०आ० 2460.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री प्यारे लाल रायजादा, एडवोकेट, सीतापुर यू०पी० ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, सीतापुर में लेख्य प्रमाणक (नोटेरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

2. उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो व इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[संख्या 22/37/78-न्याय]

(Department of Justice)

NOTICES

New Delhi, the 11th August, 1978

S.O. 2460.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Piara Lal Raizada, Advocate, Sitapur, U.P. for appointment as a Notary to practise in Sitapur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. 22/37/78-Jus]

का०आ० 2461.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी का श्री जी०ए० बानतवाला एडवोकेट, एसपलेनेड हाऊस, वाडबई रोड बम्बई ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, पूरा भारत में लेख्य प्रमाणक (नोटेरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन-पत्र भेजा है।

2. उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हो तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जाये।

[संख्या 22/48/78-न्याय]

S.O. 2461.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri G. A. Banatwala, Advocate Esplanade House, Waudby Road, Bombay for appointment as a Notary to practice throughout India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writting to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/48/78-Jus.]

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1978

का०आ० 2462.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री भगवान पांजवानी, एडवोकेट सिंध चोक श्री पुरा कोटा ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, कोटा में लेख्य प्रमाणक (नोटेरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हो तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वालों को लिख कर भेज दिये जाये।

[सं० 22/50/78-न्याय]

New Delhi, the 14th August, 1978

S.O. 2462.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Bhagwan Panjwani, Advocate, Sindh-Chowk, Shri Pura Kota for appointment as a Notary to practise in Kota.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/50/78-Jus.]

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1978

'नोटिस'

का० आ० 2463.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री चम्पा लाल उपाध्या, एडवोकेट रतनगढ़ चुरु डिस्ट्रिक्ट, राजस्थान ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, चुरु डिस्ट्रिक्ट में लेख्य प्रमाणक (नोटेरी) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिखकर भेज दिये जायें।

[सं० -22/25/78-न्याय]

लक्ष्मण दास हिन्दी, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 16th August, 1978

S.O. 2463.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Champa Lal, Upadhyaya, Advocate, Ratangarh Churu District Rajasthan for appointment as a Notary to practise in Churu District.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be Submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. 22/25/78-Jus.]

L. D. HINDI, Competent Authority

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1978

का० आ० 2464—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात :—

1 (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये 21 मार्च, 1973 से प्रवृत्त होंगे।

2 केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 में, भाग V में, क्रम सं० 2 ख के सामने शीर्ष (1) जनरल स्टाफ ब्रांच के अंतर्गत दूसरे और तीसरे स्तंभ के उपमद (2) में मद (घ) के सामने "इनफैन्ट्री स्कूल" शब्दों के स्थान पर "कम्बैट (युद्ध) महाविद्यालय" शब्द रखे जाएंगे।

[सं० 11012/15/77-स्थापना-ए]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 14th August, 1978

S.O. 2464.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Second Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force with effect from the 21st March, 1973.

2. In the Schedule to the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, in Part V, against Serial No. 2-B under the heading (i) General Staff Branch, against item (d) in sub-item (2) of the second and third columns, for the words "Infantry School" the words "College of Combat" shall be substituted.

[No. 11012/15/77-Estt. A]

नई दिल्ली, 16 अगस्त 1978

का० आ० 2465—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के सम्बन्ध में नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात :—

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) वे राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1965 के नियम 15 के उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात :—

"(4) यदि अनुशासनिक प्राधिकारी की, आरोप के सभी अनुच्छेदों या उनमें से किसी अनुच्छेद पर अपने निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए और जांच के दौरान पेश किए गए साक्ष्य के आधार पर, यह राय है कि नियम 11 के खण्ड (v) से (ix) तक में विनिर्दिष्ट शास्तियों में से कोई शास्ति सरकारी सेवक पर अधिरोपित की जानी चाहिए तो वह ऐसी शास्ति अधिरोपित करने वाला आदेश पारित करेगा और यह आवश्यक नहीं होगा कि सरकारी सेवक को ऐसी शास्ति के विरुद्ध जिसके अधिरोपण का प्रस्ताव है, अभ्यावेदन करने का कोई अवसर दिया जाए :

परन्तु ऐसे प्रत्येक मामले में, जिसमें आयोग से परामर्श आवश्यक है, जांच का अभिलेख अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा आयोग को उसकी सलाह के लिए भेजा जाएगा और सरकारी सेवक पर ऐसी कोई शास्ति अधिरोपित करने वाला आदेश करने से पूर्व ऐसी सलाह को ध्यान में रखा जाएगा"।

[सं० 11012/2/77-स्थापना-क]

आर० सी० गुप्त, उपसचिव

New Delhi, the 16th August, 1978

S.O. 2465.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309, and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 15 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(4) If the disciplinary authority having regard to its findings on all or any of the articles of charge and on the basis of the evidence adduced during the inquiry is of the opinion that any of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of rule 11 should be imposed on the Government servant, it shall make an order imposing such penalty and it shall not be necessary to give the government servant any opportunity of making representation on the penalty proposed to be imposed :

Provided that in every case where it is necessary to consult the Commission, the record of the inquiry shall be forwarded by the disciplinary authority to the Commission for its advice and such advice shall be taken into consideration before making an order imposing any such penalty on the Government servant."

[No. 11012/2/77-Ests. A]

R. C. GUPTA, Dy. Secy.

वित्त मन्त्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 20 मई, 1978

(आय-कर)

का० आ० 2466.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री बाला मुरुगन देवस्थानमम्" को निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2302 फा० सं० 197/24/78-आ० क० (ए 1)]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

New Delhi, the 20th May, 1978

(INCOME-TAX)

S.O. 2466.—In exercise of the powers conferred by clause (v) sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act,1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shree Bala Murugan Devasthanam" for the purpose of the said section for and from the assessment year (s) 1977-78.

[No. 2302 F. No. 197/24/78-IT(AI)]

नई दिल्ली, 31 मई, 1978

(आय-कर)

का० आ० 2467.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उपधारा (2) (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "संस्थान श्री देव गणपतिपुले" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए महाराष्ट्र राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है ।

[सं० 2328 फा० सं० 176/42/78- आ० क० (ए 1)]

New Delhi, the 31st May, 1978

(INCOME TAX)

S.O. 2467.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) (b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sansthan Sri Deo Ganpatipule" to be a place of public worship of renown throught the State of Maharashtra for the purposes of the said Section.

[No. 2328 F. No. 176/42/78-IT(AI)]

नई दिल्ली, 13 जून, 1978

(आय-कर)

का० आ० 2468.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "अरुलमीगू सक्थी विनयागर टेम्पल, चिंगलेपुट" को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है ।

[सं० 2347 फा० सं० 197/66/77-आ०क(ए1)]

New Delhi, the 13th June, 1978

(INCOME-TAX)

S.O. 2468.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Arulmigu Sakthi Vinayagar Temple, Chingleput" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77.

[No. 2347 F. No. 197/66/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 14 जून, 1978

(आय-कर)

का० आ० 2469.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2) (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री वेलत पुथुर क्षेत्र संरक्षण समिति, पेरिंतलमन्ना" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए केरल राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 2348 फा०सं० 176/33/78-आ० क० (ए 1)]

New Delhi, the 14th June, 1978

(INCOME TAX)

S.O. 2469.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) (b) of section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sree Vellat Puthur Kshethra Samrakshana Samithi, Perintamanna" to be a place of public worship of renown throughout the State of Kerala for the purposes of the said section.

[No. 2348 F. No. 176/33/78-IT(AI)]

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1978

(आय-कर)

का० आ० 2470.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री दुर्गियाना कमिटि, अमृतसर", को निर्धारण वर्ष 1974-75 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है ।

[सं० 2398 फा० सं० 197/62/78-आ०क(ए 1)]

New Delhi, the 13th July, 1978

(INCOME-TAX)

S.O. 2470.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shree Durgiana Committee. Amritsar", for the purpose of the said section for and from the assessment year 1974-75.

[No. 2398 F. No. 197/62/78-IT(AI)]

(आय-कर)

का० आ० 2471.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री सोमनाथ ट्रस्ट" की निर्धारण वर्ष 1978-79 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है ।

[सं० 2397 फा० सं० 197/82/78- आ० क० (ए 1)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

(INCOME TAX)

S.O. 2471.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shree Somnath Trust" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1978-79.

[No. 2397 F. No. 197/82/78-IA(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 जून, 1978

(आय-कर)

का० आ० 2472.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, और राजस्व और बीमा विभाग में भारत सरकार की दिनांक 19-5-75 की अधिसूचना सं० 909 (फा० सं० 404/95/75-आ० क० स० क०) के अधिलंघन में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री आर० एस० राम को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना श्री आर० एस० राम द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार सम्भाले जाने की तारीख से लागू होगी ।

[सं० 2343 (फा० सं० 404/89/78 आ० क० सं० क०)]

एच वेंकटरामन, उप सचिव

New Delhi, the 9th June, 1978

INCOME TAX

S.O. 2472.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Insurance No. 909 (F. No. 404/95/75-ITCC) dated 19-5-75 the Central Government hereby authorises Shri R. L. Ram being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri R. L. Ram takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2343 (F. No. 404/87/78-ITCC)]

नई दिल्ली, 17 जून, 1978

आय-कर

का० आ० 2473—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (3) का अनुसरण करते हुए, और राजस्व और बैंकिंग विभाग में भारत सरकार की दिनांक 1-7-77 की अधिसूचना सं० 1855 (फा० सं० 404/140/77-आ० क० स० क०) तथा दिनांक 10-7-1974 की अधिसूचना सं० 674 (फा० सं० 404/15/74-आ० क० सं० क०) के अधिलंघन में, केन्द्रीय सरकार, श्री डी० एल० खन्ना और श्री एस० के० नामदेव को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, एतद्द्वारा कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए उक्त अधिनियम के अधीन प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री डी० एल० खन्ना और श्री एस० के० नामदेव के कर-वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार सम्भालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2351 (फा० सं० 404/140/77-आ० क० स० क०)]

New Delhi, the 17th June, 1978

INCOME TAX

S.O. 2473.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (33) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 1855 (F. No. 404/140/77-ITCC) dated 1-7-77 and No. 674 (F. No. 404/15/7-ITCC) dated 10-7-1974 the Central Government hereby authorises Sarvshri D. L. Khanna & S. K. Namdeo being Gazetted Officers of the Central Government, to exrcise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Sarvshri D. L. Khanna and S. K. Namdeo take over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2351 (F. No. 404/140/77-ITCC)]

नई दिल्ली, 26 जून, 1978

आय-कर

का० आ० 2474 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, तथा राजस्व विभाग में भारत सरकार की दिनांक 6-1-78 अधिसूचना सं० 2112 (फा० सं० 404/151/77-आ० क० स० क०); दिनांक 23-7-75 की अधिसूचना सं० 983 (फा० सं० 404/35/75/आ० क० स० क०); दिनांक 3-12-75 की अधिसूचना सं० 1160 (फा० सं० 404/35/75/आ० क० सं० क०); दिनांक 20-7-76 की अधिसूचना सं० 1398 (फा० सं० 404/154/76-आ० क० स० क०) और दिनांक 6-1-78 की अधिसूचना सं० 2113 (फा० सं० 404/151/77-आ० क० स० क०) के अधिलंघन में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा सर्वश्री के० एल० मन्धोरा, किशोरी लाल, एस० एल० बहल, जे० एल० मरवाह, एस० आर० गुप्ता, ए० पी० जैन, जी० सी० जैन, और जी० एस० चुघ को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अंतर्गत करवसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना सर्वश्री के० एल० मन्धोरा, किशोरी लाल, एस० एल० बहल, जे० एल० मरवाह, एस० आर० गुप्ता, ए० पी० जैन और जी० एस० चुघ के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2363 (फा० सं० 404/101/78-आ० क० स० क०)]

New Delhi, the 26th June, 1978

(INCOME TAX)

S.O. 2474.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of the notifications of the Government of India in the Department of Revenue No 2112 (F. No. 404/151/77-ITCC) dated 6-1-78; 983 (F. No. 404/35/75-ITCC) dated 23-7-75; 1160 (F. No. 404/35/75-ITCC) dated 3-12-75; 1398 (F. No. 404/154/76-ITCC) dated 20-7-76; No. 2113 (F. No. 404/151/77-ITCC) dated 6-1-78 the Central Government hereby authorises Sarvshri K. L. Mandora, Kishori Lal S. L. Bahl, J. L. Marwah, S. R. Gupta, A. P. Jain, G. C. Jain, and G. S. Chugh being Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Sarvshri K. L. Mandora, Kishori Lal, S. L. Bahl, S. L. Marwah, S. R. Gupta, A. P. Jain, G. C. Jain and G. S. Chugh take over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2363 (F. No. 404/101/78-ITCC)]

आय-कर

का० आ० 2475 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा राजस्व और बैंकिंग विभाग में भारत सरकार की दिनांक 29-6-76 की अधिसूचना सं० 1378 (फा० सं० 404/154/76-आ० क० स० क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् उक्त अधिसूचना में, "श्री ओ० पी० मुखीजा और श्री डी० आर० जिन्दल, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं" शब्दों और अक्षरों के स्थान पर, "श्री डी० आर० जिन्दल, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित कर दिये जायेंगे।

[सं० 2364 (फा० सं० 404/101/78 आ० क० स० क०]

INCOME TAX

S.O. 2475.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue & Banking No. 1378 (F. No. 404/154/76-ITCC) dated 29-6-76, namely ; In the said notification, for the letters and words for "Sarvshri O. P. Mukhija and D. R. Jindal, who are gazetted Officers of the Central Government" the words and letters "Shri D. R. Jindal who is a gazetted Officer of the Central Government" shall be substituted.

[No. 2364 F. No. 404/101/78-ITCC]

आय-कर

का० आ० 2476 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा के राजस्व तथा बैंकिंग विभाग में भारत सरकार की दिनांक 19-8-77 की अधिसूचना सं० 1936 (फा० सं० 404/151/77 आ० क० स० क०) द्वारा यथा संशोधित दिनांक 25-6-76 की अधिसूचना सं० 1367 (फा० सं० 404/154/76-आ० क० स० क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—उक्त अधिनियम में "सर्वश्री एस० एन० गुप्ता और पी० सी० अग्रोल" शब्दों और अक्षरों के स्थान पर" श्री पी० सी० अग्रोल" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित कर दिये जाएंगे।

[सं० 2365 (फा० सं० 404/101/78-आ० क० स० क०]

S.O. 2476.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue & Banking No. 1367(F. No. 404/154/76 ITCC) dt. 25-6-76 as amended by notification; No.1936(F. No. 404/151/77-ITCC) dated 19-8-77 namely : In the said notification, for the letters and words "Sarvshri S. N. Gupta and P. C. Abrol, the words and letters "Shri P. C. Abrol" shall be substituted.

[No. 2365 (F. No. 404/101/78-ITCC)]

नई दिल्ली, 27 जून, 1978

आय-कर

का० आ० 2477.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, और राजस्व विभाग में भारत सरकार की दिनांक 26-5-1978 की अधिसूचना संख्या 2318 (फा० सं० 404/25/78 आ० क० स० क०) के अधिलंघन में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एन० एस० राघवेन्द्र को, जो केन्द्रीय सरकार में राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अधीन, कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री एन० एस० राघवेन्द्र के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार सम्भालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2369 (फा० सं० 404/25/78-आ० क० स० क०)]

New Delhi, the 27th June, 1978

INCOME TAX

S.O. 2477.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2318(F. No. 404/25/78-ITCC) dated 26-5-1978 the Central Government hereby authorities Shri N. S. Raghavendra being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri N. S. Raghavendra takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2369(F.No. 404/25/78-ITCC)]

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1978

आय-कर

का० आ० 2478.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री आर० एल० धीर को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री आर० एल० धीर द्वारा कर वसूली अधिकारी का कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2373 (फा० सं० 404/101/78-आ० क० स० क०)]

New Delhi, the 6th July, 1978

INCOME TAX

S.O. 2478.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri R. L. Dhir being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri R. L. Dhir takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2373(F. No. 404/101/78-ITCC)]

आय-कर

का० आ० 2479.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा राजस्व व बैंकिंग विभाग में भारत सरकार की दिनांक 11-7-1977 की अधिसूचना सं० 1867 (एफ सं० 404/151/77-आ० क० स० क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् उक्त अधिसूचना में "सर्वश्री ए० जे० एस० सेठी, कृष्ण लाल, जी०सी० शर्मा, बलवन्त सिंह, टी०पी० जैन व जे० एस० बक्शी," अक्षरों व शब्दों के लिए, "सर्वश्री ए० जे० एस० सेठी, कृष्ण लाल, बलवन्तसिंह, टी० पी० जैन और जे० एस० बक्शी" अक्षरों व शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[(सं० 2374 (एफ सं० 404/101/78-आ० क० स० क०)]

INCOME TAX

S.O. 2479.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue & Banking No. 1867 (F. No. 404/151/77-ITCC) dt. 11-7-1977, namely : in the said notification, for the letters and words "Sarvshri A. J. S. Sethi, Krishan Lal, G. C. Sharma, Balwant Singh, T. P. Jain and J. S. Bakshi," the words and letters "Sarvshri A. J. S. Sethi, Krishan Lal, Balwant Singh, T. P. Jain and J. S. Bakshi" shall be substituted.

[No. 2374 (F. No. 404/101/78-ITCC)]

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1978

आय-कर

का० आ० 2480.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री केवल कृष्ण को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री केवल कृष्ण द्वारा कर वसूली अधिकारी का कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2392 (एफ सं० 404/101/78-आ० क० स० क०)]

New Delhi, the 7th July, 1978

INCOME TAX

S.O. 2480.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Kewal Krishan being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Kewal Krishan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2392 (F. No. 404/101/78-ITCC)]

आय-कर

का० आ० 2481.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में और राजस्व विभाग में भारत सरकार की दिनांक 11-5-77 की अधिसूचना सं० 1774 (फा० सं० 404/104/77-आ० क० स० क०) और दिनांक 6-2-1978 की अधिसूचना सं० 2156 (फा० सं० 404/104/77-आ० क० स० क०) के अधिलंघन में, केन्द्रीय सरकार श्री टी० टी० जोसेफ और श्री के० एस० हबीब को, जो केन्द्रीय सरकार में राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री टी० टी० जोसेफ और श्री के० एस० हमीद के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2394 (फा० सं० 404/104/77-आ० क० स० क०)]

एच० वेंकटरामन्, उप सचिव,

INCOME TAX

S.O. 2481.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of the notifications of the Government of India in the Department of Revenue No. 1774 (F. No. 404/104/77-ITCC) dated 11-5-77 and No. 2156 (F. No. 404/104/77-ITCC) dated 6-2-1978 the Central Government hereby authorises Sarvshri T. T. Joseph and K. S. Hameed being Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Sarvshri T. T. Joseph and K. S. Hameed take over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2394(F. No.404/104/77-ITCC)]

H. VENKATRAMAN, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1978

का० आ० 2482.—भारत सरकार के अपर सचिव ने, जिन्हें विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त अधिनियम की धारा 3(1) के अधीन आदेश संख्या 673/12/78-सीमाशुल्क -8 तारीख 11 जुलाई, 1978 जारी किया था जिसमें श्री अब्दुल अजीज मोहम्मद उर्फ अजीज चूवा, सुपुत्र हाजी मोहम्मद मूसा, 296-अ, अब्दुल रहमान स्ट्रीट, मुम्बई, को माल की तस्करी करने से रोकने की दृष्टि से केन्द्रीय कारागार, मुम्बई में निरुद्ध करने और अभिरक्षा में रखने का निदेश दिया था ; और

2. चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह विश्वास करने का कारण है कि उपरोक्त व्यक्ति, इस उद्देश्य से कि आदेश का निष्पादन न हो सके फरार हो गया है या स्वयं को छिपाए हुए है ;

3. अतः केन्द्रीय सरकार विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 की धारा 7(1) (ख) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश करती है कि उपरोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के सात दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बृहत्तर मुम्बई के समक्ष हाजिर हो।

[सं० 673/12/78-सी०शु०-8]

रतन थावानी, उप सचिव

ORDER

New Delhi, the 19th August, 1978

S.O. 2482.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974, issued order F. No. 673/12/78-Cus. VIII dated 11-7-1978 under section 3(1) ibid directing that Shri Abdul Aziz Mohmed alias Aziz Chuva, S/o. Haji Mohmed Moosa, 296A, Abdul Rehman Street, Bombay, be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay, with a view to preventing him from smuggling goods; and

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. The Central Government in exercise of powers under section 7(1)(b) of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974, hereby direct the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Greater Bombay, within seven days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/12/78-Cus. VIII]

R. K. THAWANI, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 26 अगस्त 1978

स्टाम्प

का० आ० 2483.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद् द्वारा, उस शुल्क को माफ करती है जो जम्मू और कश्मीर राज्य वित्तीय निगम द्वारा प्रोमिसरी नोटों के रूप में जारी किये जाने वाले 55 लाख रुपए मूल्य के बन्धपत्रों पर, उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य हैं।

[सं० 19/78-स्टाम्प-फा० सं० 33/40/78-वि० क०]

एम० आर० वैद्य, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 26th August, 1978

STAMPS

S.O. 2483.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of fifty five lakhs of rupees, to be issued by the Jammu & Kashmir State Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 19/78-Stamps-F. No. 33/40/78-ST]

M. R. VAIDYA, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अक्तूबर, 1977

आयकर

का० आ० 2484.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अतिक्रान्त करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ (3) में तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम	रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिले
1	2	3
1.	रेंज I आगरा	(i) आगरा सर्किल (ii) आयकर कार्यालय, ग वार्ड, सर्किल 1 आगरा (iii) आयकर कार्यालय, सर्किल आगरा सभी वार्ड क, ख, ग और घ (iv) मैनपुरी सर्किल (v) इटावा सर्किल (vi) संपदा शुल्क सर्किल, आगरा

1	2	3
2.	रेंज II आगरा	(i) आय-कर कार्यालय, सर्किल II, आगरा के वार्ड ङ०, ञ और छ
		(ii) आय-कर कार्यालय, सर्किल I, आगरा के वार्ड ङ०, च और छ
		(iii) फिरोजाबाद सर्किल
		(iv) एटा सर्किल
		(v) फतेहगढ़ सर्किल
		(vi) मथुरा सर्किल
3.	रेंज III आगरा	(i) आय-कर कार्यालय, सर्किल, I आगरा के वार्ड क, ख और घ
		(ii) अलीगढ़ सर्किल
		(iii) झांसी सर्किल
		(iv) हाथरस सर्किल
		(v) सर्किल III, आगरा

जहाँ कोई आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहाँ उस आय-कर सर्किल वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे यह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी ।

यह अधिसूचना 24-10-77 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2025/फा० सं० 261/23/77-आई टी जे]

New Delhi, the 24th October, 1977

INCOME TAX

S.O. 2484.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling in that behalf and in partial modification of all previous Notification in this regard the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Asstt. Commissioner of Incometax of the Ranges specified in column (2) of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Incometax or Supertax in the Incometax Circles, Ward and Districts specified in the corresponding entry in column (3) thereof :—

S. No.	Schedule Range	Incometax Circles, Wards & Distts.
1	2	3
1.	Range-I, Agra.	(i) Agra Circle
		(ii) Incometax Office, C-Wards of Circle-I, Agra.
		(iii) Incometax Office, A,B, C&D-Wards of Circle-I Agra.
		(iv) Mainpuri Circle.
		(v) Etawah Circle.
		(vi) State Duty Circle, Agra.
2.	Range-II, Agra.	(i) Incometax Office, N, R&G Wards of Circle-II, Agra.
		(ii) Incometax Office, E, F & G Wards of Circle-IX, Agra.
		(iii) Firozabad Circle.
		(iv) Etah Circle.
		(v) Fatehgarh Circle.
		(vi) Mathura Circle.
3.	Range-III, Agra.	(i) Incometax Office, A, B & D Wards of Circle-I, Agra.
		(ii) Aligarh Circle.
		(iii) Jhansi Circle.
		(iv) Hathras Circle.
		(v) Circle-III, Agra.

Where an Incometax Circle, Ward or District or part thereof Stands transferred by this Notification from one range to another appeals arising out of assets made in that Incometax Circle, ward or districts or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Incometax, the range from whom that Income-tax Office Circle, ward or Districts or part thereof is transferred to and dealt with by the Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax of the Range to whom the said circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect form 24-10-77.

[No. 2025/F. No. 261/23/77-ITJ]

नई दिल्ली, 29 अक्तूबर, 1977

आय-कर

का० आ० 2485.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 4) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ (2) में तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सहायक संपदा-शुल्क नियंत्रक द्वारा, आय-कर/धन-कर/दान-कर के अधीन किए गए आदेशों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे ।

अनुसूची

रेंज	सहायक संपदा-शुल्क नियंत्रक
सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) बंगलौर रेंज 1, मुख्यालय, बंगलौर	सहायक संपदा-शुल्क नियंत्रक, बंगलौर

यह अधिसूचना 25-3-76 से प्रभावी समझी जाएगी ।

[सं० 2028 (फा० सं० 261/12/77-आई टी जे)]

New Delhi, the 29th October, 1977

INCOME TAX

S.O. 2485.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the Central

Board of Direct Taxes hereby direct that the Appellate Assistant Commissioner of Range specified in column (1) of the Schedule below shall perform his functions in respect of orders passed under Income-tax/Wealth-Tax/Gift Tax by the Assistant Controller of Estate Duty Specified in the corresponding entry in Column (2) thereof :—

SCHEDULE

Range	Asstt. Controller of Estate Duty.
1.	2.
Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax, Bangalore Range-I, H. Qrs. Bangalore.	Assistant Controller of Estate duty, Bangalore.

This Notification shall be deemed to have been taken effect from 25-3-76.

[No. 2028 (F.No. 261/12/77-ITJ)]

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1977

आय-कर

का० आ० 2486.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में पूर्वतन अधिसूचना सं० 1852 (फा० सं० 261/20/77 आई टी जे) तारीख 1 जुलाई, 1977 का आंशिक उपान्तरण करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि :—

(1) सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को० रेंज, कोल्हापुर की अधिकारिता में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात् स्तम्भ 2 में प्रविष्टि सं० 16 के पश्चात् "सं० 17—वार्ड कोल्हापुर" जोड़ें ;

(2) सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) नासिक रेंज, नासिक की अधिकारिता प्रविष्टि स्तम्भ 2 में सं० 24 के पश्चात् "सं० 25-जी वार्ड नासिक" जोड़ें;

(3) सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) पुणे रेंज 2 पुणें की अधिकारिता में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात् :— स्तम्भ 2 में प्रविष्टि सं० 22 के पश्चात् "सं० 23 ई वार्ड अहमद नगर" जोड़ें ।

यह अधिसूचना 1-12-1977 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2050/फा० सं० 261/20/77-आई टी जे]

New Delhi, the 19th November, 1977

INCOME-TAX

S.O. 2486.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers, enabling it in that behalf and in partial modification of the previous Notification No. 1852 (F. No. 261/20/77-ITJ) dated the 1st July, 1977, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the following amendments may be made :

(1) in the jurisdiction of the A. A. C. K. R. Kolhapur viz. after entry No. 16 in Col. No. 2 add "No. 17. J-Ward Kolhapur",

(2) in the jurisdiction of AAC. N. R. Nasik, viz. after entry No. 24 in Col. No. 2 add "No. 25, G. Ward, Nasik" and

(3) in jurisdiction of A.A.C.P.R. II., Pune, viz. after entry No. 22 in Col. No. 2 add "No 23 E-Ward, Ahmednagar."

This notification shall take effect from 1-12-1977.

[No. 2050 (F. No. 261/20/77-ITJ)]

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1977

आय-कर

का० आ० 2487.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिक्रांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम	रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिले
1.	क. रेंज, अमृतसर	ऐसे सभी आय-कर सर्किल, वार्ड और जिनके मुख्यालय (1) गुरुदासपुर और (2) अमृतसर (उनसे भिन्न जो स्तंभ 2 में किसी अन्य सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के सामने उल्लिखित है) में स्थित हैं या स्थित थे ।
2.	ख-रेंज, अमृतसर	जिला-1 अमृतसर स्थित सभी आय-कर सर्किल और (2) केन्द्रीय सर्किल-1 और 2 अमृतसर (3) विशेष सर्किल अमृतसर और (4) ऐसे सभी आय-कर सर्किल, वार्ड और जिले जिनके मुख्यालय पटियाला में स्थित हैं या थे ।
3.	जम्मू रेंज, जम्मू	ऐसे सभी आय-कर सर्किल , वार्ड या जिले जिनके मुख्यालय (1) जम्मू (2) श्रीनगर और (3) पठानकोट में स्थित हैं या स्थित थे ।
1.	जलन्धर रेंज	ऐसे सभी आय-कर सर्किल, वार्ड और जिले जिनके मुख्यालय (1) होशियारपुर, (2) जलन्धर, (3) फाजिल्का, (4) अबोहर, (5) भटिंडा, (6) फिरोजपुर, (7) मोगा और (8) संग्रहण वार्ड चंडीगढ़ में स्थित हैं या थे; ऐसे व्यक्तियों के संबंध में जिनके कारबार का मुख्य स्थान या निवास स्थान आय-कर अधिकारी मुख्यालय होशियारपुर की अधिकारिता के अधीन है ।

जहाँ कोई आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहाँ उस आय-कर सर्किल वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी ।

यह अधिसूचना 1-12-1977 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2061 (फा० सं० 261/25/77 आई टी जे)]

New Delhi, the 29th November, 1977

INCOME-TAX

S.O. 2487—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby direct that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Range specified in column 2 of the schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax or super-tax in the Income-tax circle, wards or District specified in the corresponding entry in column 3 thereof :—

SCHEDULE

S. No.	Range	Income-tax Circle, Wards and Districts
1.	A-Range, Amritsar.	All Income-tax circles, wards or Distts. which had or have their headquarters at (i) Gurdaspur and (ii) Amritsar other than those mentioned in col. 2 against any other A.A.C.
2.	B-Rango,Amritsar.	All Income-tax Circles & Wards in Distt-I Amritsar and (ii) Central Circle-I & II Amritsar, (iii) Special circle, Amritsar and (iv) all Income-tax Circles, Wards, Districts which had or have their headquarters at Batala.
3.	Jammu-Range,	All Income-tax circles, wards or Distts. which had or have their headquarters at (i) Jammu (ii) Srinagar & (iii) Pathankot.
4.	Jullundur Range.	All Income-tax Circle, Wards, Distts. which had or have their headquarters at (i) Hoshiarpur, (ii) Jullundur, (iii) Phagwara, (iv) Abohar, (v) (v) Bhatinda, (vi) Ferozepur, (vii) Moga and (vii) Collection Ward, Chandigarh in respect of persons who have their principle lace of business in or reside in the jurisdiction of Income-tax Officer with headquarters at Hoshiarpur.

Where an Income-tax Circle, Ward and Distt. or part thereof stands transferred by this notification from one range to another range appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or district or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the appellate Asstt. Commissioner of Income-tax from whom that Income-tax Circle, Ward or district or part therof is transferred shall from the date this notification shall take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax of the range to whom the said circle, ward or district or part thereof is transferred.

Where all circle, wards or districts having headquarters at a particular place have been assigned to an Appellate Assistant Commissioner, he will have jurisdiction in respect of circles, wards and districts at these headquarters since abolished also.

This notification shall take effect form 1-12-77.

[No. 2061 (F.No. 261/25/77 I-TJ)]

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1977

आयकर

का० आ० 2488.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिक्रांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे —

अनुसूची

क्रम	रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिले
1.	सहायक आय-कर आयुक्त, अपील, ङ-रेंज, नई दिल्ली	(i) जिला X (1), (2), (5), (6), (7), (8), (9) (10), (अति०), (12) और (13) नई दिल्ली
		(ii) जिला-VIII (11),(15),(16) (17), (18), (19), (अति०) नई दिल्ली
		(iii) सर्वेक्षण सर्किल IV और अति० सर्वेक्षण सर्किल IV नई दिल्ली
		(iv) जिला XI (1) और (2) नई दिल्ली
2.	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), ङ-रेंज, नई दिल्ली	(i) जिला VIII (1),(2),(अति०) (7), (8), (9), (10), (12) और (13), नई दिल्ली
		(ii) जिला V (1), (2), (3), (4), (5) और (6) नई दिल्ली
		(iii) जिला VIII वार्ड-क, क(अति०), ख, ख (अति०), ख (अति० 1), ख (अति० 2), ग, घ, घ (i), (ङ), च, च (अति०) नई दिल्ली
		(iv) क-I, क-II, क-III, क-IV, क-IV (i) और I(i) जिला, नई दिल्ली
		(v) आय-कर एंव धन-कर सर्किल-VIII नई दिल्ली
		(vi) प्रतिदाय सर्किल, नई दिल्ली
3.	सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) ठ-रेंज, नई दिल्ली	(i) जिला V(7), (8), (9), (10), (11), (11) अति० (12), (12) (अति०), (13), (13) (अति०) (14), (15), (15) (अति०), (16), (16) (अति०), (17), (17) (अति०), (18), (19) और (20) , नई दिल्ली
		(ii) ख-XII-ख, XV, जिला, नई दिल्ली

1	2	3
		(iii) जिला-V, वार्ड क, क, (अति०), क(1), (ख), ख (अति०), ख(1), ग, ग-1, घ, ङ०, च, च(1), च(1) अति०, च-III और छ-नई दिल्ली
		(iv) आय-कर एवं धन-कर सर्किल-IX और X नई दिल्ली
		(v) विशेष सर्किल, XI और XII, नई दिल्ली
		(vi) जिला-VIII (14), नई दिल्ली।

जहां कोई आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी ।

यह अधिसूचना 15-12-1977 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2072 (फा० सं० 261/2/77-आई टी जे)]

New Delhi, the 14th December, 1977

INCOME TAX

S.O.2488.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of all previous notifications in this regard the Central Board of Direct taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tox, of the Ranges specified in Column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of the persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in Col.3 thereof :

SCHEDULE

S.No.	Range	Income-tax Circle/Ward & Districts.
1	2	3
1.	AAC-'A' Range, NewDelhi.	(i) District-X (1), (2), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (10) (Addl.), (12) & (13) New Delhi. (ii) District-VIII (11), (15), (16), (17), (18), (19) & (19) (Addl), New Delhi. (iii) Survey Circle-IV and Addl., Survey Circle-IV, New Delhi. (iv) District XI(1) & (2), New Delhi.
2.	AAC-'E' Range, New Delhi.	(i) District-VIII (1), (2), (2) Addl., (7), (8), (9), (10), (12) & (13), New Delhi. (ii) District-V (1), (2), (3), (4), (5) & (6), New Delhi. (iii) District-VII/Ward A, A(Addl.), B,B(Addl.) B(Addl.I), B(Addl. II), C.D.D(i), E.F. F(Addl.) New Delhi.
3.	AAC-'K' Range, New Delhi	(iv) A-I, A-II, A-III,A-IV,A-IV(1) and 1(1) District, New Delhi. (v) Income-tax-cum Wealth-tax Circles-VIII, New Delhi. (vi) Refund Circle, New Delhi. (i) District-V(7), (8), (9), (10), (11) (11) Addl, (12), (12), (Addl), (13), (13) Addl., (14), (15), (15) (Addl, (16), (16) Addl. (17) (17) Addl. (18), 19) & (20) New Delhi. (ii) B-XII, B-XV District, New Delhi. (iii) District-V Ward A, A(Addl.) A(1), (B) B(Addl.), B(1), C, C-I, D, E,F,F,F(1), F(1)Addl. F-III and G, New Delhi. (iv) Income - tax-cum - Wealth-tax Circles-IX and X, New Delhi. (v) Special Circles, -XI and XII, New Delhi. (vi) District-VIII (14), New Delhi.

Where an Income-tax Circle,Ward of District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Ranges, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Wards or District or part thereof and pending immediately before the date of the notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the ranges from whom that Income-tax Circles, Wards or Districts or part thereof is transferred shall from the date this notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the range to whom the said circle, ward or Distt. or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 15-12-77.

[No. 2072 (F. No. 261/2/77—ITJ)

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1977

आय-कर

का०आ० 2489.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय पर सभी पूर्वतन निदेशों को अधिक्रांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेशक देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तंभ में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) ग-रेंज,मद्रास नीचे उनिलखित आय-कर अधिकारियों की अधिकारिता के भीतर आने वाले व्यक्तियों की बाबत अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	सर्किल
सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) ग-रेंज, मद्रास	1. आय कर अधिकारी, नगर सर्किल-IV मद्रास (सभी खण्ड) 2. आय-कर अधिकारी, कुडालोर (सभी खण्ड) 3. आय-कर अधिकारी, विल्लुपुरम (सभी खण्ड) 4. आय-कर अधिकारी, पाण्डिचेरी (सभी खण्ड)

2. यह आदेश 15-12-1977 तक प्रभावी रहेगा ।

[सं० 2085 (फा० सं० 261/15/77-आई टी जे)]

New Delhi, the 24th December, 1977

INCOME-TAX

S.O.2489.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous directions on the subject the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, C. Range, Madras shall perform all his functions in respect of the persons falling within the jurisdiction of the Income-tax Officers undermenioned:

SCHEDULE

Range	Circles
Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, C-Range, Madras.	1. Income-tax Officers, City Circle-IV, Madras. (All Sections) 2. Income-tax Officers, Cuddalore, (All Sections) 3. Income-tax Officers, Villupuram (All Sections) 4. Income-tax Officer, Pondicherry (All Sections)

2. This order shall take effect from 15-12- 1977.

[No. 2085 (F. No. 261/15/77-ITJ)]

आयकर

का०आ० 2490.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिक्रांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम सं०	रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिले
1	2	3
1.	कटक रेंज, कटक	1. कटक सर्किल 2. केन्द्रीय सर्किल, कटक 3. विशेष सर्वेक्षण सर्किल, कटक 4. सम्भलपुर सर्किल 5. झारसुगुड़ा सर्किल 6. राउरकेला सर्किल 7. क्योंझर सर्किल 8. बालासोर सर्किल 9. बडिपाडा सर्किल 10. धेनकनाल सर्किल
2.	बेरहामपुर रेंज, बेरहामपुर	1. बेरहामपुर सर्किल 2. भुवनेश्वर सर्किल 3. विशेष सर्वेक्षण सर्किल, भुवनेश्वर 4. पुरी सर्किल 5. जयपोरे सर्किल 6. भवानीपटना सर्किल 7. बेलेंगिरी सर्किल 8. फुलबनी सर्किल 9. संपदा शुल्क सर्किल, कटक

जहां कोई आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी ।

यह अधिसूचना 1-1-78 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2086 (फा० सं० 261/6/77-आई टी जे)]

INCOME TAX

S. O. 2490—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previons notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby direct that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards or Districts specified in the corresponding column 3 thereof :—

SCHEDULE

S. No.	Range	Income-tax Circles/Wards or Districts
1.	Cuttack Range, Cuttack.	1. Cuttack Circle. 2. Central Circle, Cuttack. 3. Special Survey Circle, Cuttack. 4. Sambhalpur Circle. 5. Jharsugude Circle. 6. Rourkela Circle. 7. Keonjhar Circle. 8. Balasore Circle. 9. Baripada Circle. 10. Dhenkanal Circle.
2.	Berhampur Range, Berhampur.	1. Berhampur Circle. 2. Bhubaneshwar Circle. 3. Special Survey Circle, Bhubaneshwar. 4. Puri Circle. 5. Joypore Circle. 6. Bhawanipatna Circle. 7. Belangir Circle. 8. Phulbani Circle. 9. B. D. Circle, Cuttack.

Whereas an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from when that Income-tax Circle, Ward, or District or part thereof is transferred shall, from the date of this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-1-78.

[No. 2086(F. No. 261/6/77-ITJ)]

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1977

आय-कर

का०आ० 2491.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पूर्वतन अधिसूचना सं० 1760 (फा० सं० 261/20/77-आई टी जे) तारीख 7 मई, 1977 को आंशिक उपान्तरण करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि :—

(1) सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) कोल्हापुर रेंज, कोल्हापुर की अधिकारिता में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात्:—

स्तंभ 2 में प्रविष्टि सं० 17 के पश्चात् "सं० 18-ग वार्ड, इचलकरंजी" जोड़ें;

(2) सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), थाना रेंज, थाना की अधिकारिता में, निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा अर्थात् :— स्तंभ 2 में प्रविष्टि 44 के पश्चात् "सं० 45-ज-वार्ड-पूणे" जोड़ें।

यह अधिसूचना 2-1-1978 से प्रभावी होगी।

[सं० 2091 (फा० सं० 261/20/77-आई०टी० जे०)]

New Delhi, the 27th December, 1977

INCOME-TAX

S.O. 2491.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of the previous Notification No. 1760 (F. No. 261/20/77-ITJ) dated the 7th May, 1977, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the following amendments may be made :

(1) in the jurisdiction of the AAC, KR, Kolhapur viz. after entry No. 17 in Col. No. 2 add "No. 18, C-Ward, Ichalkaranji";

(2) in the jurisdiction of the AAC, TR, Thana viz. after entry No. 44 in Col No. 2 add "No. 45, Z-Ward, Pune".

This notification shall take effect from 2-1-1978.

[No. 2091 (F. No. 261/20/77-ITJ)]

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1978

आय-कर

का०आ० 2492.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं का आंशिक उपान्तरण करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आय-कर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम सं०	रेंज	आय-कर सर्किल, वार्ड और जिले
1	2	3
1	घ-रेंज, नई दिल्ली	1. जिला III (3), (14), (15), (28), (29) और (35), नई दिल्ली 2. तीसरा अतिरिक्त सर्वेक्षण सर्किल III, नई दिल्ली 3. जिला-III (14) (अतिरिक्त), नई दिल्ली 4. चौथा अतिरिक्त सर्वेक्षण सर्किल III, नई दिल्ली

जहां कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष उस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लंबित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी।

यह अधिसूचना 6-1-1978 से प्रभावी होगी।

[सं० 2110 (फा० सं० 261/2/77-आई टी जे)]

New Delhi, the 6th January, 1978

INCOME-TAX

S.O. 2492.—In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of all previous notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of the persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in col. 3 thereof: —

SCHEDULE

S. No.	Range	Income-tax Circles/Wards & Districts
1	2	3
1.	D-Range, New Delhi.	1. Distt. III (3), (14), (15), (28), (29) & (35) New Delhi. 2. 3rd Addl. Survey Circle-III, New Delhi. 3. District-III (14) (Addl.) New Delhi. 4. 4th Addl. Survey Circle-III, New Delhi.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereo stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Wards or District or part thereof and pending immediately before the date of the notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the ranges from whom that I. T. Circles, Wards or Distts. or part thereof is transferred shall from the date this notification takes effect be

transferred to and dealt with by the Appeallate Assistant Commissioner of the range to whom the said circle ward or Distt. or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 6-1-1978.

[No. 2110 (F. No. 261/2/77-ITJ]

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1978

का० आ० 2493.—तारीख 4-12-77 में सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) ङ० रेंज, नई दिल्ली के सामने वर्णित निम्नलिखित मदों का इस अधिसूचना के प्रकृत होने की तारीख, अर्थात् 15-12-1977 से लोप कर दिया जाएगा :—

(i) जिला VIII (1), (2) और (2) अति०, नई दिल्ली

(ii) जिला VIII, वार्ड-क, क (अति०) ख-ख (अति०)ख (अति०I) ख (अति० II) ग, घ, च (1) ङ०, (च, अति०), नई दिल्ली

(iii) क-I, क-II, क-III, क-IV, क-IV (1) और I (1) जिला, नई दिल्ली।

(iv) आय-कर एवं धन-कर सर्किल-VIII, नई दिल्ली

(v) प्रतिदाय सर्कल, नई दिल्ली।

[सं० 2124/अधिसूचना सं० 2012 (फा० सं० 261/2/77-आई०टी०जे)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 16th January, 1978

S.O. 2493—Dated 14-12-77 the following items shown against A.A.C.' E' Range, New Delhi shall stand deleted w. e.f. the date on which the notification be come operative i.e. 15-12-1977 :—

(i) District VIII (1), (2) and (2) Addl. New Delhi.

(ii) District VIII, Ward-A, A (Addl.) B. B (Addl.), B (Addl. I), B (Addl. II) C. D. D (I), E, F (Addl.), New Delhi.

(iii) A-I, A-II, A-III, A-IV, A-IV(1), and 1 (1) District, New Delhi.

(iv) Income-tax cum-Wealth-tax Circles-VIII, New Delhi.

(v) Refund Circle, New Delhi.

[No. 2124/Notification No. 2072 (F. No. 261/2/77-ITJ]

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1978

का० आ० 2494.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड की अधिसूचना सं० 2005 (फा० सं० 261/15/77 आई० टी० जे०) तारीख 24-12-77 में सहायक आय-कर आयुक्त अपील :—

ग—रेंज मद्रास के सामने निम्नलिखित जोड़े, अर्थात्:—

5. "नगर सर्किल III मद्रास"

[सं० 2126 (फा० सं० 261/15/77-आई० टी० जे०)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th January, 1978

S.O. 2494.—In the Notification of the Central Board of Direct Taxes No. 2005 (F No. 261/15/77-ITJ) dated 24-12-1977.

Against AAC C-Range Madras.

Add as under :—

5. "City Circle III Madras".

[No. 2126 (F. No. 261/15/77-ITJ)]

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1978

का० आ० 2495.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को आंशिक, उपान्तरण करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ (3) में तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय-कर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आय-कर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम	रेंज	आय-कर सर्किल, वार्ड और जिले
1	2	3
1. ग-रेंज, नई दिल्ली		(i) जिला-III (18), 18 (अतिरिक्त), 18 (प्रथम अतिरिक्त) 18 (द्वितीय अति०) (25) 25 (अति०) (26), नई दिल्ली
		(ii) सर्वेक्षण सर्किल-III, नई दिल्ली
		(iii) प्रथम अतिरिक्त परिवहन सर्किल, नई दिल्ली
		(iv) द्वितीय अतिरिक्त परिवहन सर्किल, नई दिल्ली
2. घ—रेंज, नई दिल्ली		(i) जिला-III (3), (14), 14 (अति०) 14 (प्रथम अति०), (15) (28), (29), (32), 32 (अति०), (34) और (35), नई दिल्ली
		(ii) प्रथम अति० सर्वेक्षण सर्किल-III, नई दिल्ली
		(iii) तीसरा अति० सर्वेक्षण सर्किल-III, नई दिल्ली
		(iv) चौथा अति० सर्वेक्षण सर्किल-III, नई दिल्ली
3. च-रेंज, नई दिल्ली		(i) जिला-III (1), (2), (7) (अति०) और (30), नई दिल्ली
		(ii) निष्क्रांत सर्किल, नई दिल्ली
		(iii) जिला-III (1) अति०, 1 (अति० संग्रहण सर्किल), 1 (द्वितीय संग्रहण सर्किल), 1 (तृतीय अति०संग्रहण सर्किल), (2) अति० और (33), नई दिल्ली

1	2	3
4. ठ-रेंज, नई दिल्ली		(i) जिला-III (8), (9), (16), 16 (अति०) और (31), नई दिल्ली (ii) परिवहन सर्किल, नई दिल्ली (iii) जिला III-वार्ड ज, झ, ञ, ट, ठ, क (1) ग (1) ङ० (1), छ, (1) झ (1), ट (1), नई दिल्ली (iv) विशेष निर्धारण सर्किल I, II, III, IV, और IX नई दिल्ली (v) विशेष सर्वेक्षण सर्किल II, III, IV और IX नई दिल्ली (vi) आय-कर एवं धन-कर सर्किल II नई दिल्ली (vii) ख-VI, ख-VII, ख VII (अति०) ख IX और ख IX (अति०), नई दिल्ली

जहां कोई आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाती है, वहां उस आय-कर सर्किल वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लंबित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी।

यह अधिसूचना 18-1-1978 से प्रभावी होगी।

[सं० 2129 (फा० सं० 261/2/77-आई टी० जे०)]

New Delhi, the 19th January, 1978

INCOME TAX

S. O. 2495.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of all previous notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the ranges specified in Column 2 of the Scheduled below shall perform their functions in respect of the persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the Corresponding entry in Col.3 thereof :—

SCHEDULE

S.No.	Range	Income-tax Circles /Wards & Districts
1	2	3
1. C-Range, New Delhi		(i) District-III (18), 18(Addl.), 18 Ist Addl., 18 (2nd Addl.), (25), 25 (Addl.), (26), New Delhi. (ii) Survey Circle-III, New Delhi. (iii) Ist Addl. Transport Circle, New Delhi. (iv) IInd Addl. Transport Circle, New Delhi.
2. D-Range, New Delhi		(i) District-III (3), (14), 14 (Addl.) 14 (Ist Addl), (15), (28), (29), (32), 32 (Addl) (34), and (35), New Delhi. (ii) Ist Addl. Survey Circle-III, New Delhi. (iii) 3rd Addl. Survey Circle-III, New Delhi. (iv) 4th Addl. Survey Circle-III, New Delhi.
3. F-Range, New Delhi		(i) District-III (1), (2), (7), 7 (A ddl.) and (30), New Delhi. (ii) Evacues Circle, New Delhi. (iii) District-III (1) Addl., (1st Addl. Collection), I (2nd Addl. Collection), I (3rd Addl. Collection), (2) Addl. and (33) New Delhi.
4. L-Range, New Delhi		(i) District-III (8), (9), (16), 16 (Addl.) and (31), New Delhi. (ii) Transport Circle, New Delhi. (iii) District-III Wards H, I, J, K, L, A, (1) C(1), E(1), G (1), I (1), K (1) New Delhi. (iv) Special Assessment Circles-I, II, III, VI, VII, VIII & X, New Delhi. (v) Special Survey Circle-II, III, IV & IX, New Delhi. (vi) Income-tax-cum-Wealth-tax Circle-II, New Delhi. (vii) B-VI, B-VII, B-VII (Addl.), B-IX (Addl.), New Delhi.

Where an Income-tax Circle, ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of the assessments made in that Income Tax Circle, Wards or District or part thereof and pending immediately before the date of the notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the ranges from whom that Income-tax Circles, Wards or Districts or part thereof is transferred shall from the date of this notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the range to whom the said circle ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 18-1-78.

[No. 2129 (F.No. 261/2/78-ITJ)]

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1978

आय-कर

का०आ० 2496.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में अधिसूचना सं० 2109 (फा० सं० 261/8/77-आई० टी० जे०) तारीख 5-1-1978 का आंशिक उपांतरण करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तंभ 3 में तत्सम्बन्धी प्रविष्टि

में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकार से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम संख्या	रेंज	आय-कर सर्किल, वार्ड और जिले
1.	विशेष रेंज, लखनऊ	1. क-वार्ड सर्किल 1, लखनऊ 2. ख-वार्ड सर्किल 1, लखनऊ 3. ग-वार्ड सर्किल 1, लखनऊ 4. सर्किल II, लखनऊ (जो 31-5-68 और तत्पश्चात् 1-8-68 से 1-8-69 के पश्चात् भी विद्यमान था) 5. कम्पनी सर्किल लखनऊ 6. विशेष सर्किल, लखनऊ 7. संपदा शुल्क एवं आय-कर सर्किल, लखनऊ 8. उन्नाव
2.	लखनऊ रेंज, लखनऊ	1. सर्किल 1 लखनऊ इसमें निम्नलिखित नहीं है:— (i) क-वार्ड सर्किल 1 लखनऊ (ii) ग-वार्ड सर्किल 1-लखनऊ (iii) ग-वार्ड सर्किल 1-लखनऊ 2. सर्वेक्षण सर्किल लखनऊ 3. वेतन सर्किल, लखनऊ 4. रायबरेली 5. बाराबंकी 6. लखीमपुर खीरी 7. सीतापुर 8. हरदोई 9. शाहजहांपुर
3.	बरेली रेंज, बरेली	1. बरेली सर्किल 2. नैनीताल 3. हलद्वानी 4. बदायूं 5. पीलीभीत
4.	मोरादाबाद रेंज, मोरादाबाद	1. मोरादाबाद 2. चन्दौसी 3. काशीपुर 4. अलमोड़ा 5. रामपुर 6. नजीबाबाद 7. बिजनौर 8. सम्भल

जहां कोई आयकर सर्किल, वार्ड या जिला उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आय कर सर्किल वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लंबित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी ।

यह अधिसूचना 23-1-78 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2134 (फा० सं० 261/8/77-आई० टी०जे)]

एस० के० भटनागर, अवर सचिव

New Delhi, the 24th January, 1978

INCOME TAX

S.O. 2496.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabing it in that behalf and in partial modification of Notification No. 2109 (F.No. 261/8/77 ITJ dated 5-1-78 in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that Appellate Asstt. Commissioners of Income tax of the Ranges functioning in the Lucknow Charge specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax and super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified, in the corresponding entry in Column 3 thereof :—

S.No.	Range	Income tax Circle, Boards & Distt.
1.	Spl. Range, Lucknow	1. A-Ward, Circle I, Lucknow. 2. B-Ward, Circle I, Lucknow. 3. C-Ward, Circle I, Lucknow. 4. Circle II, Lucknow (which existed upto 31-5-68 and thereafter 1-8-68 to 1-6-69 and thereafter). 5. Companies Circle, Lucknow. 6. Special Circle, Lucknow. 7. E.D. Cum Income-tax Circle, Lucknow. 8. Unnao.
2.	Lucknow Range, Lucknow.	1. Circle I, Lucknow excluding (i) A-Ward, Circle I Lucknow. (ii) B-Ward, Circle I, Lucknow. (iii) C-Ward, Circle I, Lucknow. 2. Survey Circle, Lucknow. 3. Salary Circle, Lucknow. 4. Rae Bareli. 5. Barabanki. 6. Lakhimpur Kheri. 7. Sitapur. 8. Hardei. 9. Shahjahanpur.
3.	Bareilly Range, Bareilly.	1. Bareilly Circle. 2. Nainital. 3. Haldwani. 4. Budaun. 5. Pilibhit.
4.	Moradabad Range, Moradabad.	1. Moradabad. 2. Chandausi. 3. Kashipur. 4. Almora. 5. Rampur. 6. Najibabad. 7. Bijnore. 8. Sambhal.

Whereas the Income tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range appeals arising out of the assesaments made in that Incometax Circle, Ward or Distt. or part thereof and pending

immediately before the date of this notification before the Appellate Asstt. Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or Distt. part thereof is transferred shall from the date of this notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Asstt. Commissioner other Range to whom the said Circle, Ward, or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 3-1-78.

[No. 2134(F.No.261/8/77-ITJ]

S. K. BHATNAGAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जुलाई 1978

आय-कर

का० आ० 2497.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय समय पर संशोधित रूप में अपनी अधिसूचना सं० 679 (फा० सं० 187/2/74-आ० क० ए 1) तारीख 20-7-74, से संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 2 के अंतर्गत क्रम सं० 4क के सामने निम्नलिखित संशोधन करता है :—

पटना के स्थान पर
रांची पढ़िए ।

यह अधिसूचना 24-7-78 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2414 (फा० संख्या 187/20/78-आ० क० ए 1]

New Delhi, the 17th July, 1978

INCOME TAX

S.O. 2497.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment against S. No. 4A under Column 2 of the Schedule appended to its notification No. 679 (F.No. 187/2/74-IT.AI) dated 20-7-74, as amended from time to time :—

FOR
PATNA
READ
RANCHI.

This notification shall take effect from 24-7-78.

[No. 2414(F. No. 187/20/78-IT.AI)]

नई दिल्ली, 9 जून, 1978

आय-कर

का० आ० 2498.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर संशोधित रूप में अपनी अधिसूचना सं० 2307 (फा० सं० 187/11/78-आ० क० ए 1) तारीख 25 मई, 1978 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है :

इसमें उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 3 के अधीन, क्रम सं० 21-घ तमिलनाडु वी के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि निकाल दी जाएगी और विद्यमान 6 से 11 तक की प्रविष्टियों को 5 से 10 तक की प्रविष्टियों के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा ।

"5 रामानाथापुरम सर्किल"

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1978 से प्रवृत्त होगी ।

[सं० 2342 (फा० सं० 189/12/78-आ क० ए 1]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

New Delhi, the 9th June, 1978

INCOME TAX

S.O. 2498.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the schedule appended to its notification No. 2307 (F. No. 187/11/78-IT. AI) dated 25-5-78 as amended from time to time :

Against Sl. No. 21-D Tamil Nadu V under Column 3 of the Schedule appended thereto the following entry shall be defeted and the existing entries 6 to 11 renumbered as 5 to 10.

"5 Ramanathapuram Circle"

This Notification shall come into force from 1-7-1978.

[No. 2342(F. No. 189/12/78-IT. AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1978

का०आ० 2499.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 18 और 24 के उपबन्ध इस अधिसूचना के सरकारी गजट में प्रकाशित होने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए हजारीबाग, गिरडीह और धनबाद केन्द्रीय सहकारी बैंकों (जिन्हें इसके बाद "उक्त बैंक" कहा गया है) पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध क्रमशः उनके नकद कोष और परिसम्पत्तियों के प्रतिशत से है जिनका उल्लेख, उक्त बैंकों द्वारा संसद के किसी अधिनियम द्वारा अथवा इसके अधीन निगमित एक निकाय के रूप में गठित किये गये, किसी भी कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष संघ (जिसे इसके बाद "कोष" कहा गया है) से लिये गये ऋणों के कारण उठने वाले दायित्वों के संबंध में किया गया है ।

बशर्ते कि अन्य सभी मांग और समय दायित्वों, कोष से लिये गये ऋणों की अवितरित राशियों और कोष से लिये गये ऋणों के कारण कोष में जमा न की गई वसूलियों की उक्त अधिनियम को क्रमशः धारा 18 के अधीन नकद कोष को और परिसम्पत्तियों के उस प्रतिशत को जिसकी बैंक से धारा 24 की उपधारा (2क) के खंड (क) के अधीन बनाये रखने की अपेक्षा की जाती है, गणना करते समय छोड़ दिया जायेगा ।

[संख्या एफ० 8-6/77-ए०सी०]

एम० पी० वर्मा, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 14th August, 1978

S.O. 2499.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sections 18 and 24 of the said Act shall not apply, for a period of five years from the date of publication of this notification in Official Gazette, to the Hazaribagh,

Giridih and Dhanbad central coopertive banks (hereinafter referred to as "the said banks") in so far as they relate to the percentages of cash reserves and assets therein respectively specified in respect of liabilities arising out of loans availed of by the said banks from any Coal Mines Labour Welfare Fund Organisation (hereinafter referred to as "the Fund") set up as a body corporate by or under an Act of Parliament :

Provided that in computing the cash reserve under section 18 and the percentage of assets which the said banks are required to maintain under clause (a) of sub-section (2A) of section 24, respectively, of the said Act, in respect of all other demand and time liabilities, the undisbursed portions of loans availed of from the Fund and the unremitted recoveries to the Fund on account of the borrowings from the Fund, shall be excluded.

[No. F. 8-6/77-AC]

M. P. VARMA, Under Secy.

का० आ० 2500.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 8 के उपखंड (1) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्द्वारा श्री एन० वाघुल को 1 सितम्बर, 1978 से प्रारम्भ हो कर 31 अगस्त, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सैंट्रल बैंक आफ इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक के रूप में पदोन्नीति के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/17/78-बी० ओ० 1]

बलदेव सिंह, संयुक्त सचिव

S.O. 2500.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri N. Vaghul, as a whole-time Director (designated as the Executive Director) of the Central Bank of India for the period commencing on 1st September, 1978 and ending with 31st August, 1981.

[No. F. 9/17/78-BO. I]

BALDEV SINGH, Jt. Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई

बम्बई, 16 मई, 1978

कन्द्रीय उत्पाद शुल्क

का० आ० 2501.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 5 द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्द्वारा इस समाहर्तालय में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, शुल्क वापसी, बम्बई के अधीन तैनात केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधीक्षकों को अनुबद्ध तालिका के कालम संख्या 2 में वर्णित नियमों के अंतर्गत, कालम सं० 3 में निहित सीमा में, बम्बई बन्दरगाह के माध्यम से निर्यात किए गए उत्पाद शुल्क योग्य माल (नमक को छोड़कर) के सम्बन्ध में समाहर्ता की शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार देता हूं ।

तालिका

क्र० सं०	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम संख्या	सीमा, यदि कोई हो
1	नियम 13 और 14	बन्धपत्र के अधीन निर्यात जहां देय शुल्क 25,000/- से अधिक न हो।

[सं० सी०ई० आर०/5/5/78/फा० सं० वी (30)/208/मिस्ले/73)]

ई० आर० श्रीकण्ठ्या, समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE, BOMBAY

Bombay, the 16th May, 1978

CENTRAL EXCISES

S.O. 2501.—In exercise of the powers conferred on me by rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I, hereby, empower Superintendents of Central Excise posted under the Assistant Collector of Central Excise, Refunds, Bombay in this Collectorate to exercise the powers of Collector under the rules mentioned in column No. 2 of the sub-joined Table in respect of exercisable goods (other than Salt), exported through the port of Bombay, subject to the limitations set out in column No. 3 thereof :

TABLE

S.No.	Central Excise Rule No.	Limitation if any.
1.	Rules 13 and 14	Export under bond where duty involved dose note exceed Rs. 25,000/-.

[No. CER/515/1978/F. No. V(30) 208/Misc./73]

E. R. SRIKANTIA, Collector

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1978

का० आ० 2502.—भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण की संस्था अन्तर्नियमावली के अनुच्छेद 59(7) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, श्री सी० आर० कृष्णस्वामी राव साहिब, सचिव, वाणिज्य विभाग को 1 जुलाई, 1978 से भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण, प्रगति मैदान, नई दिल्ली के अंशकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

[सं० 9/78(1/1/77)]

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

New Delhi, the 14th August, 1978

S.O. 2502.—In exercise of the Powers conferred under Article 59(7) of the Articles of Association of the Trade Fair Authority of India, the President is pleased to appoint Shri C. R. Krishnaswamy Rao Sahib, Secretary, Ministry of Commerce, as a part-time Director of the Trade Fair Authority of India, Pragati Maidan, New Delhi, with effect from the 1st July, 1978.

[No. 9/78(1/1/77-TF)]

का० आ० 2503.—राष्ट्रपति, भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण, प्रगति मैदान, नई दिल्ली के अध्यक्ष के रूप में श्री आर० डी० थापर का त्यागपत्र 30 जून, 1978 से स्वीकार करते हैं।

[सं० 11/78(1/1/77-टी० एफ०)]

S.O. 2503.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. D. Thapar, as Chairman of the Trade Fair Authority of India, Pragati Maidan, New Delhi from 30th June, 1978.

[No. 11/78(1/1/77-TF)]

का० आ० 2504.—राष्ट्रपति, भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण, प्रगति मैदान, नई दिल्ली के अंशकालिक निदेशक के रूप में श्री आर० डी० थापर का त्यागपत्र 30 जून, 1978 से स्वीकार करते हैं ।

[सं० 12/78(1/1/77-टी० एफ०)]

S.O. 2504.—*The President is pleased to accept the resignation of Shri R. D. Thaper, as part-time Director of the Trade Fair Authority of India, Pragati Maidan, New Delhi from 30th June, 1978.*

[No. 12/78(1/1/77-TF)]

का० आ० 2505.—भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण की संस्था अन्तर्नियमावली के अनुच्छेद 59(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, श्री सी० आर० कृष्णस्वामी राव साहिब, सचिव, वाणिज्य विभाग और भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण के अंशकालिक निदेशक को 1 जुलाई, 1978 से प्राधिकरण के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करते हैं ।

[सं० 10/78/(1/1/77)]

एम० पी० श्रीवास्तव, अवर सचिव

S.O. 2505.—*In exercise of the powers conferred under Article 59(2) of the Articles of Association of the Trade Fair Authority of India, the President is pleased to appoint Shri C. R. Krishnaswamy Rao Sahib, Secretary, Ministry of Commerce and part-time Director of the Trade Fair Authority of India, as Chairman of the Board of Directors of the Authority with effect from 1st July, 1978.*

[No. 10/78(1/1/77)]

M. P. SRIVASTAVA, Under Secy.

(संयुक्त नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

बम्बई, 16 जून, 1978

का०आ० 2506.—सर्वश्री इथनौर लिमिटेड, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुलुन्द, बम्बई को वास्तविक उपयोक्ता के रूप में नीचे वर्णित वस्तुओं के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किये गये थे :—

क्रम सं०	लाइसेंस सं० तथा दिनांक	रुपए में मूल्य	माल का विवरण
1.	पी/एस/184/498/19-7-76.	3,95,274	लाइसेंस के लिये सूची के अनुसार एलन्टॉन.
2.	पी/एस/1892521/8-8-77.	11,31,193	एसीट्रजोइक एसिड बी०पी० आदि ।
3.	पी/एस/1892523/8-8-77.	5,65,596	

2. इसके पश्चात्, उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या 1/203/77/ए०यू० ई०एन०एफ०/4284 दिनांक 13-12-1977 यह पूछते हुए जारी किया गया था कि 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों संशोधित, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) तथा (सी०सी०) के अन्तर्गत क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और यह कि उन्होंने उक्त लाइसेंस मिथ्या निरूपण एवं धोखे से प्राप्त किये थे और इस आधार पर भी कि उनके पास खाद तथा रसायन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अपेक्षित उस अन्तिम उत्पाद के निर्माण के लिए 1973 से एक वैध सी०ओ०बी० लाइसेंस नहीं है जिसके लिए उपरोक्त आयात लाइसेंस जारी किये गये थे, जो हालांकि उनके पास 75% के विदेशी अप्रत्यक्ष सामान्य इक्विटी हैं ।

3. सर्वश्री इथनौर लिमिटेड, बम्बई ने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अपने उत्तर दिनांक 20-1-1978 में उक्त कारण बताओ सूचना में वर्णित विभिन्न परिस्थितियों और विभिन्न लाइसेंसों के उपयोग की स्थिति के बारे में बताया है । उन्होंने यह बताया है कि औद्योगिक निदेशक एवं खाद्य तथा औषधि प्रशासन, महाराष्ट्र राज्य ने उनके मामले के लिए खाद तथा रसायन मंत्रालय से सिफारिश की थी । इसे ध्यान में रखते हुए, सर्वश्री इथनौर लिमिटेड, बम्बई ने यह अनुरोध किया है कि जो माल पहले ही पहुंच गया है उसकी रिहाई के लिए सीमा-शुल्क कार्यालय को आवश्यक अनुदेश जारी कर दिये जायें ।

4. लेकिन सर्वश्री इथनौर लिमिटेड, बम्बई ने उक्त कारण बताओ सूचना में प्रदान किए गए व्यक्तिगत सुनवाई के अवसर का लाभ नहीं उठाया है ।

5. अधोहस्ताक्षरी उनके द्वारा दिये गये स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हैं और इस परिणाम पर पहुंचा है कि उपर्युक्त आयात लाइसेंस सं० (1) पी०/एस०/1841498 दिनांक 9-7-1976 (2) पी०/एस०/1892521 दिनांक 8-8-1977 (3) पी०/एस०/1892523 दिनांक 8-8-77 तथ्यों के मिथ्यानिरूपण द्वारा प्राप्त किए गए और जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिए लाइसेंस जारी किए गए हैं उसे वे पूरा नहीं करेंगे ।

6. पूर्व की कंडिकाओं में जो कुछ भी बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस प्रारम्भ से ही रद्द अथवा अप्रभावकारी कर दिया जाना चाहिए । इसलिए, अधोहस्ताक्षरी, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9 उपधारा (ए) तथा (सी०सी०) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री इथनौर लिमिटेड, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुलुन्द, बम्बई को जारी किए गए उपर्युक्त लाइसेंसों को एतद् द्वारा रद्द करता है ।

[सं०-1/203/77/ए०यू०/ई०सी०ए०/1739]

एम० एस० नवकर्णी, उप-मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports)

S.O. 2506.—The following licences were issued to M/s. Ethnor Limited, Lal Bahadur Shastri Marg, Mulund, Bombay as an Actual Users for import of the items shown below :

Sr. No.	Licence No.& date	Value in Rs.	Description of goods
1.	P/S/1841498/19-7-76	3,95,274/-	Allantoin Acetrizoic
2.	P/S/1892521/8-8-77	11,31,193/-	Acid B.P. etc. as per
3.	P/S/1892523/-do-	5,65,596/-	list attached to the licence.

2. Thereafter a show cause notice No. 1/203/77/AU|ENT| 4284 dated 13-12-1977 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the aforesaid licences issued in their favour should not be cancelled in terms of clause 9 sub-clause (a) and (cc) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955, as amended, on the ground that the said licences had been obtained by them by mis-representation and fraud for the reason that they are not holding a valid C. O. B. Licence from 1973 for the manufacture of the end product for which the aforesaid Import Licences were issued as required by the Ministry of Chemicals and Fertilizers. New Delhi even though they are having an indirect foreign equity of 75 per cent.

3. M/s. Ethnor Limited, Bombay in their reply dated 20th January, 1978 to the said Show Cause Notice have explained the various circumstances and the position of utilisation of the various licences mentioned in the said Show Cause Notice. They have stated that the Director of Industries as well as Food and Drug Administration, Maharashtra State had recommended their case to the Ministry of Chemicals and Fertilizers. In view of this, M/s Ethnor Limited, Bombay have requested that necessary instructions to the Customs may be issued to release the consignments which have already arrived.

4. M/s. Ethnor Limited, Bombay have however not availed of the opportunity of Personal Hearing afforded in the said show cause notice.

5. The undersigned is not satisfied with the explanation given by them and has come to the conclusion that the above mentioned Import Licences Nos. (1) P/S/1841498 dt. 9-7-1976 (2) P/S/1892521 dt. 8-8-1977 (3) P/S/1892523 dt. 8-8-1977 have been obtained by mis-representation of facts and that the licences will not serve the purpose for which the same have been issued.

6. Having regard to what has been stated in the proceeding para, the undersigned is satisfied that the licences in question should be concelled ab-initio or rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under-clause 9 Sub-clause (a) and (cc) of the Imports (Control) Order 1955 hereby cancel the licences mentioned above issued in favour of M/s Ethnor Limited, Lal Bahadur Shastri Marg, Mulund, Bombay.

[No. 1/203/77/AU/E CA/1739]

M. S. NADKARNI, Dy. Chief Controller

(नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)

नयी दिल्ली, 7 अगस्त, 1978

का० आ० 2507.—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन शाहपुरी फारवर्ड एक्सचेंज लिमिटेड, कोल्हापुर द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किये गये आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श के विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेंज की गुड़ की अग्रिम संविदाओं के बारे में, 10 अगस्त, 1978 से 9 अगस्त, 1979 (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलित हैं) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[फा० सं० 12 (13) आई० टी०/78]

DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

New Delhi, the 7th August, 1978

S.O. 2507.—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Shahupuri Forward Exchange Limited, Kolhapur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 10th August, 1978 upto the 9th August, 1979 (both days includive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(13)IT/78]

का० आ० 2508.—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन आगरा मर्चेन्टस चैम्बर लिमिटेड, आगरा द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त चेम्बर को गुड़ की अग्रिम संविदाओं के बारे में, 10 अगस्त, 1978 से 9 अगस्त, 1979 तक (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलित हैं) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त चेम्बर ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मि० सं० 12(14) आई० टी० /78]

S.O. 2508.—The Central Government in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Agra Merchants' Chamber Limited, Agra and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Chamber for a further period of one year from the 10th August, 1978 upto the 9th August, 1979 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such direction as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12(14)-IT/78]

का० आ० 2509.—केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन चैम्बर आफ कामर्स, हापुड़ द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त चैम्बर को गुड़ की अग्रिम संविदाओं के बारे में 10 अगस्त, 1978 से 9 अगस्त 1979 तक (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलित हैं) की एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त चैम्बर ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मि० सं० 12 (15) आई० टी०/78]

श्री० श्रीनिवासन, उप-सचिव

S.O. 2509.—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Chamber of Commerce, Hapur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Chamber for a further period of one year from the 10th August, 1978 upto the 9th August, 1979 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(15)-IT/78]

V. SRINIVASAN, Dy. Secy.

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1978

का०आ० 2510.—सर्वश्री निरलोन सिंथेटिक फाइबर एण्ड कैमिकल्स लि०, 254-बी डा० ऐनी बेसेन्ट रोड, वर्ली, बम्बई को अप्रैल-मार्च 1978 के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति की कंडिका 55-56 की शर्तों के अनुसार और लाइसेंसधारी की फैक्टरी में उपभोग की हुई अथवा लगाई हुई मशीनों के रख रखाव के लिए सहायक उपकरण, नियंत्रण और प्रयोगशाला उपकरण और सुरक्षा उपस्कर सहित गैर-अनुमेय फालतू पुर्जों के आयात के लिए 2,99,179 रुपये के लिए आयात लाइसेंस सं० पी०/डी०/2208591/आर०/एम०जी०/64/एच/०77, दिनांक 22-7-77 प्रदान किया गया था।

2. उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति पत्तन कार्यालय द्वारा अस्थानस्थ हो गई है। लाइसेंसधारी ने आगे यह भी बताया है कि लाइसेंस में अधियुक्त धनराशि 2,03,026 रुपये शेष है (लाइसेंस का आंशिक मूल्य) और यह लाइसेंस सीमा शुल्क प्राधिकारी बम्बई के पास रजिस्ट्रीकृत कराया गया है।

3. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस सं० पी/डी/2208591/आर/एम जी/64/एच/77, दिनांक 22-7-77 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति अस्थानस्थ हो गई है तथा निदेश देता है कि उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की एक अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

4. लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सं० रेयन/4(4)/77-78/आर एन-6]

राजिन्दर सिंह, उप मुख्य नियंत्रक,

कृते मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 18th July, 1978

S.O. 2510.—M/s. Nirlon Synthetic Fibres & Chemicals Ltd., 254-B Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay 400025 were granted import licence No. P/D/2208591/R/MG/64/H/77 dated 22-7-77 for Rs. 2,99,179 for the import of Non permissible spare parts required for maintenance of machines, installed or used in the licence holder's factory including spare parts of ancillary equipment, control and laboratory equipments and safety appliances and also subject to paras 55-56 of ITC Policy for AM-78.

2. They have requested for the issue of duplicate Customs Purposes Copy of the above said licence on the ground that the original Customs Purpose Copy has been misplaced by the Customs office as reported by the party. It has been further reported by the licensee that the licence had an unutilised balance of Rs. 2,03,026/- (Part value of the licence) and that the licence has been registered with Bombay Customs authorities.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the Original Customs Purposes copy of import licence No. P/D/2208591/R/MG/64/H/77 dated 22-7-77 has been misplaced and directs that a duplicate Customs Purposes copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Customs Purposes Copy is cancelled.

4. The Duplicate Customs Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[No. Rayon/4(4)77-78/RM-VI]

RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller

for Chief Controller

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1978

का०आ 2511.—सर्वश्री तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन, देहरादून को आरमकोरिज के उपस्कारों और फालतू पुर्जों के आयात के लिए लाइसेंस संख्या आई/ए/1069547, दिनांक 10-6-76 प्रदान किया गया था। ओ० एन० जी० सी० ने सूचना दी है कि लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और उसकी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए अनुरोध किया है। यह बताया गया है कि सीमा शुल्क प्रति बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाई गई है।

अपने तर्क के समर्थन में पार्थी ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रति खो गई है और निदेश देता है कि लाइसेंस की उक्त सीमा शुल्क योजन की प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एतद् द्वारा रद्द की जाती है और उसकी एक अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सिविल संख्या-एन० डी/81/76-77 पी० एल० एस/बी/653]

एम० एल० भार्गव, उप-मुख्य नियंत्रक

कृते मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 21st August, 1978

S.O. 2511.—M/s. Oil and Natural Gas Commission Tel Bhavan Dehradun was granted licence No. I/A/1069547 dated 10-6-1976 for the import of accessories of ARMCO-RIG and spare parts. The ONGC has reported that the customs copy of the licence has been lost/misplaced and has requested to issue duplicate copy of the same. The Customs copy is stated to have not been utilised at all.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the customs copy of the licence has been lost and directs that the duplicate copy of the said customs purpose copy of the licence be issued.

The original customs purpose copy of the licence is hereby cancelled. And a duplicate copy of the same is being issued separately.

[F. No. ND/81/76-77/PLS/B/653]

M. L. BHARGAVA, Dy. Chief Controller

for Chief Controller

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1978

का० आ० 2512.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 34 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त इसके द्वारा बन्दोबस्त विंग के संबंधित उप मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त/बन्दोबस्त आयुक्त को, इस विभाग के पत्र सं० 14(2)/74-विशेष सैल/74 दिनांक 12 मई, 1978 में दिए गए आदेश का अनुसरण करते हुए, दिल्ली में अर्जित शहरी

निष्क्रान्त सम्पत्तियों, जिनमें प्रत्येक का मूल्य 50,000 रुपये से अधिक न हो, के निपटान के लिए उक्त अधिनियम के अधीन बनाए गए नियम 87 के संबंध में अपनी शक्तियां सौंपता है।

[संख्या-14(2) 78-एस०एम-II]

कौशल कुमार, मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 29th July, 1978

S.O. 2512.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation), Act, 1954 (44 of 1954) the Chief Settlement Commissioner hereby delagates to the concerned Deputy Chief Settlement Commissioner/Settlement Commissioner *in the Settlement Wing, his powers under rule 87 framed under* the said Act, for the purpose of disposal of the acquired urban evacuee properties in Delhi each of the value not exceeding Rs. 50,000/- in pursuance of the order contained in this Department letter No. 14(2)/74-Spl.-Cell/74 dated the 12th May, 1978.

[No. 14(2)/78-SS.II]

KAUSHAL KUMAR, Chief Settlement Commissioner

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1978

का०आ० 2513.—अतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाप्ति निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारकरण, संचलन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बंद कर दिया है जो कि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य हैं।

और अतः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाप्ति निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिवर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अतः अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है:—

क्रम सं०	अधिकारी कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन किस पद पर स्थायी है	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के किस पद पर थे	भारतीय खाद्य निगम को स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री एस० के० वर्मा	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गोदाम अधीक्षक	5-2-74
2.	श्री सी०पी० एस० पाठक	—	गोदाम लिपिक	14-12-74
3.	श्री प्रेम बहादुर	चौकीदार	चौकीदार	19-7-75
4.	श्री बृजलाल मदान	तोलने वाला	गोदाम लिपिक	3-5-75
5.	श्री एम० एल० साहनी	वरिष्ठ लिपिक	सहायक अधीक्षक	25-5-75

[फाइल सं० 52/7/74 एफ०सी०III (वाल्यूमXI)]

बख्शी राम, उप सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 4th August, 1978

S.O. 2513.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-Section (1) of Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

Sl. No	Name of the officer/ employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the FCI
1	2	3	4	5
1.	Sh. S.K.Verma	Godown Keeper	Godown Supdt.	5.2.74
2.	Sh. C.P.S.Pathak	—	Godown Clerk	14.12.74
3.	Sh. Prem Bahadur	Watchman	Watchman	19. 7. 75
4.	Sh. Brij Lal Madan	Weighman	Godown Clerk	3. 5. 75
5.	Sh. M.L.Sahni	Sr.Clerk	Assistant Supdt.	25.5.75

[No. 52/7/74-FC-III(Vol. XI)]

BAKHSHI RAM, Dy. Secy.

उद्योग मंत्रालय

(भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1978

का०आ० 2514.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में

निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीवृंद ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. आर्थर बटलर एण्ड कं० (मोजफ्फरपुर) लि०, मुजफ्फरपुर (बिहार)
2. ब्रिटानिया इंजीनियरिंग वर्क्स, मोकामा, पटना (बिहार)

[सं० ई०—14015(6)/77-हिन्दी]

राम प्रसाद मेहता, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Heavy Industry)

New Delhi, the 18th July, 1978

S.O. 2514.—In pursuance of Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following Offices the Staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. Arthur Butler & Co. (Muzafferpur) Ltd., Muzafferpur (Bihar).
2. Britannia Engg. Works, Mokameh (Patna), (Bihar).

[No. E-14015(6)/77-Hindi]

R. P. MEHTA, Under Secy.

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1978

का० आ० 2515.—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कपास नियंत्रण आदेश, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का नाम कपास नियंत्रण (दूसरा संशोधन) आदेश, 1978 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. कपास नियंत्रण आदेश, 1955 में, खंड 8 में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

"परन्तु कोई भी व्यक्ति किसी एक समय, दोनों, 'क' और 'ख' वर्ग की अनुज्ञप्तियों के लिए न तो आवेदन करेगा और न उन्हें प्राप्त करेगा :

परन्तु यह और कि कोई भी व्यक्ति जिसके पास कपास नियंत्रण (दूसरा संशोधन) आदेश, 1978 के प्रारम्भ पर, दोनों 'क' और 'ख' वर्ग की अनुज्ञप्तियां हों, ऐसे प्रारम्भ से 30 दिनों के भीतर, किसी एक अनुज्ञप्ति को, रद्द किए जाने के लिए, समुचित अनुज्ञापन प्राधिकारी को अध्यर्पित करेगा।"

[फा० सं० 12/26/76-वस्त्र (II)/सी०टी०एम०]

जी० वी० सुब्रमण्यम, अवर सचिव

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 18th August, 1978

S.O. 2515.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Cotton Control Order, 1955, namely :—

1. (1) This Order may be called the Cotton Control (Second Amendment) Order, 1978.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the official Gazette.

2. In the Cotton Control Order, 1955, to clause 8, the following provisos shall be added, namely :—

"Provided that no person shall apply for and obtain both 'A' and 'B' Class licences at any one time :

Provided further that any person having both 'A' and 'B' Class licences at the commencement of the Cotton Control (Second Amendment) Order, 1978, shall, within 30 days from such commencement, surrender any one of the licences to the appropriate licensing authority for cancellation."

[F. No. 12/26/76-Tex(II)/CTM]

G. V. SUBRAMANYAM, Under Secy.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1978

का०आ० 2516.—भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है। गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेधन स्थल सं० के०ओ० डी०-1 से जी०जी०एस-7 तक पेट्रोलियम के लिये भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किये गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 14-12-1977 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोगिकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

के० ओ० डी०—1 से जी०जी० एस०—7 तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	का० आ०सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक	अडालज उवरसद	1131	22-4-78	14-12-1977

[सं० 12016/5/78-प्रो० I]

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZERS

(Deptt. of Petroleum)

New Delhi, the 7th August, 1978

S.O. 2516.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals pipelines (Acquisition of right of user in Land) Act, 1962 the

right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. KOD-1 to G.G.S. VII in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act on 14-12-1977.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. Kod-1 to G.G.S. VII.

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Adalaj, Uvarsad	1131	22-4-78	14-12-77

[No. 12016/5/78-Prod I]

का० आ० 2517.—भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेधान स्थल सं० के० डी० ई-21(के-184) से जी० जी० एस०-5 तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 15-3-1976 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि-अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एतद्-द्वारा वे उक्त तिथि को कार्य समाप्ति तिथि अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

के० डी० ई-21(के-184) से जी० जी० एस-5 तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	ईसन्ड	1432	20-5-1978	15-3-1976

[सं० 12016/5/78-प्रो० II]

S.O. **2517.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. KDE-21 (K-184) to GGS V in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 15-3-1976.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM D.S. KDE-21 (K-184) TO GGS V.

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	ISAND	1432	20-5-78	15-3-1976

[No. 12016/5/78-Prod. II]

का० आ० 2518.—भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेधान स्थल सं० के० ई० एक्स-11 से के० ई० एक्स-5 तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 29-5-1976 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एतद्-द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

के० ई० एक्स-11 से के० ई० एक्स-5 तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	जमीयतपुरा	1446	20-5-1978	29-5-1976

[सं० 12016/5/78-प्रो० III]

S.O. **2518.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. KEX-11 to KEX-5 in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 29-5-1976.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM D.S. KEX-11 KEX-5.

Name of Ministry	Villages	S.O.No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation.
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	JAMIYATPURA	1446	20-5-1978	29-5-1976

[No. 12016/5/78-Prod. III]

का० आ० 2519.—भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेधान स्थल सं० कूप नं० 15 से एस० आई० पी० (सानन्द जी० जी० एस०) तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 25-1-1977 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाईप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

कूप नं० 15 से एस० आई० पी० (सानन्द जी० जी० एस०) तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	का० आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	जेठलज	1133	22-4-1978	25-1-1977

[सं० 12016/5/78-प्रो० IV]

S.O. **2519.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from WELL No. 15 to SIP (Sanand GGS) in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 25-1-1977.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination to above.

SCHEDULE

TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM WELL NO. 15 TO SIP (SANAND GGS)

Name of Ministry	Villages	S.O.No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation.
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	JETHALAJ	1133	22-4-1978	25-1-1977

[No. 12016/5/78-Prod-IV]

का० आ० 2520.—भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के कलोल तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेधान स्थल सं० के० डी० ई-20 से जी० जी० एस-4 तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 29-1-1977 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

के० डी० ई-20 से जी० जी० एस-4 तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	का० आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	धमासना	1435	20-5-1978	29-1-1977

[सं० 12016/5/78-प्रो० V]

S.O. **2520.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. KDE-20 to GGS IV in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of section (1) of section 7 of the said Act on 29-1-1977.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM D.S. KDE-20 TO GGS IV.

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	DHAMASANA	1435	20-5-78	29-1-1977

[No. 12016/5/78-Prod V]

का० आ० 2521.—भारत सरकार की अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के खंभात तेल क्षेत्र में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेधन स्थल सं० 23 से जी० जी० एस० तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं ।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (i) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 20-7-1976 से समाप्त कर दिया गया है ।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोगकर्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एतद्-द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करते हैं ।

अनुसूची

23 से जी० जी० एस० तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	जालापुर नेजा सीखाडा पालडी	1433	20-5-1978	20-7-1976

[सं० 12016/5/78-प्रो० VI]

S.O. 2521.—Whereas by the notification of Govrnment of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. 23 to G.G.S. in Cambay oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 20-7-1976.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM D.S. 23 TO G.G.S.

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	ZALAPUR, NEJA, SOKHADA, PALADI.	1433	20-5-78	20-7-76

[No. 12016/5/78-Prod- VI]

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1978

का० आ० 2522.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक और गुजरात राज्य में विरमगाम से गुजरात शोधनशाला कोयली तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यतः इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (i) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब अतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 9 के अधीन, सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को उपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते है ।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र सलाया से मथुरा तक पाइप लाइन संक्रिया पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राज्यपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	1. कमोड	2210	22-7-75	12-10-77
	2. वणझार	2210	12-7-75	12-10-77
	8. नीर्थकोट-पुरा	2676	16-8-75	9-12-77
	4. हांसलपुर	2375	26-7-75	2-8-76
		5373	27-12-75	2-8-76
		1382	17-4-76	2-8-76
	5. विरमगाम	2375	26-7-75	14-5-77
	6. रहेमतपुरा	,,	,,	14-5-77
	7. वणी	,,	,,	22-5-77

[सं० 12020/1/78-प्रो०]

New Delhi, the 10th August, 1978

S.O. 2522.—Wheres by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State to Mathura in Uttar Pradesh and from Viramgam to Gujarat Refinery, Koyali, in Gujarat State.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now Therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM SALAYA TO MATHURA

Name of Ministry	Name of village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of Termination
1	2	3	4	5
Petroleum, Chemicals & Fertilisers (Petroleum Department)	Kamod	2210	12-7-75	12-10-77
	Vanzar	2210	12-7-75	12-10-77
	North-Kotpura	2676	16-8-75	9-12-77
	Hansalpur	2375	26-7-75	2-8-77
		5373	27-12-75	
		1382	17-4-76	
	Viramgam	2375	26-7-75	14-5-77
	Rahematpur	2375	26-7-75	14-5-77
	Vani	2375	26-7-75	22-5-77

[No. 12020/1/78-Prod.]

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1978

का० आ० 2523.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 434 तारीख 5-2-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इंडियन आयल कारपोरेशन लि० में सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : आबूरोड जिला : सिरोही राज्य : राजस्थान

ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल		
		हैक्टर	ऐयर	वर्गमीटर
1	2	3	4	5
सांतपुर (सीयावा)	1270	0	07	59
	1271	0	08	85
	1272	0	07	59
	1273	0	08	85
	1274	0	21	50
	1275	0	01	26
	1276	0	26	56
	1277	0	07	59
	1278	0	15	18
	1279	0	10	12
	1259	0	20	23
	1245	0	39	20
	1054	0	17	71
	1053	0	05	06
	1052	0	08	85
	1048	0	08	85
	1047	0	01	26
	1049	0	10	12
	1050	0	01	26
	1041	0	03	79
	1045	0	04	06
	1043	0	10	12
	1042	0	02	53
	1031	0	16	44
	1030	0	01	26
	1032	0	06	32
	1029	0	06	32
	1024	0	29	09
	1025	0	24	03
	1026	0	11	38
	979	0	11	38
	963	0	13	91
	941	0	08	85
	940	0	20	23
	939	0	01	26
	944	0	01	26
	964	0	16	44
	966	0	08	85
	967	0	01	26
	973	0	18	97
	974	0	31	62

1	2	3	4	5
सांतपुर (सियवा)	972	0	01	26
	971	0	07	59
	643	0	10	12
	642	0	02	53
	616	0	10	12
	617	0	03	79
	641	0	05	06
	640	0	07	59
	639	0	05	06
	637	0	05	06
	634	0	12	65
	633	0	06	32
	630	0	03	79
	632	0	08	85
	631	0	03	79
	694	0	11	38
	693	0	07	59
	692	0	10	12

[सं 12020/15/76-प्रो०-I]

New Delhi, the 11th August, 1978

S.O. 2523.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 434 dated 5-2-1977 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Abu Road District : Sirohi State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
SANTPUR (SEEYAWA)	1270	0	07	59
	1271	0	08	85
	1272	0	07	59
	1273	0	08	85
	1274	0	21	50
	1275	0	01	26
	1276	0	26	56
	1277	0	07	59
SANTPUR(SEEYAWA) (Contd.)	1278	0	15	18
	1279	0	10	12
	1259	0	20	23
	1245	0	39	20
	1054	0	17	71
	1053	0	05	06
	1052	0	08	85
	1048	0	08	85
	1047	0	01	26
	1049	0	10	12
	1050	0	01	26
	1041	0	03	79
	1045	0	04	06
	1043	0	10	12
	1042	0	02	53
	1031	0	16	44
	1030	0	01	26
	1032	0	06	32
	1029	0	06	32
	1024	0	29	09
	1025	0	24	03
	1026	0	11	38
	979	0	11	38
	963	0	13	91
	941	0	08	85
	940	0	20	23
	939	0	01	26
	944	0	01	26
	964	0	16	44
	966	0	08	85
	967	0	01	26
	973	0	18	97
	974	0	31	62
	972	0	01	26
	971	0	07	59
	643	0	10	12
	642	0	02	53
	616	0	10	12
	617	0	03	79
	641	0	05	06
	640	0	07	59
	639	0	05	06
	637	0	05	06
	634	0	12	65
	633	0	06	32
	630	0	03	79
	632	0	08	85
	631	0	03	79
	694	0	11	38
	693	0	07	59
	692	0	10	12

[No.12020/15/76-Prod.I].

का० आ० 2524.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 3035 तारीख 1-10-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इंडियन आयल कारपोरेशन लि० में सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : आबू रोड जिला : सिरोही राज्य : राजस्थान

ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	ऐयर	वर्गमीटर
सांतपुर	691	0	08	85
	690	0	11	38
	675	0	01	26
	676	0	03	79
	680	0	03	79
	689	0	02	53
	681	0	08	85
	686	0	18	97
	685	0	02	53
	718	0	06	32
	720	0	03	79
	721	0	03	79
	719	0	05	06
	723	0	05	06
	724	0	11	38
	727	0	16	44
	731	0	11	38
	730	0	13	91
	746	0	15	18
	745	0	11	38
	744	0	11	38
	750	0	01	26
	749	0	10	12
	751	0	24	03
	753	0	12	65
	754	0	12	65
	755	0	02	53
	758	0	13	91
	757	0	05	06
	808	0	25	29
	805	0	18	97
	803	0	13	91
	802	0	01	26
	818	0	25	29
	817	0	08	85

[सं० 12020/15/76-प्रोडक्शन-II]
एम० एम० वाई० नदीम, अवर सचिव

S.O. 2524.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 3035 dated 1-10-1977 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Abu Road District : Sirohi State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
1	2	3	4	5
SANTPUR	691	0	08	85
	690	0	11	38
	675	0	01	26
	676	0	03	79
	680	0	03	79
	689	0	02	53
	681	0	08	85
	686	0	18	97
	685	0	02	53
	718	0	06	32
	720	0	03	79
	721	0	03	79
	719	0	05	06
	723	0	05	06
	724	0	11	38
	727	0	16	44
	731	0	11	38
	730	0	13	91
	746	0	15	18
	745	0	11	38
	744	0	11	38
	750	0	01	26
	749	0	10	12
	751	0	24	03
	753	0	12	65
	754	0	12	65
	755	0	02	53

1	2	3	4	5
SANTPUR (Contd.) . .	758	0	13	91
	757	0	05	06
	808	0	25	29
	805	0	18	97
	803	0	13	91
	802	0	01	26
	818	0	25	29
	817	0	08	85

[No. 12020/15/76-Prod.II]
S. M. Y. NADEEM, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1978

का०आ० 2525.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकर के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 3556, तारीख 23 सितम्बर, 1976 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबन्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में से खनिजों के खनन, खदान वेधन, खोदाई, तलाश निष्कासन उन पर कार्य करने और उनको ढुलाई करने के अधिकारों के अर्जन के आशय की सूचना दी थी ;

पूर्वोक्त क्षेत्रों में खनन के अधिकारों के अधिग्रहण के बारे में कोई आक्षेप नहीं किए गए हैं ;

केन्द्रीय सरकार का, उड़ीसा सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 629.00 एकड़ (लगभग) या 254.54 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, वेधन, खोदाई, तलाश, निष्कासन, उन पर कार्य करने और उनकी ढुलाई करने के अधिकारों का अर्जन किया जाना चाहिए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इससे उपाबन्ध अनुसूची में वर्णित 629.00 एकड़ (लगभग) या 254.54 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन, खदान वेधन, खोदाई, तलाश, निष्कासन, उन पर कार्य करने और उनकी ढुलाई करने के अधिकारों का अधिग्रहण किया जाता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण, कलक्टर के कार्यालय सम्बलपुर उड़ीसा में या कोयला नियंत्रक के कार्यालय 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता में या वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) का कार्यालय सिविसेर हाउस, टेम्पल रोड, नागपुर (महाराष्ट्र) में किया जा सकता है।

अनुसूची

ब्लाक सं० 5

ईब नदी कोयला क्षेत्र

(उड़ीसा)

ड्राइंग सं० डब्ल्यू सी/एल/के बी/भूमि 1-77 तारीख 5-4-77 एसी भूमि दर्शित की गई है जिसमें खनिजों के खनन, खदान, वेधन, खुदाई, तलाश, निष्कासन, उन पर कार्य करने और उनकी ढुलाई के अधिकारों का अर्जन किया गया है)

खनन अधिकार

क्रम सं०	ग्राम का नाम	ग्राम सं०	थाना	जिला	एकड़ों में क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	लाजकुरा	17	रजराज-नगर	सम्बल-पुर	387.11 (लगभग)	भाग
2.	छुआलीबेरना	18	"	"	183.00 (लगभग)	"
3.	जोब (सान)	19	"	"	58.89 (लगभग)	"

कुल क्षेत्र : 629.00 एकड़ (लगभग) या 254.54 हेक्टेयर (लगभग)

लाजकुरा ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएं :— 1,2,3/पी, 4, 5पी, 6,7/पी, 8/पी, 10/पी, 131/पी, 132 से 134, 135/पी, 136/पी, 137/पी, 138/पी, 139/पी, 341/पी/342/पी, 343/पी 344/पी, 345/पी और 346/पी

छुआलीबेरना ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएं : 918/पी, 929/पी, 948/पी, 949, 950/पी, 951/पी, 952/पी, 953/पी, 955/पी, 956/पी, 965/पी, 971/पी, 972/पी, 973/पी, 976 से 986, 987/पी, 988/पी, 991/पी, 992, 993, 994/पी, 995 से 1061, 1062/पी, 1063/पी, 1066/पी, 1068/पी, 1972, 1074/पी, 1135/पी, 1136 और 1137/पी।

जोब (सान) ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएं :— 1,2/पी 3 से 15, 16/पी, 18/पी, 19, 20, 21/पी, 22/पी, 37/पी, 38, 39, 40/पी, 41, 42/पी, 43/पी, 44/पी, 45 से 72, 74 से 79, 80/पी, 83/पी और 268/पी।

सीमा वर्णन

ए-बी लाइन लाजकुरा ग्राम के प्लाट सं० 345, 344, 136, 135 से होते हुए छुआलीबेरना ग्राम के प्लाट सं० 1068, 1066, 1074, 1063, 1062, 1137, 918, 1135, 965 से प्लाट सं० 976 के साथ साथ प्लाट सं० 973, 972, 971, 956, 955, 953, 952, 951, 950, 929, 948, 987, 988, 994, 991 से होती हुई बिन्दु 'बी' पर मिलती है।

बी-सी लाइन भागतः छुआलीबेरना ग्राम की सीमा और ओरिएन्ट कोयला क्षेत्र खनन पट्टा-सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'सी' पर मिलती है।

सी-डी लाइन जोब (सान) ग्राम के प्लाट सं० 20 की सीमा के साथ साथ प्लाट सं० 2, 22, 21 से होकर जाती है, प्लाट सं० 15 की सीमा के साथ साथ प्लाट सं० 18 से होकर प्लाट सं० 16,43,44 से होती हुई बिन्दु 'डी' पर मिलती है।

डी-ई लाइन जोब (सान) ग्राम के प्लाट सं० 44, 42, 40, 37, 83 से होते हुए बिन्दु 'ई' पर मिलती है।

ई-एफ लाइन जोब (सान्) ग्राम के प्लाट सं० 83-80,268 और लाजकुरा ग्राम के प्लाट सं० 3, 5, 7,8,10, 131, 139, 138, 137, 342 तक फैलती हुई 'एफ' बिन्दु पर मिलती है।

एफ-ए लाइन लाजकुरा ग्राम के प्लाट सं० 342-341, 343, 346, 345 से होती हुई आरम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिल जाती है।

[सं०सी० 5-4(24) 74-सीएल)]
एस० आर० ए० रिजवी, निदेशक

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, 14th August, 1978.

S. O. 2525.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) S.O. No. 3556 dated the 23rd September, 1976 under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development Act), 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands described in schedule appended to that notification;

And whereas no objection was made to the acquisition of mining rights in the locality aforesaid;

And whereas the Central Government after consulting the Government of Orissa, is satisfied that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands mesuring 629.00 acres (approximately) and or 254.54 hectares (approximately) described in Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 629.00 acres (approximately) or 254.54 hectares (approximately) described in the schedule appended hereto are hereby acquired.

The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Sambalpur (Orissa) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, or in the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue Section), Bisesar House Temple Road, Nagpur (Maharashtra).

SCHEDULE

Block No. 5

Ib-River Coalfield

(ORISSA)

Drg. No. WCL/KB/IB/Land/1-77
Dated : 5-4-1977.

(Showing lands where rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals are acquired).

MINING RIGHTS

Sl. No.	Name of village	Village number	Thana	District	Area in acres	Remarks
1.	Lajkura	17	Brajrajnagar	Sambalpur	387.11 (approximately)	Part
2.	Chhualiberna	18	,,	,,	183.00 (approximately)	Part
3.	Job (San)	19	,,	,,	58.89 (approximately)	Part

Total area :—629.00 acre (approximately) or 254.54 hectares (approximately)

Plot numbers acquired in village Lajkura :

1, 2, 3/p, 4, 5/p, 6, 7/p, 8/p, 10/p, 131/p, 132 to 134, 135/p 136/p, 137/p, 138/p, 139/p, 341/p, 342/p, 343/p, 344/p, 345/p and 346/p.

Plot numbers acquired in village Chhualiberna :

918/p, 929/p, 948/p, 949, 950/p, 951/p, 952/p, 953/p, 955/p, 956/p, 965/p, 971/p, 972/p, 973/p, 976, to 986, 987/p, 988/p, 991/p, 992A, 993, 994/p, 995 to 1061, 1062/p, 1063/p, 1066/p, 1068/p, 1072, 1074/p, 1135/p, 1136 and 1137/p.

Plot numbers acquired in village Job (San) :

1, 2/p, 3 to 15, 16/p, 18/p, 19, 20, 21/p, 22/p, 37/p, 38, 39, 40/p, 41, 42/p, 43/p, 44/p, 45 to 72, 74 to 79, 80/p, 83/p and 268/p.

Boundary Description :—

A-B Line Passes through village Lajkura in plot nos. 345, 344, 136, 135 through village Chhualiberna in plot nos. 1068, 1066, 1074, 1063, 1062, 1137, 918, 1135, 965 along the boundary of plot no. 976 through plot nos. 973, 972, 971, 956, 955 953, 952, 951, 950, 929, 948, 987, 988, 994, 901 and meets at point 'B'.

B-C Line passes partly along village boundary of Chualiberna and Job (San) mining lease boundary of Orient Colliery and meets at point 'C'.

C-D Line passes through village Job (San) in plot nos. 2, 22, 21 along the boundary of plot no. 20, through plot no. 18, along the boundary of plot no., 15, through plot nos. 16, 43, 44 and meets at point 'D'.

D-E Line passes through village Job (San) in plot nos. 44, 42, 40, 37, 83 and meets at point 'E'.

E-F Line passes through village Job (San) in plot nos. 83, 80, 268 and extended to village Lajkura in plot nos. 3, 5, 7, 8, 10, 131, 139, 138, 137, 342 and meets at point 'F' (i.e. along mining leased boundary of Orient Colliery).

F-A Line passes through village Lajkura in plot nos. 342, 341, 343, 346, 345 and meets at starting point 'A'.

[No. C5-4(24)/74-CL]

S. R. A. RIZVI, Director.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1978

का०आ० 2526.—राष्ट्रपति, विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री के० डी० शर्मा को 14 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से उत्प्रवासन महाप्रबंधक तथा मुख्य पासपोर्ट अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं

[सं० सी०पी० ई० ओ/26/78]

एस० शिवस्वामी, अवर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 19th July, 1978

S.O. 2526.—*The President is pleased to appoint* Shri K. D. Sharma Joint Secretary, Ministry of External Affairs as Controller General of Emigration and Chief Passport Officer with effect from the forenoon of 14th July, 1978.

[No. CPEO/26/78]

S. SIVASWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1978

का. आ. 2527.—हज समिति अधिनियम 1959 (1959 का 51) की धारा 4 की उप-धारा (2) (ज) के अनुसार केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा हज समिति अधिनियम, 1959 (1959 का 51) की

धारा 3, 4 तथा 5 के अंतर्गत भारत के असाधारण राजपत्र में 17 नवम्बर, 1977 को प्रकाशित अधिसूचना सं. एम (हज)/118-1/2/77 दिनांक 17 नवम्बर 1977 द्वारा गठित उक्त समिति की शेष अवधि के लिए लोक सभा के सदस्य श्री कुंवर महमूद अली खान को सदस्य के रूप में हज समिति, बंबई में नामजद करती है। इन्हें भारत के असाधारण राजपत्र दिनांक 17 नवम्बर, 1977 में प्रकाशित अधिसूचना सं. एम (हज)/118-1/2/77 दिनांक 2 मई 1978 के अंतर्गत अधिसूचित रिक्त स्थान पर नामजद किया जाता है।

[सं. एम(हज)/118-1/2/77]

New Delhi, the 1st August, 1978.

S.O. 2527.—In accordance with Sub-Section (2) (h) of Section 4 of the Haj Committee Act, 1959 (51 of 1959), the Central Government hereby notify the nomination of Shri Kunwar Mahmud Ali Khan, Member of the Lok Sabha, as member of the Haj Committee, Bombay, for the unexpired term of the said Committee, as constituted under Section 3, 4 & 5 of the Haj Committee Act 1959 (51 of 1959); under **Notification No. M(HAJ)|118-1|2|77 dated 17th November,** 1977 published in the Extraordinary Gazette of India dated 17th November, 1977 against the seat declared vacant vide Notification No. M(HAJ)|118-1|2|77 dated 2nd May, 1977, published in the Gazette of India dated the 17th June, 1978.

[No. M (Haj)/118-1/2/77]

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1978

का. आ. 2528.—हज समिति अधिनियम, 1959 की धारा 12(1) की शर्तों के अंतर्गत भारत सरकार को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जम्मू एवं काश्मीर प्रशासन सेवा के सदस्य श्री काजी मोहम्मद अमीन को, जिनकी सेवाएं जम्मू एवं काश्मीर सरकार द्वारा भारत सरकार को सौंपी गई हैं, इसके द्वारा, बंबई में हज समिति का कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

2. श्री अमीन 7 जुलाई, 1978 से, जब उन्होंने कार्यकारी के पद का कार्यभार संभाला, दो वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे, यह अवधि तीन वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है।

[सं. एम(हज)/118-1/26/77]

एस. शहाबुद्दीन, संयुक्त सचिव (हज)

New Delhi, the 7th August, 1978

S.O. 2528.—In exercise of the powers vested in Government of India in terms of Section 12 (i) of the Haj Committee Act, 1959, Shri Qazi Mohammad Amin, Member of the J&K Administration Service, whose services have been placed by the Government of Jammu & Kashmir at the disposal of the Government of India, is hereby appointed as Executive Officer, Haj Committee, Bombay.

2. Shri Amin will be on deputation for a period of two years, extendable to three years, with effect from the 7th July, 1978, when he assumed charge of the post of Executive Officer.

[No. M(Haj)/118-1/26/77

S. SHAHABUDDIN, Jt. Secy. (Haj)

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1978

का०आ० 2529.—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 7 की उपधारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के उपबन्धों के अनुसरण में इन्दौर विश्वविद्यालय ने 27 मार्च, 1978 से डा० एम० एम० अरोड़ा, डीन, एम० जी० एम० मेडिकल कालेज, इन्दौर को भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की 9 जनवरी, 1960 अधिसूचना संख्या एस० ओ० 138 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित", शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 33 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, अर्थात् :—

"33. डा० एम० एम० अरोड़ा,
डीन,
एम० जी० एम० मेडिकल कालेज,
इन्दौर"

[संख्या वी० 11013/1/78 एम०ई० (पी०)]

आर० वी० श्रीनिवासन, उप सचिव,

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 17th July, 1978

S.O. 2529.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (i) of section 3 read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. M. M. Arora, Dean, M.G.M. Medical College, Indore, has been elected by the University of Indore to be a member of the Medical Council of India with effect from the 27th March, 1978;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. S.O. 138, dated the 9th January, 1960 namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial No. 33 and the entry relating thereto, the following serial No. and entry shall be substituted, namely :—

"33. Dr. M.M. Arora,
Dean,
M.G.M. Medical College,
Indore."

[No. V. 11013/1/78-M.E. (Policy)]

R. V. SRINIVASAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1978

का० आ० 2530.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा तथा अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में काम करने वाले व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक और महा-लेखा परीक्षक से परामर्श करने के बाद संविधान के अनुच्छेद 313 और 372 के तथा ऐडप्टेशन आफ लाज आर्डर, 1950 के पैरा-19 के अधीन यथा प्रवृत्त केन्द्रीय सेवाएं (चिकित्सा परिचर्या) नियमावली, 1944 में आगे और संशोधन करने के लिये एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, नामत :

1. (1) ये नियम केन्द्रीय सेवाएं (चिकित्सा परिचर्या) द्वितीय संशोधन नियमावली, 1978 कहे जायें।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि के तीन महीने के पश्चात् लागू होंगे।

2. केन्द्रीय सेवाएं (चिकित्सा परिचर्या) नियमावली, 1944 के साथ संलग्न अनुसूची II में— (i) निम्नलिखित औषध-योग जोड़े जायेंगे, अर्थात् :—

AGAROL—M/Liquid.
BECADEY/FORTE/SYR/DROP/TAB/CAP.
CALVITON.
DIGESTOPAN TABLET/SYRUP
DIZYTONE SYRUP.
EUNOVA TONIC LIQUID.
FERBO WINONINOS SYRUP.
HEEMA POWDER.
HEMO-B-PHOS/Liquid.
K. 5 MEDICINAL HAIR TONIC.
MALTINEE/LIQUID.
MALTVIRON/LIQUID.
MILK DIGEST TABLET.
MULTITONIK/LIQUID.
NUTRI MALT.
NITITONE POWDER.
PHOSFOMIN CUM IRON/LIQUID.
PROTEX/12/POWDER.
PROTEUS POWDER.
PANTENE VITAMIN HAIR TONIC.
RAPTAKOS POWDER.
SANIMALT/Liquid.
TONO PHOS.
TONO PHOSPAN.
TONO PHOSPOTONE.
TROPHAMIN/POWDER.
THREPTINHI-CAL PIECES.
URI PROTEIN POWDER.
VINTONE LIQUID.
WINO BRONA/LIQUID.

Note :—Cost of Dressing Materials like Bandages, Cotton Gauges and such other items may be allowed for re-imbursement when the patient receives treatment as an indoor patient and these are not supplied by the hospital free of cost ; and

(ii) The following preparation shall be omitted, namely :—

A.B.C. LINIMENT/Liquid.
ACIDIN WITH BELLANDONNA/Powder.
ACI-JEL VAGINAL/Jelly.
ACRIFLAVINE.
A&D PEARLS.
AIGIPAN CREAM.
ANTIFLAMIN/Poultice.
ANTIPHLOGISTINE/Ointment.
ANTI-PLASTIC/Liquid.
ANTI RABIC VACCINE (A.R.V.).
ARGENTUM OPHTHALMIC COLLOSOL/Drops.
ARGENTUM WITH EPHEDRINE COLLOSOL/Drops.
ARSENO-TYPHOID VACCINE.
B.C.G. VACCINE.
BELLADONNA LINTMENT.
BI-PHLOGISTON/Poultice.
BISMAG BISURATED MAGNESIA/Powder
BISMUTHPEPCO/Liquid.
BLOOD COLLECTION SET.
BLOOD TRANSFUSION SET.
BROMOSERPENTINE/Liquid.
BROMO VALERATE/Elixir.
BROMOVALIN/Liquid.
BROVALERIAN/Liquid.
BROVON INHALENT/Liquid.
BROVEN MIDGET INHALER.
BROVEN BROVONETTA INHALER.
BROVEN BONACCORD INHALER.
CAMPHOR LIMTMENT AMMONIATED.
CARMINATIVE MIXTURE.
CASTBLLANIS PAINT/Liquid.
CHLORODYNE/Liquid.
CHLOROFORM SPIRIT/Solution.
CINCHONE TING CONCENTRATE/Liquid.
COLD VACCINE.
COLLOID SULPHAR/Liquid.
D.D.T. POWDER.
DIARRHOEA MIXTURE.
DILL WATER.
DILL WATER CONC.
DULCOLAX/Suppositories.
EASTON'S SYRUP/Liquid.
ELASTOCREPE ELASTIC BANDAGES.
ELASTOPLAST ELASTIC ADHESIVE BANDAGES.
ELUXIR BROMOVALERIAN.
ELIXIR VELERIAN BROM.
ELIXIR VALEROBROM.
ETHYL CHLORIDE SPRAY.
FLUE FOE/Liquid Tabs.
FLUTAB.
GLYCERINE ACID PERSIN/Liquid.
GLYCERINE SUPPOSITORIES.
GLYCERINE OF PERSIN/Liquid.
CLYCERRHIZA/Liquid.
GYPSONA PLASTER OF PARIS/Bandages.
GYPSONA PLASTER OF PARIS SLABS.
IDOCYL/Ointment.
IDOLINT WITH M.S./Ointment.
INFLUENZA MIXTURE/Liquid.
INFLUENZA TABS.
INFLUENZA WITH QUININE/Tablets.
IODINE/Tablets.
IODEMA WITH METHYL SALICYLATE/Ointment.
IODIMA/Ointment.
IODINE SOLUTION.
IODIMA WITH METHYLSALICYLATE/Ointment.
IODINE WITH METHYLSALICYLATE/Ointment.
IODINE SOL.
IODINE/Ointment.
IODINE WEAK SOL.
IODOCOL WITH METHYLSALICYLATE/Ointment.
IODOCYL/Ointment.
IODOLEP WITH METHYLSALICYLATE/Ointment.
IODOL OINTMENT.
IODOMENT WITH M.S./Ointment.

IODOMEX/Ointment.
IODOMEX WITH METHYLSALICYLATE/Ointment.
IODORUB/Ointment.
IODYL/Ointment.
JELONET DRESSING.
JOHNSON'S ADHESIVE PLASTER ZINC OXIDE.
KAOLIN MIXTURE/Mixture/Suspension.
KAOLIN MIXTURE WITH PECTION CB 12/Liquid.
KAOLIN MIXTURE WITH PECTIN/Liquid.
KAOLIN MIXTURE PECTIN.
KAOLIN PECTIN MIXTURE.
KAOLIN WITH OPIUM MIXTURE.
KAOLO-PECTIN WITH SULPHAGUANIDINE/ Suspension.
LINIMENT|ABC|ANODYNE|BELLADONA|CAM.
PHOR/EMBROCATION/TERPENTINE/ETC.
MACODEX OINTMENT.
MAC'S LINIMENT.
MANDLE'S PAINT/Liquid.
MISTURA BISMUTH CO.
MISTURA PEPSION CO.
NEOEPININE NO. 1&2/Spray.
OINTMENT OF IODINE.
PARAGON ZINC OXIDE ADHESIVE PLASTER.
PULV CRET. AROMAT/Powder.
QUININE SULPHATE/Tablets.
RELAXYL/Ointment.
RUBRIMENT LINIMENT.
SCABISS/Ointment/Emulsion.
SELVIGON/Dragees.
S. FLU/Tablets.
SOAP LINIMENT.
SODIUM CHLORIDE/Tablets.
SODIUM SALICYLATE MIXTURE.
STK'S GLYCERIN ACID PEPSIN/Liquid.
SUPER MIND IF FOR CATTLE.
TINCTURE IODINE/Liquid.
TINT BENZOIN/Liquid.
TINT IODINE/Liquid.
VELROC PLASTER OF PARIS BANDAGES.
VENIOLIN INHALER".

[सं० एस० 14026/4/78- एस० एस०]

एन० ए० मुत्तामोनी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th August, 1978

S.O. 2530.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General of India, in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the Central Services (Medical Attendence) Rules, 1944 as continued in force under articles 313 and 372 of the Constitution and paragraph 19 of the Adaptation of Laws Order, 1950, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Services (Medical Attendence) Second Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force after three months from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Schedule II appended to the Central Services (Medical Attendance) Rules, 1944,—

(i) the following preparations shall be added, namely :—

AGAROL - M/LIQUID
BECADEX/FORTE/SYR|DROP|TAB|CAP
CALVITION
DIGESTOPAN TABLET/SYRUP
DIZYTONE SYRUP
EUNOVA TONIC LIQUID
FERRO WINONINOS SYRUP
HEEMA POWDER
HEMO-B-PHOS/LIQUID
K. 5 MEDICINAL HAIR TONIC
MALTINEE/LIQUID
MALTVIRON/LIQUID
MILK DIGEST TABLET
MULTITONIK/LIQUID
NUTRI MALT
NITITONE POWDER
PHOSFOMIN CUM IRON/LIQUID
PROTEX/12/POWDER
PROTEUS POWDER
PANTENE VITAMIN HAIR TONIC
RAPTAKOS POWDER
SANIMAIT/LIQUID
TONO PHOS
TONO PHOCPAN
TONO PHOSPOTONE
TROPHAMIN/POWDER
THREPTIN-HI-CAL PIECES
URI PROTEIN POWDER
VINTONE LIQUID
WINO BRONA/LIQUID

Note : Cost of Dressing Materials Like Bandages, Cotton Gauges and such other items may be allowed for re-imbursement when the patient receives treatment as on indoor patient and these are not supplied by the hospital free of cost ; and

(ii) The following preparations shall be omitted : Namely :—

A. B. C. LINIMENT/LIQUID
ARGENTUM OPHTHALIMIC COLLOSOL|Drops
ACI-JEL VAGINAL/JELLY
ACRIFLAVINE.
A & D PEARLS.
ALIGIPAN CREAM
ANTIFLAMIN/poultice
ANTIPHLOGISTINE/Ointment
ANTI-PLASTIC/LIQUID
ANTI RABIC VACCINE (A. R. V.)
ARGENTUM OPHTHALIMIC COLLOSOL/Drops
ARGENTUM WITH EPHEDRINE COLLOSOL/Drops
ARSENO-TYPHOID VACCINE
B. C. G. VACCINE
BELLADONNA LINTMENT
BI-PHLOGISTON/Poultice
BISMAG BISURATED MAGNESIA/Powder
BISMUTHPEPCO/Liquid
BLOOD COLLECTION SET
BLOOD TRANSFUSION SET
BROMOSERPENTINE Liquid
BROMO VALERATE/Elixir
BROMOVALIN/Liquid
BROVON INHALENT|Liquid
BROVON INHALENT/LLiquid
BROVEN MIDGET LNHALER

BROVEN BROVONETTA INHALER
BROVEN BONACCORDINALER
CAMRHOR LIMTMENT AMMONIATED
CARMINATIVE MIXTURE
CASTELLANT'S PAINT/Liquid
CHLORODYNE/Liquid
CHLOROFORM SPIRIT/Solution
CINCHONA TINC CONCENTRATE/Liquid
COLD VACCINE
COLLOID SULPHAR/Liquid
D.D.T. POWDER
DIARRHOEA MIXTURE
DILL WATER
DILL WATER CONC.
DULCOLAX/Suppositories
EASTON'S SYRUP/Liquid
ELASTOCREPE ELASTIC BANDAGES
ELESTOPLAST ELASTIC ADHESIVE BANDAGES-
ELIXIR BROMOVALERIAN
ELIXIR VELERIAN BROM
ELIXIR VALEROBROM
ETHYL CHLORIDE SPRAY
FLUTE FOE/Liquid Tabs.
FLUTAB
GLYCERINE ACID PERSIN/Liquid
GLYCERINE SUPPOSITORIES
GLYCERINE OF PERSIN/Liquid
GLYCERRHIZA/Liquid
GYPSONA PLASTER OF PARIS/Bandages
GYPSONA PLASTER OF PARIS SLABS
IDOCYL/Ointment
IDOLINT WITH M.S./Ointment
INFLUENZA MIXTURE/Liquid
INFLUENZA TABS.
INFLUENZA WITH QUININE/Tablets
IODINE/Tablets
IODEMA WITH METHYL SALICYLATE/Ointment
IODIMA/Ointment
IODINE SOLUTION
IODIMA WITH METHYLSALICYLATE/Ointment
IODINE WITH METHYLSALICYLATE/Ointment
IODINE SOL.
IODINE/Ointment
IODINE WEAK SOL.
IODOCOL WITH METHYLSALICYLATE/Ointment
IDOCYL/Ointment
IODOLEP WITH METHYL SALICYLATE/Ointment
IODOL OINTMENT
IODOMENT WITH M.S./Ointment
IODOMEX/Ointment
IODOMEX WITH METHYLSALICYLATE/Ointment
IODORUB/Ointment
IODYL/Ointment
JELONET DRESSING
JOHNSON'S ADHESIVE PLASTER ZINC OXIDE
KAOLIN MIXTURE/Mixture/Suspension
KAOLIN MIXTURE WITH PECTION CB 12/Liquid
KAOLIN MIXTURE WITH PECTIN/Liquid
KAOLIN MIXTURE PECTIN
KAOLIN PECTIN MIXTURE
KAOLIN WITH OPIUM MIXTURE
KAOLO-PECTIN WITH SULPHAGUANIDINE/Suspension
LINIMENT/ABC/ANODYNE/BELLADONA/CAMPHOR/EMBROCATION/TERPENTINE/ETC.
MACODEX OINTMENT
MAC'S LINIMENT
MANDLE'S PAINT/Liquid
MISTURA BISMUTH CO.
MISTURA PEPSION CO.
NEOEPININE NO. 1 & 2/Spray
OINTMENT OF IODINE
PARAGON ZINC OXIDE ADHESIVE PLASTER
PULV CRET. AROMAT/Powder
Quinine SULPHATE/Tablets
RELAXYL/Ointment
RUBRIMENT LINIMENT
SCABISS/Ointment/Emulsion
SELVIGON/Dragees
S. FLU/Tablets.
SOAP LINIMENT
SODIUM CHLORIDE/Tablets
SODIUM SALICYLATE MIXTURE
STK'S GLYCERIN ACID PEPSIN/Liquid
SUPER MIND IF FOR CATTLE
TINCTURE IODINE/Liquid
TINT. BENZOIN/Limitel
TINT. IODINE/Liquid
VELROC PLASTER OF PARIS BANDAGES
VENIOLIN INHALER."

[No. S. 14025/4/78-MS]

N. A. SUBRAMONEY, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1978

का०आ० 2531.—आन्ध्र प्रदेश सरकार ने, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (ङ) के अनुसरण में, श्री एम०वी०थामस, आई०पी० एस, खाद्य (स्वास्थ्य) प्राधिकारी और ओषधि नियंत्रक, आन्ध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद को, डा०यू०बी०जी० शर्मा, जिनका निधन हो गया है, के स्थान पर केन्द्रीय खाद्य मानक समिति के सदस्य के रूप में नाम निर्देशित किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 276 (असा०), तारीख 1 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित और संशोधन किया जाएगा, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, "धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (ङ) के अधीन नामनिर्देशित सदस्य "शीर्षक के नीचे, क्रम संख्या (1) के सामने प्रविष्टि के स्थान पर, "श्री एम०वी०थामस, खाद्य (स्वास्थ्य) प्राधिकारी और ओषधि नियंत्रक, आन्ध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद" प्रविष्टि रखी जाएगी।

[संख्या: पी० 15016/1/76 डी०एम०एस०एण्ड पी०एफ०ए०]

जी० पंचापकेशन अवर सचिव (डी०)

New Delhi, the 18th August, 1978

S.O. 2531.—Whereas in pursuance of clause (e) of sub-section (2) of section 3 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), the Government of Andhra Pradesh have nominated Shri M. V. Thomas, IPS, Food (Health) Authority and Drugs Controller, Government of Andhra Pradesh, Hyderabad, as a member of the Central Committee for Food Standards vice Dr. U.B.G. Sarma, who expired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby directs that the following further amendments shall be made in the notification of the Government

of India in the late Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. S.O. 276(E) dated the 1st April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "Members nominated under clause (e) of sub-section (2) of section D", against Sl. (1), for the entry the entry "Shri M. V. Thomas, Food (Health) Authority and Drugs Controller, Government of Andhra Pradesh, Hyderabad" shall be substituted.

[No. P. 15016/1/76-DMS & PFA]

G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली; 14 अगस्त, 1978

का०आ० 2532.—वायुयान नियम, 1937 के नियम 3 के उपनियम (2) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय के आदेश संख्या का०आ० 2547, दिनांक 29 अगस्त, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात् :—

उक्त आदेश के पैरा 2 में "पांच वर्ष की अवधि" शब्दों के स्थान पर "छः वर्ष की अवधि" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[फा०सं० ए०वी० 11016/1/76ए/एआर/(1937)(1)/1978

एस० ऐकाम्बरम, उप सचिव

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

ORDER

New Delhi, the 14th August, 1978

S.O. 2532.—In pursuance of sub-rule (2) of rule 3 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation No. S.O. 2547, dated the 29th August, 1973 namely :—

In the said Order, in paragraph 2, for the words "a period of five years", the words "a period of six years" shall be substituted.

[F. No. Av. 11016/1/76-A/AR(1937)(1)/1978]

S. EKAMBARAM, Dy. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1978

का० आ० 2533.—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा (1) और चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 9 के उपनियम (1) के साथ पठित नियम 8 के उपनियम (3) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड से परामर्श करने के बाद, निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल से अगले आदेश तक, उक्त बोर्ड के कलकत्ता सलाहकार पैनल का सदस्य नियुक्त किया है:—

1. श्री हीरेन फुकन
2. श्री पी० के० महापात्र
3. श्री कृष्णकान्त शास्त्री

[फाइल संख्या 11 8/77/एफ० सी०]

सुरेन्द्र कुमार शर्मा, उप सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 1st August, 1978

S.O. 2533.—In exercise of the powers conferred by Section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and Sub-rule (3) of Rule 8 read with Sub-rule (1) of Rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules 1958, the Central Government hereby appoints the following persons, after consultation with the Central Board of Film Censors, as Members of the Advisory Panel of the said Board at Calcutta with immediate effect, until further orders :—

1. Shri Hiren Phukan
2. Shri P. K. Mahapatra
3. Shri Krishnakant Shastri.

[F. No. 11/8/77-FC]

S. K. SHARMA, Dy. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1978

का० आ० 2534.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने देहु रोड टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-10-78 से प्रमापित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-8/76-पी एच बी]

आर० सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक (पी०एच०बी०)

MINISTRY OF COMMUNICATION

(P&T Board)

New Delhi, the 19th August, 1978

S.O. 2534.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S. O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-10-1978 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Dehu Road Telephone Exchange, Pune District.

[No. 5-8/76-PHB]

R. C. KATARIA, Asst. Dir. Gen. (PHB)

संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1978

(पुरातत्व)

का० आ० 2535.—केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक और पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 36 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (2), तारीख 2 जुलाई, 1977 के पृष्ठ 2407 पर प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की अधिसूचना सं० का० आ० 2210, तारीख 17 जून, 1977 के नीचे विनिर्दिष्ट रीति से शुद्ध किया जाएगा, अर्थात:—

उक्त अधिसूचना में अनुसूची में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात "यहां स्थल रेखांक उद्धृत करें"

[सं० 2/22/72/एम

DEPARTMENT OF CULTURE

(Archaeological Survey of India)

New Delhi, the 17th August, 1978

(ARCHAEOLOGY)

S.O. 2535.—In exercise of the powers conferred by Section 36 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby directs that the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) No. S.O. 2210, dated the 17th June, 1977, published in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated the 2nd July, 1977 at pages 2407 and 2408 shall be corrected in the manner specified below, namely :—

In the said notification, to the Schedule, the following shall be added, namely :—

"Here reproduce site plan".

[No. 2/22/72/M]

नई दिल्ली, 21 अगस्त 1478

पुरातत्व

का०आ० 2535.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व का है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक और पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के निकाले जाने के पश्चात् दो मास के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा किए गए किसी आक्षेप पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित राजस्व प्लाट सं०	क्षेत्रफल	सीमा	स्वामित्व	टिप्पण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
गुजरात	खेड़ा	नडियाद	बारसी	विट्ठल भाई हवेली जिसमें वह पार्श्व क्षेत्र भी है जो नीचे दिए गए स्थल-मानचित्र में यथा दर्शित सर्वेक्षण प्लाट संख्या 81 का भाग है।	नीचे दिए गए स्थल मानचित्र में यथादर्शित सर्वेक्षण प्लाट संख्या 81 का भाग।	6 एकड़ 30 वर्ग मीटर और 60 वर्ग सेन्टीमीटर	उत्तर : सर्वेक्षण प्लाट संख्या 82 पूर्व : सर्वेक्षण सं० 81 का अवशिष्ट भाग और विट्ठल भाई हवेली के दक्षिण पूर्वी कोने से सटा गृह। दक्षिण : सर्वेक्षण प्लाट सं० 268 से होकर तालाब की ओर जाने वाली और सं० 269 से होकर बाजार की ओर जाने वाली सड़क। पश्चिम : फाटक से होकर जाने वाली और किसी भी सिरे से बाजार की ओर जाने वाली सड़क।	—	—

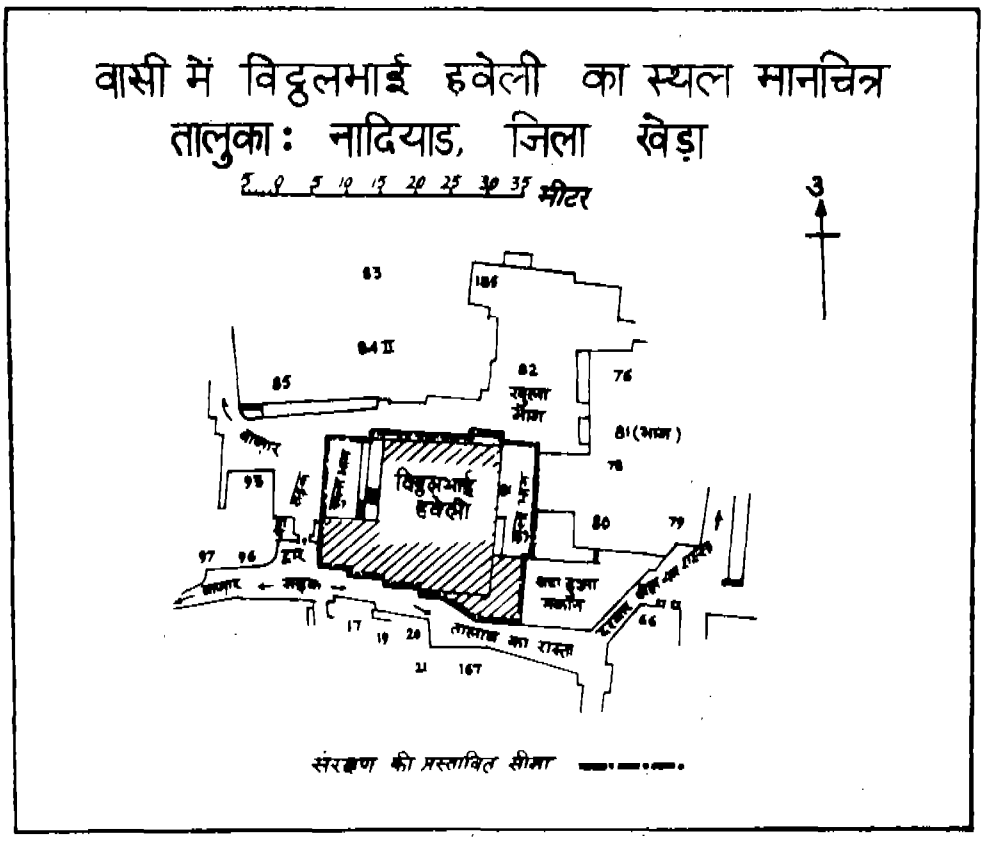

[सं० 2/28/77/एम]

New Delhi, the 21st August, 1978
(ARCHAEOLOGY)

S.O. 2536.—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monument specified in the Schedule attached hereto is of national importance ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection made within two months after the issue of this notification by any person interested in the said ancient monument will be considered by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument	Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Gujarat	Kheda	Nadia	Vaso	Vithalbhai Haveli together with adjacent area comprised in part of Survey Plot No. 81 as shown in the site plan reproduced below	Part of Survey Plot No. 81, as shown in the site plan reproduced below.	6 acres 50 Sq. mts. and 60 Sq. cms.	North : Survey Plot No. 82. East : Remaining portion of S. No. 81 and adjoining house to the South-east corner of Vithalbhai Haveli. South : Road through Survey Plot No. 268 leading to Talao and 269 leading to Bazar.	—	—

					8		West : Road passing through gate and also leading to the Bazaar through either end.		

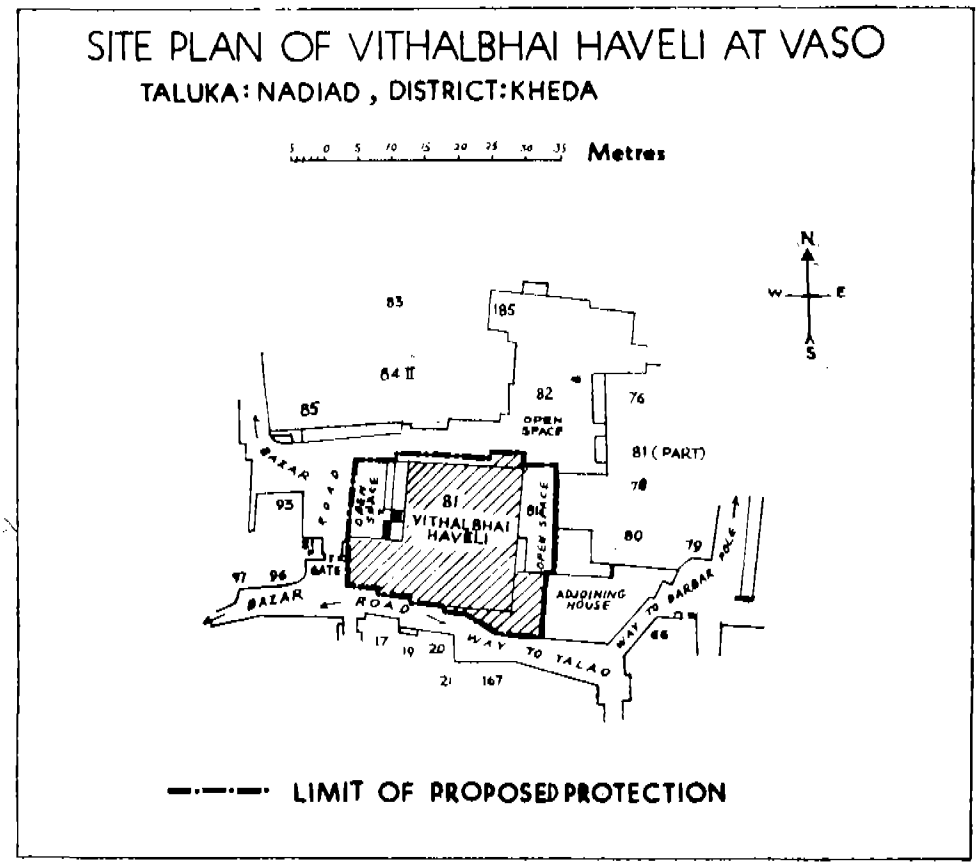

पुरातत्व

का०आ० 2537केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 18 सितम्बर, 1976 में प्रकाशित, भारत सरकार के संस्कृत विभाग की अधिसूचना सं० का०आ० 3341, तारीख 14 सितम्बर, 1976 द्वारा, उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट कतिपय पुरातत्वीय स्थलों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त सूचना की एक प्रति प्राचीन संस्मारक और पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उक्त पुरातत्वीय स्थल पर, एक सहज दृश्य स्थान पर लगा दी गई थी। और उक्त राजपत्र, जनता को 21 सितम्बर, 1976 को उपलब्ध करा दिया गया था।

और जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की अनुसूची में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थल को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थिति	स्थल का नाम	संरक्षण के अन्तर्गत आने वाले प्लाटों की संख्या	क्षेत्रफल	सीमा	स्वामित्व	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
मध्य प्रदेश	जबलपुर	सिहोरा	ककरझुटा	नीचे पुनरुद्धृत स्थल रेखांक में यथादर्शित सर्वेक्षण प्लाट सं० 349 374/1,374/2, 374/3,388, 389 में, सर्वेक्षण प्लाट सं० 350, 378/1,402/1 और 402/2 के भाग में समविष्ट प्राचीन टीला।	नीचे पुनरुद्धृत स्थल रेखांक में यथादर्शित सर्वेक्षण प्लाट सं० 349 374/11,374/2 374/3,388, 389 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 350,378/4 402/1 और 402/2 के भाग	19.73 एकड़	उत्तर-सर्वेक्षण प्लाट सं० 336, सर्वेक्षण प्लाट सं० 378/1 1402/1 के शेष भाग और सर्वेक्षण प्लाट सं० 392 पूर्व-सर्वेक्षण प्लाट सं० 391/1 390/1,385, 378/2, 381/1, 377, 375 (तलाब) और 373	सर्वेक्षण प्लाट सं० 350 प्राइवेट स्वामित्व में है।	टीले पर कोई आधुनिक निर्माण नहीं है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

दक्षिण-सर्वेक्षण प्लाट सं० 372/1 351/1 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 350 के शेष भाग

पश्चिम-सर्वेक्षण प्लाट सं० 348 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 336 का भाग ।

ककराहटा के टौले का मान-चित्र

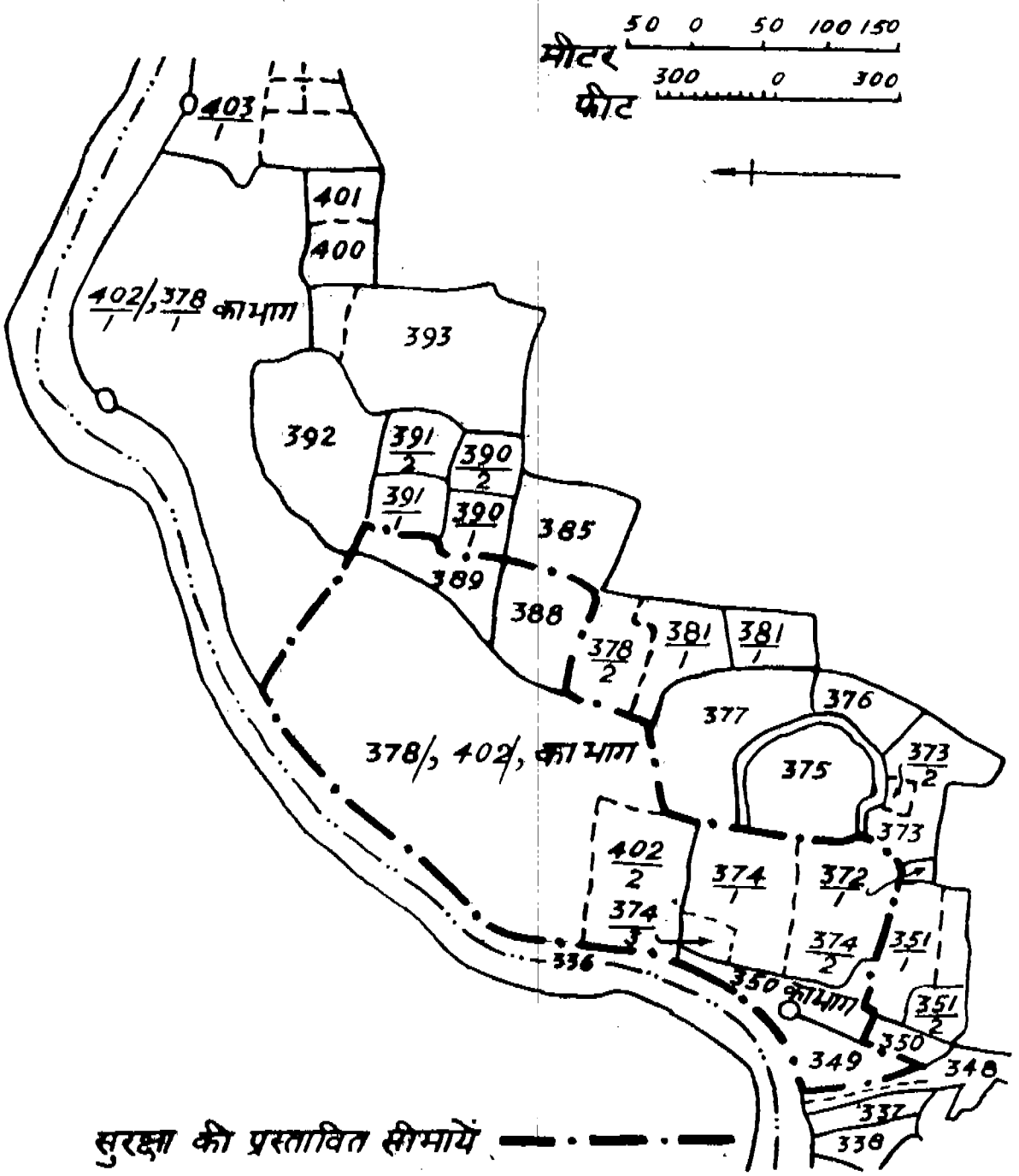

[सं० 2/1/एम पी/6/65- एम]

एम० एन० देशपांडे, महानिदेशक एवं पदेन संयुक्त सचिव

(ARCHAEOLOGY)

S.O. 2538.—Whereas by notification of the Government of India in the Department of Culture No. S.O. 3341, dated the 14th September, 1976, published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 18th September, 1976, the Central Government gave two month's notice of its intention to declare certain archaeological site specified in the said notification to be of national importance, and a copy of the said notfication was affixed in a conspicuous place near the said archaeological site as required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958);

And, whereas the said Gazette was made available to the public on 21st September, 1976;

And, whereas no objections have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the archaeological site specified in the Schedule below to be of national importance.

SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of site	Revenue plot number to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Madhya Pradesh	Jabalpur	Sehora	Kakrahta	Ancient mound comprised in Survey plot numbers 349, 374/1, 374/2 374/3, 388, 389, parts of Survey plot numbers 350, 378/1, 402/1 and 402/2 as shown in the site plan reproduced below.	Survey plot numbers 349, 374/1, 374/2, 374/3, 388, 389, parts of survey plot numbers 350, 378/1, 402/1 and 402/2 as shown in the site plan reproduced below.	19.73 acres	North : Survey plot No. 336, remaining portion of survey plot numbers 378/1, 402/1 and Survey plot number 392. East : Survey plot numbers 391/1, 390/1 385, 378/2, 381/1, 377, 375 (Pond) and 373. South : Survey plot numbers 372/1, 351/1 and remaining portion of survey plot number 350. West : Survey plot number 348 and part of survey plot number 336.	Survey plot number 350 under private ownership and remaining area is government owned.	No modern structure exists in the mound.

SITE PLAN OF MOUND AT KAKRAHTA

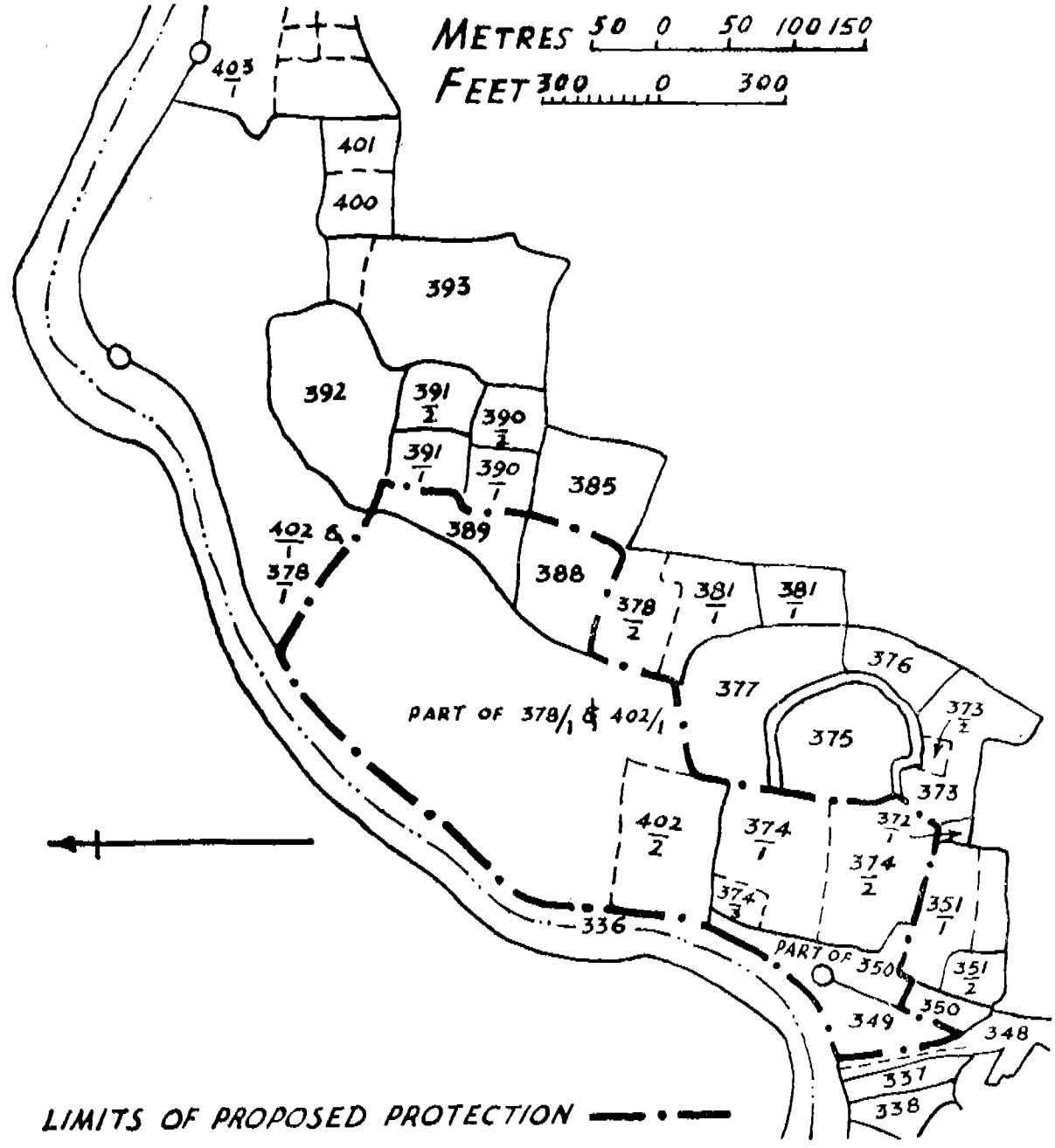

[No. 2/1/MP/6/65-M]

M.N. DESHPANDE, Director General

and Ex-Officio Jt. Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1978

का० आ० 2539.—राष्ट्रपति, मूल नियमों के नियम 45 के उपबंधों के अनुसरण में सरकारी निवास स्थान आबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम सरकारी निवास स्थान आबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) चौथा संशोधन नियम, 1978 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. सरकारी निवास स्थान आबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में, अनुपूरक नियम 317-ख-11 में उपनियम (2) के नीचे की सारणी में—

(i) स्तंभ 1 में, मद (viii) के सामने की प्रविष्टि में "चिकित्सीय छुट्टी या अध्ययनार्थ छुट्टी" शब्दों के स्थान पर, "चिकित्सीय छुट्टी, प्रसूति छुट्टी या अध्ययनार्थ छुट्टी" शब्द रखे जाएंगे,

(ii) मद (viii) और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के पश्चात् स्तंभ 1 और 2 में निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

(1)	(2)
(क) प्रसूति छुट्टी	प्रसूति छुट्टी तथा उसी क्रम में मंजूर की गई छुट्टी की अवधि पर्यन्त, किन्तु इस शर्त के अधीन रहते हुए कि यह पांच मास से अधिक नहीं होगी ।

[पत्र सं०-12033/2/78-पोल०-2]

जी० रामचन्द्रन्, संपदा उपनिदेशक

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 1st August, 1978

S.O. 2539.—In pursuance of the provisions of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi), Rules, 1963, namely :—

1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Fourth Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi), Rules, 1963, in Supplementary Rule 317-B-11, in the table below sub-rule (2),—

(i) in the entry against item, (viii), in column 1, for the words "medical leave or study leave", the words "medical leave, maternity leave or study leave" shall be substituted ;

(ii) after item (viii) and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted in columns 1 and 2, namely :—

(1)	(2)
(viiia) Maternity Leave	For the period of maternity Leave plus the Leave granted in continuation subject to a maximum of five month.

[F. No. 12033(2)/78-Pol. II]

G. RAMACHANDRAN, Dy. Director of Estates

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1978

का० आ० 2540.—इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली, जिसके अध्यक्ष श्री डी० डी० गुप्ता हैं, के समक्ष लम्बित हैं,

और श्री डी० डी० गुप्ता, पीठासीन अधिकारी, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली की सेवाएं उनकी सेवा निवृत्ति के कारण अब उपलब्ध नहीं रही हैं और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय-निर्णय के लिए हाल में गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली, को स्थानान्तरित करना वांछनीय समझती है ।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33-ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2631, दिनांक 2 अगस्त, 1977 का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार पीठासीन अधिकारी, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली से उक्त विवाद से सम्बद्ध कार्यवाही को वापस लेती है और उसे उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली को इस निदेश के साथ स्थानान्तरित करती है कि उक्त केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली और आगे कार्यवाही उसी प्रक्रम से करेगा, जिस पर वह उसे स्थानान्तरित की जाए और विधि के अनुसार उसका निपटान करेगा ।

अनुसूची

क्रमांक	मामला संख्या	विवाद के पक्ष
1.	सी०जी०आई०डी० 1976 का क्रमांक 6	मैसर्स स्टेट बैंक आफ़ इण्डिया बनाम श्रीमती इन्दु शर्मा ।
2.	सी० जी० आई० डी० 1975 का क्रमांक 70	मैसर्स स्टेट बैंक आफ इण्डिया बनाम श्री मान चंद ।
3.	सी० जी० आई० डी० सं० 67/75	मैसर्स रिजर्व बैंक आफ़ इण्डिया बनाम श्री एम० एल० चोपड़ा ।

[सं० एल-12025(21)/76-डी० 2(ए)/डी० 4(बी)]

भूपेन्द्र नाथ, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 25th July, 1978

S.O. 2540.—Whereas the industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed are pending before the Central Government Industrial Tribunal, Delhi presided over by Shri D.D. Gupta;

And Whereas the services of Shri D.D. Gupta, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Delhi are no longer available due to his retirement and the Central Government considers it desirable to transfer the said disputes for adjudication to the newly constituted Central Government Industrial Tribunal, New Delhi:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2631, dated 2nd August, 1977, the Central Government hereby withdraws the proceedings in relation to the said disputes from the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal,

Delhi and transfers the same to the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi constituted under section 7A of the said Act and directs that the said Central Government Industrial Tribunal, New Delhi proceed with the said proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to Law.

SCHEDULE

S. No.	Caste No.	Parties to the dispute
1.	C.G.I.D. No.6 of 1976	M/s. State Bank of India Vs. Shrimati Indu Sharma.
2.	C.G.I.D. No.70 of 1975	M/s. State Bank of India Vs. Man Chand.
3.	C.G.I.D. No. 67/75	M/s. Reserve Bank of India Vs. M.L. Chopra.

[No. L-12025(21)/76-D-II(A)/D-IV(B)]

BHUPENDRA NATH, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1978

का० आ० 2541.—कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के खंड (ग) के उपखंड (v) के अनुसरण में श्री एस० एम० बैनर्जी, जो उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपखंड (1) के दूसरे प्रावधान के अन्तर्गत स्थाई समिति के सदस्य नहीं रहे, के स्थान पर श्री के० रामामूर्ति को कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति का सदस्य निर्वाचित किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 477(ई) तारीख 16 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "[धारा 8 के खंड (ग) के उपखंड (v) के अधीन निगम द्वारा निर्वाचित]" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 15 तथा उसके सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या तथा प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात् :—

"15. श्री के० रामामूर्ति,
संसद सदस्य (लोक सभा),
93, नार्थ ऐवेन्यू,
नई दिल्ली" ।

[सं० यू० 16012/5/78-एच०आई०]

New Delhi, the 17th August, 1978

S.O. 2541.—Whereas the Employees State Insurance Corporation has in pursuance of sub-clause (v) of clause (c) of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) elected Shri K. Ramamurthy as a member of the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri S. M. Banerjee, who has ceased to be a member of the Standing Committee in accordance with the second proviso to sub-Section (i) of section 9 of the said Act;

Now, therefore, in pursuance of section 8 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 477(E) dated the 16th July, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading "[Elected by the Corporation under sub-clause (v) of clause (c) of section 8]", for serial number 15 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

"15. Shri K. Ramamurthy, M.P.,
(Member of Lok Sabha),
93, North Avenue,
New Delhi."

[No. U-16012/5/78-H.I.]

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1978

का० आ० 2542.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स न्यू इण्डिया इंजीनियरिंग सिंडिकेट, 113 जी, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 जिसके अन्तर्गत (1) 283 बैल्लिलियस रोड, हावड़ा, और (2) सत्येन बोस रोड राजगंज, बनीपुर, हावड़ा, स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35017(23)/78-पी०एफ०-II]

New Delhi, the 19th August, 1978

S.O. 2542.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs New India Engineering Syndicate, 113-G, Netaji Subhas Road, Calcutta-1 including its branches at (1) 283, Bellilious Road, Howrah, and (2) Satyen Bose Road, Rajgonj, Banipur, Howrah, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35017(23)/78-PF-II]

का० आ० 2543.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री फाइबर्स एण्ड फिलामेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड 23 ब्राबोर्न रोड, कलकत्ता-1 जिसके अन्तर्गत (1) के० 5/1 ठठेरी बाजार, वाराणसी और (2) ओ/3259 सूरत टैक्सटाइल मार्केट, दूसरी फ्लौर, रिंग रोड, सूरत स्थित उसकी शाखा भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एस० 35017(26)/78-पी०एफ०-II(i)]

S.O. 2543.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shree Fibres and Filaments (Private) Limited, 23, Braborne Road, Calcutta-1 including its branches at (1) CK 5/1, Thatheri Bazar, Varanasi 1, and (2) O/3259 Surat Textile Market, 2nd Floor,

Ring Road, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S. 35017(26)/78-PF-II(i)]

का०आ० 2544.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल, 1975 से मैसर्स श्री फाइबर्स एण्ड फिलामेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 23 ब्राबोर्न रोड, कलकत्ता-1 जिसके अन्तर्गत (1) सी० के० 5/1 ठठेरी बाजार, वाराणसी-1 और (2) ओ/3259 सूरत टैक्सटाइल मार्केट, दूसरा फ्लोर, रिंग रोड, सूरत स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35017(26)/78-पी०एफ०-II(ii)]

S.O. 2544.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1975, the establishment known as Messrs Shree Fibres and Filaments (Private) Limited, 23, Brabourne Road, Calcutta-1 including its branches at (1) CK 5/1, Thatheri Bazar, Varanasi-1, (2) O/3259 Surat Textile Market, 2nd Floor Ring Road, Surat, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(26)/78-PF. II(ii)]

का०आ० 2545.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मैडले फर्मास्युटिकल्स (प्राइवेट) लिमिटेड, नन्द धाम इण्डस्ट्रियल एस्टेट, मदोल मरोशी रोड, अन्धेरी, मुम्बई-59, जिसमें एल०-2, नव औद्योगिक क्षेत्र, चिकलथाना, औरंगाबाद जिला स्थित उसकी शाखा भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35018(38)/78-पी०एफ०-II(i)]

S.O. 2545.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Medley Pharmaceuticals (Private) Limited, Nand Dham Industrial Estate, Marol Maroshi Road, Andheri, Bombay-59 including its Branch at L-2, New Industrial Area, Chikalthana, Aurangabad District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1976.

[No. S-35018(38)/78-PF. II(i)]

का०आ० 2546.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 30 सितम्बर, 1976 से मैसर्स मैडले फर्मास्युटिकल्स (प्राइवेट) लिमिटेड, नन्द धाम इण्डस्ट्रियल एस्टेट, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी, मुम्बई-59, जिसमें एल-2, नव औद्योगिक क्षेत्र, चिकलथाना, औरंगाबाद जिला स्थित उसकी शाखा भी सम्मिलित है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35018(38)/78-पी०एफ०-II(ii)]

S.O. 2546.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of September, 1976, the establishment known as Messrs Medley Pharmaceuticals (Private) Limited, Nand Dham Industrial Estate, Marol Maroshi Road, Andherei-400059 including its branch at L-2, New Industrial Area, Chikalthana, Aurangabad District for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(38)/78-PF. II(ii)]

का०आ० 2547.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एल्विटास इलक्ट्रिकल्स (प्राइवेट) लिमिटेड अम्बालाल डोशी मार्ग, मुम्बई-23, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35018(44)/78-पी०एफ०-II]

S.O. 2547.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Alvittas Electricals (Private) Limited, Ambalal Doshi Marg, Bombay-23, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1977.

[No. S. 35018(44)/78-PF. II]

का०आ० 2548.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1975 से मैसर्स नीरा वेली एग्रिकल्चरल डैवेलपमेंट कम्पनी लिमिटेड, फलटन, पोस्ट बाक्स सं० 23, सतारा, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35018(45)/78-पी०एफ०-II(i)]

S.O. 2548.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of July, 1975 the establishment known as Messrs, Nira Valley Agricultural Development Company Limited, Phaltan, Post Box No. 23, Satara, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(45)/78-PF. II(i)]

का०आ० 2549.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नीरा वेली एग्रिकल्चरल डेवल्पमेंट कम्पनी लिमिटेड, फल्टन, पोस्ट बाक्स सं० 23, सतारा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एस० 35018(45)/78-पी०एफ०-II(ii)]

S.O. 2549.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nira Valley Agricultural Development Company Limited, Phaltan, Post Box No. 23, Satara, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1975.

[No. S. 35018(45)/78-PF. II(ii)]

का०आ० 2550.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लखी सिल्क मिल्स, मोहन मिल कम्पाउंड, एस० वी० रोड, थाना, जिसके अन्तर्गत 476, कालबादेवी रोड, बम्बई-2 स्थित उसका कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अक्तूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एस० 35018(47)/78-पी०एफ०-II]

S.O. 2550.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Lakhi Silk Mills, Mohan Mill Compound S. V. Road, Thana, including its Office at 476, Kalbadevi Road, Bombay-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1976.

[No. S. 35018(47)/78-PF. II]

का०आ० 2551.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दीपक इण्टरप्राइजेज, टन्ना हाउस, सैकण्ड फ्लोर, 11-ए०, नथालाल डी० पारिख मार्ग, कोलाबा, मुम्बई, जिसके अन्तर्गत (1) जामनगर और (2) बेदश्वर (गुजरात) स्थित उसकी शाखायें भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है,

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35018(49)/78-पी०एफ०-II(i)]

S.O. 2551.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dipak Enterprises, Tanna House, 2nd Floor, 11-A Nathalal D. Parekh Marg, Colaba, Bombay including its branches at (1) Jamnagar and (2) Bedshwar (Gujarat), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1977.

[No. S-35018(49)/78-PF. II(i)]

का०आ० 2552.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल, 1977 से मैसर्स दीपक इंटरप्राइजेज, टन्ना हाउस, सैकण्ड फ्लोर, 11-ए० नथालाल डी० पारिख मार्ग, कोलाबा, मुम्बई जिसके अन्तर्गत (1) जामनगर और (2) बेदश्वर (गुजरात) स्थित उसकी शाखायें भी हैं, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35018(49) 78-पी०एफ०-II(ii)]

S.O. 2552.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1977, the establishment known as Messrs Dipak Enterprises, Tanna House, 2nd Floor, 11-A Nathalal D. Parekh Marg, Colaba, Bombay including its branches at (1) Jamnagar and (2) Bedshwar (Gujarat), for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(49)/78-PF. II(ii)]

का० आ० 2553.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पूरब कारपोरेशन (एक्सपोर्टस), 13वां फ्लोर, रिजेन्ट चम्बर्स, नारीमन प्वाइंट, मुम्बई-21 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35018(50)/78-पी०एफ०-II]

S.O. 2553.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Poorab Corporation (Exports), 13th Floor, Regent Chambers, Nariman Point, Bombay-400021 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous

Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S-35018(50)/78-PF. II]

का० आ० 2554.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सिंकरो इण्डस्ट्रीज, 379, वीर सावरकर मार्ग, दादर, मुम्बई-28, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(51)/78-पी० एफ०-II]

S.O. 2554.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Synkro Industries, 379, Veer Savarkar Marg, Dadar, Bombay-28 have agreed that the provision of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1977.

[No. S. 35018(51)/78-PF. II]

का० आ० 2555.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्वीफ्ट्स सैल्स एण्ड सर्विस मराठे उद्योग भवन, अप्पासाहेब, मराठे मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(52)/78-पी० एफ०-II]

S.O. 2555.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Swifts Sales and Service Marathe Udyog Bhavan, Appasaheb Marathe Marg, Prabhadevi, Bombay-25, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977.

[No. S. 35018(52)/78-PF. II]

का० आ० 2556.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि परफेक्ट सिक्युरिटी सर्विसेज, 196, पृथी बिल्डिंग, प्रभात कालोनी, सांताक्रुज (ईस्ट), मुम्बई-55, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35016(54)/78-पी० एफ०-II]

S.O. 2556.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Perfect Security Services, 196, Pruthi Building, Prabhat Colony, Santacruz (East) Bombay-55 have agreed that the provision of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35018(54)/78-PF. II]

का० आ० 2557.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पटेल बोब्बिन्स एण्ड इंजीनियरिंग वर्क्स, 115, कनाट क्रास रोड री रोड, घोरपेदेव, बम्बई-33, जिसके अन्तर्गत महावीर दर्शन, चौथा फ्लोर, भंडारी स्ट्रीट, बम्बई-3, स्थित उसकी शाखा भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(55)/78-पी० एफ०-II]

S.O. 2557.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Patel Bobbins and Engineering Works, 115, Connaught Cross Road, Reay Road, Ghorupdeo, Bombay-400033 including its branch at Mahabir Darshan, 4th Floor, Bhandari Street, Bombay-40003, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1977.

[No. S. 35018(55)/78-PF. II]

का० आ० 2558.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ठाकुर इंजीनियरिंग एण्ड मैरीन वर्क्स-7, सीताफलवाडी, मजगांव, बम्बई-10, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की

बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(56)/78-पी० एफ०-II]

S.O. 2558.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Thakur Engineering and Marine Works, 7, Sitafalwadi, Mazgaon, Bombay-400010, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1977.

[No. S. 35018(56)/78-PF. II]

का० आ० 2559:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जालन्धर रोलर फ्लौर मिल्स, बाई पास, पठानकोठ रोड, जलन्धर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मकारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(112)/78-पी०एफ०-II]

S.O. 2559.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jullundur Roller Flour Mills, Bye Pass, Pathankot Road, Jullundur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35019(112)/78-PF. II(i)]

का० आ० 2560:—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में, आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल, 1978 से मैसर्स जालन्धर रोलर फ्लौर मिल्स, बाई पास, पठानकोठ रोड, जालन्धर नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(112)/78-पी० एफ०-II (ii)]

S.O. 2560.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1978 the establishment known as Messrs Jullundur Roller Flour Mills, Bye Pass, Pathankot Road, Jullundur, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(112)/78-PF. II]

का० आ० 2561:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फिट फाइन ऑटो इन्डस्ट्रीज, ए०-78 समूह उद्योग स्कीम, वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली-52 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मकारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(116)/78-पी० एफ०-II]

S.O. 2561.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Fit Fine Auto Industries, A-78 Group Industries Scheme, Wazirpur Industrial Area, Delhi-52, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1975.

[No. S. 35019(116)/78-PF. II]

का० आ० 2562:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि मराठा कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, मराठगली, हुबली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(121)/78-पी०एफ०-II]

S.O. 2562.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Maratha Cooperative Bank Limited, Marathagalli, Hubli have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35019(121)/78-PF. II]

का० आ० 2563.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री वेंकटेश्वर टाकिज, तैनाली, जिला गुंटुर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 5 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35019(122)/78-पी० एफ०-II]

S.O. 2563.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Venkateswara Talkies, Tenali, Guntur District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment ;

This notification shall be deemed to have come into force on the fifth day of March, 1977.

[No. S. 35019(122)/78-PF. II]

का० आ० 3564.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हमोसन्स एक्सपोर्टस, (प्राइवेट) लिमिटेड, 4, वन्नियार स्ट्रीट, मद्रास-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जून, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०35019(124)/78-पी० एफ०-II (i)]

S.O. 2564.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hamosons Exports (Private) Limited 4, Vanniar Street, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment ;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1976.

[No. S. 35019(124)/78-PF. II(i)]

का०आ० 2565.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जून, 1976 से मैसर्स हमोसन्स एक्सपोर्टस् (प्राइवेट) लिमिटेड, 4, वन्नियार स्ट्रीट मद्रास-1, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019(124)/78-पी० एफ०-II(ii)]

S.O. 2565.—In exercise of the powers conferred by the firt proviso to section 6 of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of June 1976, the establishment known as Messrs. Hamosons Exports (Private) limited, 4, Vanniar Street, Madras-I for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(124)/78-PF. II(ii)]

का०आ० 2566.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एस० चिन्नासामी मुदलियार, डिंडीगुल रोड़, करूर, त्रिची जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(125)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2566.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. S. Chinnasamy Mudaliar, Dindigul Road, Karur, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment ;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1976.

[No. S. 35019(125)/78-PF. II]

का०आ० 2567.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि परफेक्शन हाउस, करोलबाग, अजमल खां रोड, नई दिल्ली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(126)/78-पी० एफ० II]

S.O 2567.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Perfection House, Karol Bagh, Ajmal Khan Road, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment ;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1977.

[No. S. 35019(126)/78-PF. II]

का०आ० 2568.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कोटपाड लार्ज साइज्ड मल्टीपरपस कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, डाकघर कोटपाड, जिला कोरापुट (उड़ीसा), नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(127)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2568.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kotpad Large Sized Multipurpose Cooperative Society Limited, Post Office Kotpad, District Koraput (Orissa), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35019(127)/78-PF. II]

का०आ० 2569.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स परफेक्शन सिल्क एण्ड साड़ी हाउस, अजमल खां रोड, करोलबाग नई दिल्ली जिसके अन्तर्गत, राजपुर रोड, देहरादून स्थित इसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(129)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2569.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Perfection Silk and Saree House, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi including its branch at Rajpur Road, Dehradun, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1977.

[No. S. 35019(129)/78-PF. II]

का०आ० 2570.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मंगत राम मनीष कुमार, 18/23, न्यू रोहतक रोड, आनन्द पर्वत इण्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(131)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2570.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mangat Ram Manish Kumar, 18/23, New Rohtak Road, Anand Parbat, Industrial Area, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35019(131)/78-PF. II]

का०आ० 2571.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जहांगीरजी जमशेदजी चिनॉय एण्ड कम्पनी, भैंसा, आदीलाबाद जिला नामक स्थापना से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(134)/78-पी० एफ० II(i)]

S.O. 2571.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jahangirji Jamshedji Chinoy and Company, Bhainsa, Adilabad District. have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1976.

[No. S. 35019(134)/78-PF. II(i)]

का०आ० 2572.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात 30 सितम्बर, 1976 से मैसर्स जहांगीरजी जमशेदजी चिनॉय एण्ड कम्पनी, भैंसा, आदीलाबाद जिला, नाम स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019(134)/78-पी० एफ० II(ii)]

S.O. 2572.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of September, 1976 the establishment known as Messrs Jahangirji Jamshedji Chinoy and Company, Bhainsa, Adilabad District, for the proposes of the said proviso.

[No. S. 35019(134)/78-PF. II(ii)]

का०आ० 2573.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जूली आटोमोबाइल्स, 1 बी/1, खाजा मोईद्दीन स्ट्रीट, पलक्काराय, त्रिची-8, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(135)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2573.—Whereas it appears to the Central Government thtat the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Julie Automobiles, 1B/1, Khaja Moideen Street, Palakkarai, Trichy-8, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35019(135)/78-PF-II]

का०आ० 2574.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आन्ध्र प्रदेश टैनरीज लिमिटेड, 10-2-99, हुकुमपेट, विजियानगरम-3 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(136)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2574.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Andhra Pradesh Tanneries Limited, 10-2-99, Hukkumpet, Vizianagaram-3, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1978.

[No. S. 35019(136)/78-PF-II]

का०आ० 2575.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हिन्द फिल्टरस (प्राइवेट) लिमिटेड, प्लाट नं० 1 ए/8-ए, इण्डस्ट्रियल रिया, ए० बी० रोड, देवास (म०प्र०) जिसके अन्तर्गत 12/18 विट्ठलभाई पटेल रोड, बम्बई-4 स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(137)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2575.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hind Filters (Private) Limited, Plot No. 1A/8A, Industrial Area, A. B. Road, Dewas (Madhya Pradesh) including its branch at 12/18 Vithalbhai Patel Road, Bombay-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35019(137)/78-PF-II]

का०आ० 2576.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विकास इलेक्ट्रीकल्स, 5-6, इन्डस्ट्रियल एरिया, रिछै, जबलपुर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(138)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2576.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vikas Electricals, 5-6, Industrial Area, Richhai, Jabalpur (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35019(138)/78-PF-II]

का० आ० 2577.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री न्यू शंकर विलास, अमदालावलसा, श्रीकाकुलम जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(140)/78-पी०एफ० II]

S.O. 2577.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri New Shankar Vilas, Amadalavalasa, Srikakulam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of section 1 of the said Act,, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1976.

[No. S. 35019(140)/78-PF.II]

का० आ० 2578.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल श्री कृष्णा, अमदालावलसा, श्रीकाकुलम जिला, आन्ध्र प्रदेश, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019 (141)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2578.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Sri Krishna, Amadalavalasa, Srikakulam District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1976.

[No. S. 35019(141)/78-PF-II]

का० आ० 2579.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी० मुथुस्वामी मुडलियार एण्ड कम्पनी, पोस्ट बाक्स नं० 65, करूर-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019 (143)/78-पी० एफ० II]

S.O. 2579.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P. Muthuswamy Mudaliar and Company Post Box No. 65, Karur-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1975.

[No. S. 35019(143)/78-PF.II]

का० आ० 2580.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आनंद भवन, ट्रंक रोड, नेल्लोर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(145)/78-पी० एफ० II]

एस० एस० सहस्रनामन, उप सचिव

S.O. 2580.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ananda Bhavan, Trunk Road, Nellore have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S. 35019(145)/78-PF. II]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

New Delhi, the 17th August, 1978

S.O. 2581.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India, Madurai and their workmen which was received by the Central Government on the 16th

BEFORE SHRI THIRU K. SELVARATNAM, B.A., B.L.,
INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS
(Constituted by the Central Government)

Monday, the 31st day of July, 1978

Industrial Dispute No. 2 of 1978

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Life Insurance Corporation of India, Madurai.)

BETWEEN

The workmen represented by The President, Insurance Corporation Employees' Union, Madurai Division, Post Box No. 2, Madurai-625001.

AND

The Divisional Manager, Life Insurance Corporation of India, Sellur, Madurai-625002.

REFERENCE :

Order No. L-17012(2)/77-D.IV(A), dated 21st January, 1978 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on this day for final hearing upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru N. G. R. Prasad, Advocate for Thiruvalargal K. Chandru and R. Rajaram, Advocate appearing for the workmen and of Thiru D. Ramamurti, Advocate for the Management, this Tribunal made the following

AWARD

This Is an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Life Insurance Corporation of India, Madurai and their workmen in respect of grant of special increments to two persons, viz., Thiruvalargal Ganapathy, Assistant, Divisional Office, Madurai and Iyyemperumal, Assistant, Branch Office, Tuticorin.

(2) The following is the reference :

Whether the management of LIC of India are justified in denying the grant of special increments to (i) Shri Ganapathy, Assistant, Divisional Officer, Madurai-II and (ii) Shri Iyyemperumal, Assistant, Branch Office, Tuticorin ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled ?

(3) A Claim Statement was filed by the Union, wherein they state as follows : Thiruvalargal S. Ganapathy and E. Iyamperumal, Assistants were working in Madurai Divisional Office and Tuticorin Branch Office respectively and they were appointed on 23rd October, 1970. They have to pass the Associateship Examination of the Federation of Insurance Institute for earning special increments. There are several groups of subjects left to the option of the candidate and the candidate would be deemed to have passed the Associateship Examination if he passes any one of such groups of subjects. They have to sit for the examination within five years and pass the subjects to earn increment. The Associateship Examination of the Federation of Insurance Institute was commenced on 20th October, 1975. As per the Time-Schedule for the subjects as prescribed by the Federation of Insurance Institute they sat for the examination for their subjects on 23rd October, 1975 and passed the test. But the Management denied the special increment on the grounds that on 23rd October, 1975 the day on which they wrote the first examination subject they had completed five years of service on 22nd October, 1975, the previous day. Nowhere it is stipulated in the Central Office Circular that the employees should have completed all the papers before the prescribed time limit of five years to become eligible for the award of special increment. The Associateship Examination of Federation of Insurance Institute was commenced on 20th October, 1975 i.e., three days earlier to the completion of five years of service and the fixing of the time schedule was beyond their control and jurisdiction of the candidates. A subsequent Central Office circular clarified the position by stating that an employee should not have completed five years or ten years of service as the case may be, as on the 1st day of the commencement of the examination, on the passing of which he becomes eligible to special increment. Therefore it is fair and proper that the benefit of this explanation should go to Thiruvalargal S. Ganapathy and E. Iyemperumal and a special increment is made available to them with effect from the due dates. Therefore the Tribunal may be pleased to direct the Respondent-Management to award increments by passing the Associateship Examination with effect from 1st January, 1976 and direct the Management to pay the amounts to the employees.

(4) A counter statement was filed by the Life Insurance Corporation of India, wherein they contend as follows : In the year 1959 the Corporation decided to introduce a scheme for grant of special increments to those employees who pass certain prescribed technical examinations. As per the Scheme introduced these employees were to pass the prescribed technical examinations within a period of five years from the date of joining or before 30th of June, 1962, whichever is later. Later, there were some amendments by way of administrative instructions. As a result of the negotiation between the Management and their workmen under a Settlement entered into, it was agreed that the employees who were in the services of the Corporation on 1st April, 1969 will be granted special increments if they pass the prescribed technical examination by 31st of December, 1975. It was also agreed that they should sit for the examination within the period of five years and they will be eligible for the increments even if the results come after the expiry of the period of five years. In as much as the petitioners are concerned they had not sat for the examination within the stipulated period of five years, they will not be entitled to special increment claimed by them and their claim is liable to be dismissed.

(5) ISSUE : It is the common ground that the Petitioners entered service in the Life Insurance Corporation of India as Assistants on 23rd October, 1970. Ex. W-1 is the Central Office Circular dated 30th August, 1975 and it contemplates the grant of special increment for passing of Associateship of the Federation of Insurance Institute Examination, namely Licenciate, Associateship and Fellowship. The qualification stipulated for the special increment is that they should have sat for the examination before the expiry of time limit prescribed. The employees will be eligible for grant of special increment only if he passed the whole examination before the time limit (i.e.) 5 years of service even though the results are announced later. It is also common ground that the Federation of Insurance Institute fixed the date for 1975 examination and the papers for which the Petitioners sat fell on 23rd October, 1975 and the Petitioners completed five years on 22nd October, 1975. Ex. M-1 is the Examination Handbook of the Federation of Insurance Institute for the Examination to be held in 1975 and Licentiate Examination in April, 1976. Ex. M-1 contains Time Table for October, 1975 Examination and the duration of the Examination was from Monday, the 20th October, 1975 to Sunday, the 26th October, 1975. On each day, there was examination on different subjects. The subjects for which the Petitioners appeared fell on Thursday, the 23rd October, 1975. The Management denied increment on the ground that the Examination fell on 23rd October, 1975 instead of 22nd October, 1975 on which date they completed 5 years of service. It must be remembered that the programme for examination is drawn up by Federation of Insurance Institutes not by Life Insurance Corporation and it was beyond the powers or the jurisdiction of the candidates appearing for the examination. In these circumstances, one has to look into it as to when the examination commenced. Admittedly, the examination commenced on 20th October, 1975. It is well within the period of five years. The examination for which the Petitioners appeared was only in continuation of the examination commenced on 20th October, 1975. If the examination for which the Petitioners appeared fell on 23rd October, 1975 the blame cannot be attributed to the Petitioners as it is beyond their control. Ex. W-2 is a Circular of the Life Insurance Corporation of India. Clause (3) of Ex. W-2 prescribes time limit which stipulates that an employee will not be entitled to special increment only if he passes the examination within five years from the date of his joining his service in the Corporation. Now the Management relies on sub-clause (ii) of Clause (3) of Ex. W-2 which lays down that "an employee should not have completed five years' or 10 years' service as the case may be, as on the first day of the commencement of the examination on the passing of which he becomes eligible to special increment/s". Now the Tribunal has to interpret the above clause in the spirit in which it has been introduced. It is significant to note that the clause stipulates that an employee should not have completed five years on the first day of the commencement of the examination and it does not state that on the commencement of his examination. Therefore what is contemplated is the commencement of the examination which has to be taken into

account as a criterion. In the present case, admittedly, the examination was commenced on 20th October, 1975, though he sat for his examination on 23rd October, 1975 which is a continuation of the series of the examination commenced on 20th October, 1975. Therefore, I feel that having regard to the spirit of the above Clause 3(b) sub-clause (ii), the criterion is the date of commencement of the examination and not the date of the subject on which one writes. It is a continuous process and as such it is not proper to separate. Thus we find that two interpretations are possible under the clause 3(b) which prescribes time limit. When two interpretations are possible, it is the duty of the Court to interpret what is favourable to workmen. After all in this case, the examination had taken place on 23rd October, 1975 instead of 22nd October, 1975 which was beyond the Petitioners' control and jurisdiction and as such it should be liberally construed in favour of workmen. Viewed in that light, I hold that the Petitioners had passed the examination within the time limit prescribed and as such they are entitled to special increments.

(6) In the result, an Award is passed holding that Thiruvalargal Ganapathy and Iyyemperumal, Assistants are entitled to special increments.

Dated, this 31st day of July, 1978.

K. SELVARATNAM, Presiding Officer

WITNESSES EXAMINED :

For both sides : Nil.

DOCUMENTS MARKED :

For workmen :

Ex. W-1/30-8-75—Circular of the L.I.C. Central Office regarding grant of special increments.

Ex. W-2/14-2-76—Circular of the L.I.C. Central Office regarding grant of special increments.

Ex. W-3/9-6-77—Letter from the Union to the Regional Labour Commissioner (Central,, Madras seeking intervention.

Ex. W-4/14-7-77—Note of L.I.C. regarding grant of special increments.

Ex. W-5/11-8-77—Conciliation failure report.

Ex. W-6/21-1-78—Reference for adjudication.

Ex. W-7/3-3-76 5-4-76—Letter from the Management of Thiru S. Ganapathy regarding grant of special increments.

Ex. W-8/3-11-76—Letter from Thiru E. Iyamperumal to the Chairman, L.I.C., Bombay regarding grant of special increments.

For Management :

Ex. M-1—Examination hand book.

K. SELVARATNAM, Presiding Officer

[No. L-17012(2)/77-D.IV(A)]

आदेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1978

का० आ० 2582.—मैसर्स तुलसीदास खिमजी प्राइवेट लिमिटेड, क्लीयरिंग तथा फार्वर्डिंग एजेंट्स, बम्बई के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व परिवहन तथा गोदी श्रमिक यूनियन, बम्बई करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और उक्त नियोजकों तथा कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 की 14) की धारा 10-क की उप-धारा (1) के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त करार को, जो उसे 5 अगस्त, 1978 को मिला, एतद्द्वारा प्रकाशित करती है।

करार

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10क के अधीन)

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले : मैसर्स तुलसीदास खिमजी प्रा० लिमिटेड, वीर नारिमन रोड, बम्बई-400001 के लिए नियुक्त किए गए आटर्नी श्री शान्तु करसोनदास।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले : श्री एस० आर० कुलकर्णी, मंत्री, परिवहन तथा गोदी श्रमिक यूनियन, पी० डी० मेलो रोड, बम्बई-400038।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री अशोक एच देसाई-बार-एट-ला, 14, राम महल, सी० सी० आई० भवन के निकट, डिन्शाव वाच्चा रोड, बम्बई-400020 और श्री एफ० एच० लाला, सन फ्लावर बिल्डिंग, कफ परेड, रीक्लेमेशन, बम्बई-400005 के मध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है।

1. मामले का विवरण

31 अक्तूबर, 1974 को समाप्त हुये लेखा वर्ष 1973-74 के संबंध में, कंपनी ने 75,727 रु० की धन राशि का भुगतान बोनस के रूप में किया था, जो कि उक्त वर्ष में श्रमिकों द्वारा अर्जित कुल मंजूरी का 8.33 प्रतिशत के समान था। यह भुगतान 23-10-1974 को किया गया। तत्पश्चात कंपनी ने श्रमिकों को 8-10-1975 को 69,184 रुपये की और धनराशि का बोनस के रूप में भुगतान किया। इस तरह कंपनी ने श्रमिकों को बोनस के रूप में 1,44,911 रुपये की कुल धन राशि (अर्थात् 16.09 प्रतिशत) का भुगतान किया।

इस बीच मार्च, 1975 में कम्पनी ने उस वर्ष (अर्थात् 1973-74) के अपने लेखे के लेखा-परीक्षित विवरण की एक प्रति यूनियन को भेज दी थी। यूनियन के उक्त लेखा वर्ष के संबंध में आवंटन अधिशेष के संबंध में अपने परिकलनों का विवरण प्रबन्ध तंत्र को 30 अगस्त, 1975 को भेजा। इसके उत्तर में कंपनी ने यूनियन को आवंटय अधिशेष के संबंध में अपने परिकलनों का विवरण भेजा। नोटों की तुलना करने पर संबंधित पक्षों द्वारा परिकलित आवंट्य अधिशेषों संबंधी गणनाओं की प्रति इसके साथ अनुबन्ध के रूप में संलग्न है। यह मालूम हुआ कि संबंधित पक्ष एक पांइट को छोड़कर शेष सभी पांइटों के संबंध में गणनाओं के तरीके तथा ढंग से सहमत थे और मतभेद तथा विवाद यह है :

(1) कम्पनी द्वारा अपने लाभ और हानि के लेखे के नामे डाली गई उपदान की धनराशि यूनियन ने प्रारम्भ में इसे अनसुलझेय समस्या और कुल लाभ निकालने के लिये सम्पूर्ण धनराशि को इसमें जोड़ा। अपनी 30 अगस्त, 1975 को किए गए दूसरे परिकलन में, उन्होंने 45,000/- के उपदान की धनराशि को सही तरीके से नामे डालने की अनुमति दे दी, परन्तु 1,68,053/- रुपये के उपदान की धन-राशि पर अपनी आपत्ति-दोहरायी और इस मद्द को अनसुलझेय समझते हुए यूनियन ने कुल लाभ निकालने के लिए उस धन-राशि को दोबारा जोड़ दिया।

(2) इन परिस्थितियों में निम्नलिखित पाइंटों का समाधान करना है और तदानुसार इसे मध्यस्थों को उनको निर्णय के लिये भेज दिया गया है ।

विवाद का मामला यह है :—

क्या 'उपदान' शीर्षक के अन्तर्गत 31-10-74 को समाप्त हुये लेखा वर्ष 1973-74 के लिए कम्पनी के लाभ और हानि लेखे में जमा कराई गई 2,13,053 रुपये की राशि को वर्ष के दौरान कम्पनी द्वारा किया गया पूरा व्यय समझा जाए या इसके किसी भाग को व्यय न समझा जाए और इसे बोनस समुदाय अधिनियम, 1965 के अधीन 'कुल लाभ' की संगणना के लिये दोबारा जोड़ा जाए, यदि हां, तो कितनी राशि को व्यय न समझा जाए और दोबारा जोड़ी जाए ।

2. (1) विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अंतर्वलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है,:—
मैसर्स तुलसी दास खिमजी प्राइवेट लिमिटेड, क्लीयरिंग और फारवर्डिंग एजेन्ट, जिनका कार्यालय 46 थीर नारिमन रोड, बम्बई-400001 में स्थित है ।

(2) यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम । परिवहन तथा गोदी श्रमिक यूनियन, पी० डिमेलो भवन, पी० डिमेलो रोड, कारनक बन्दर, बम्बई-400038 ।

(3) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या : 159 ।

(4) विवाद द्वारा प्रभावित या सम्भाव्यत: प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राकलित संख्या : 159 ।

3. (1) हम यह भी करार करते हैं कि यदि मध्यस्थ सर्वसम्मत निर्णय देने में असमर्थ हैं, तो वे किसी अन्य व्यक्ति को मध्यस्थ (अम्पाइर) के रूप में नियुक्त करेंगे जिसका पंचाट हम पर बाध्य होगा ।

(2) मध्यस्थ अपना पंचाट, मध्यस्थमा कार्रवाई करने की तारीख से एक मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा । यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो मध्यस्थम् के लिये निवेश स्वत: रद्द हो जाएगा और सबंधित पक्ष नए मध्यस्थम् के लिए बातचीत करने को स्वतन्त्र होंगे ।

बम्बई

तारीख : 24 फरवरी, 1978

साक्षी :]

1. हस्ताक्षर
(एम० बी० भट्ट)

कृते तुलसीदास खिमजी प्राइवेट लिमिटेड

हस्ताक्षर

(सांत, करसोनवास)
नियुक्त अटर्नी

2. हस्ताक्षर
(आई० एस० सावन्त)

कृते परिवहन तथा गोदी श्रमिक यूनियन, बम्बई

हस्ताक्षर

(एस० आर० कुलकर्णी)
मन्त्री

अनुबंध 'क'

31-10-1974 को समाप्त हुआ लेखा वर्ष 1973-74 प्रावंटय अधिशेष के संबंध में परिकलन ।

	निष्पक्ष		निष्पक्ष	
निवल लाभ	1,11,958		1,11,958	
जमा			जमा :	
कराधान के लिए व्यवस्था	3,55,000		3.55,000	
मूल्यह्रास के लिए व्यवस्था	40,976		40,976	
स्थायी परिसंपत्ति की बिक्री पर हानि	1,000		1,000	
निवेशकों को बोनस	7,268		7,268	
अग्राह्य दान	1,753		1,753	
संड्री डेबिट बैलेंस को बट्टे खाते में डाला गया	1,029		1,029	
उपदान के लिए व्यवस्था	1,66,053		—	
बोनस	1,17,894		1,17,894	
	692,973	6,92,973	5,24,920	
		8,04,931		5,24,920
				6,36,878
घटा :		घटा :		
मूल्यह्रास	37,131	मूल्यह्रास	37,131	37,131
				5,99,747
767800 रु० पर 65% कर लगाना	4,99,070	5,99,747 रु० पर 65% कर लगाना		4,09,328
				1,90,419
8½ प्रतिशत की दर से 2,00,000 रुपये की प्रदत्त पूंजी पर प्रतिलाभ	17,000	8½% की दर से 2,00,000 रु० की प्रदत्त पूंजी पर प्रतिलाभ		17,000
6% की दर से 2,08,046 रुपये के रिजर्व पर प्रतिलाभ	12,504			
	5,65,705	5,65,705		
		2,39,226		1,73,419

जमा : पिछले वर्ष के लिये अथवा किए गए रुपये के बोनस पर कर छूट	1,19,687 81,687	जमा : 1,19,687 रुपये के बोनस पर कर छूट	81,687
उपलब्ध अधिशेष	3,20,913	उपलब्ध अधिशेष	2,42,602
आवंट्य अधिशेष 60 प्रतिशत है अर्थात्	1,92,548	आवंट्य अधिशेष 60 प्रतिशत है अर्थात्	1,45,561

[फा० सं० एल-31013/1/78-डी 4(ए)]

नन्द लाल, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 18th August, 1978

S.O. 2582.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Tulsidas Khimji Private Limited, Clearing and Forwarding Agents, Bombay and their workmen represented by the Transport and Dock Workers' Union, Bombay;

And, whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government a copy of the said arbitration agreement;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement which was received by it on the 5th August, 1978.

AGREEMENT

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947)

Representing Employers:

Shri Shantu Karsondas Constituted Attorney of M/s. Tulsidas Khimji Pvt. Ltd., Veer Nariman Road. Bombay-400001.

Representing Workmen:

Shri S. R. Kulkarni,
Secretary,
Transport and Dock Workers' Union, P.D.'Mello Road,
Bombay-400038.

It is hereby agreed between the parties to refer the following industrial dispute to the arbitration of :—

Shri Ashok H. Desai, Bar-at-Law,

14, Ram Mahal, Near C.C.I. Bldg.,

Dinshaw Wachcha Road, Bombay-400020.

AND

Shri F. H. Lala,

Sun Flower Bldg., Cuffe Parade Reclm.,

Bombay-400005.

I. Recital of the Case:

For and in respect of the accounting year 1973-74 ended on 31st October, 1974 the Company had paid on account, as bonus, an amount of Rs. 75,727 equivalent to 8.33 per cent of the total wages earned by the workmen in the said year. That payment was made on 23rd October, 1974. Thereafter the Company paid to the workmen as bonus a further amount of Rs. 69,184 on 8th October, 1975. Thus the Company paid a total amount of Rs. 1,449911 (i.e. 16.09 per cent) on account as bonus to the workmen.

In the meantime, in March, 1975, the Company had furnished to the Union a copy of its audited Statement of Account for that year (i.e. 1973-74). The Union sent to the Management on 30th August, 1975 statement of its calculations regarding allocable surplus for the said accounting year. In reply the Company sent its own statement of calculations regarding allocable surplus to the Union. On comparing notes (copy of calculations regarding Allocable Surplus as computed by the Parties is attacked hereto and marked Annexure 'A') it was found that the parties were agreed on the method and manner of calculations on all the points except one, and the said point of difference and dispute is :

(i) The amount of gratuity debited by the Company to its profit and loss account. The union initially treated this as disallowable and added the whole amount back for arriving at the 'Gross Profit'. In its second calculations of 30th August, 1975 it allowed the amount of Gratuity Rs. 45,000 as properly debited but reiterated its objection to the amount of Gratuity of Rs. 1,68,053 and treating it as a disallowable item the Union added back the same for the purpose of arriving at the gross profit.

(ii) In the circumstances the following point remains to be resolved and is accordingly referred to the Arbitrators for their decision.

The issue in dispute is :—

Whether the amount of Rs. 2,13,053 debited to the P. & L. A/c. of the Company for the accounting year 1973-74 ended on 31st October, 1974, under the head "Gratuities" should be wholly allowed as expenditure incurred by the Company during the year or should any portion of it be disallowed and be added back for the purposes of computation of 'gross profit', under the Payment of Bonus Act, 1965. If so, what amount should be so disallowed and added back ?

II. 1. The details of the Parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved :—

Messrs. Tulsidas Khimji Private Limited, Clearing & Forwarding Agents, having its office at :— 46 Veer Nariman Road, Bombay-400001.

2. Name of the Union, if any, representing the workmen in question :

Transport and Dock Workers' Union,
P. D.'Mello Bhavan, P. D.'Mello Road,
Carnac Bunder, Bombay-400038.

3. Total number of workmen employed under the Undertaking effected :

159.

4. Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute :

159.

III. 1. We further agree that in case the Arbitrators are unable to give a unanimous decision they shall appoint another person as umpire whose award shall be binding on us.

2. The Arbitrators shall make their award within a period of one month from the date on which arbitration proceedings would commence, or within such further time as may be extended by mutual agreement between us in writing. In case the award is not made within the period aforesaid, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and

parties shall be free to negotiate for a fresh arbitration.

Bombay

Dated : This 24th day of February, 1978.

WITNESSES :

1. Sd/-
(M. B. Bhatt)
2. Sd/-
(I. S. Sawant)

For TULSIDAS KHIMJI PVT. LTD.

Sd/-
(Shantu Karsondas)
Constituted Attorney.

For Transport & Dock Workers' Union,
BOMBAY.

Sd/-
(S. R. Kulkarni)
Secretary.

ANNEXURE 'A'

A/c Year 1973-74 ended on 31-10-1974

Statement of Calculations regarding Allocable Surplus

Without Prejudice UNION			Without Prejudice: COMPANY		
Net Profit	1,11,958			1,11,958	
Add:			Add:		
Provision for Taxation	3,55,000			3,55,000	
Provision for Depreciation	40,976			40,976	
Loss of Sales of Fixed Assets	1,000			1,000	
Bonus to Directors	7,268			7,268	
Inadmissible Donation	1,753			1,753	
Sundry Debit Balance Written off	1,029			1,029	
Provisions for Gratuity	1,68,053			x	
Bonus	1,17,894			1,17,894	
	6,92,973			5,34,920	
		6,92,973			5,24,920
		8,04,931			6,36,878
Less:			Less:		
Depreciation	37,131		Depreciation 37,131	37,131	
Taxation at 65% on Rs. 7,67,800.	4,99,070			5,99,747	
Return on paid-up capital of Rs. 2,00 000 at 8-½%.	17,000		Taxation at 65% on 5,99,747	4,09,328	
Return on Reserves at 6% on 2,08,406.	12,504			1,90,419	
	5,65,705	5,65,705	Return on paid-up capital of Rs. 2,00,000 at 8-½%.	17,000	
		2,39,226		1,73,419	
Add: Tax Rebate on bonus of Rs. 1,19,687 paid for proceeding year		81,687	Return on Reserves at 6% on 2,08,406	12,504	
				1,60,915	
			Add Tax Rebate on bonus of Rs. 1,19,687	81,687	
Available Surplus		3,20,913	Available Surplus	2,42,602	
Allocable Surplus is 60% i.e..		1,92,548	Allocable Surplus is 60%	1,45,561	

[No.L-31013/1/78-D.IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer

New Delhi, the 17th August, 1978

S.O. 2583.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mineral Exploration Corporation Ltd., Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th August, 1978.

525 GI/78—8

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(8)/1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Mineral Exploration Corporation Limited, Nagpur ;

AND

Their workmen represented by Mineral Exploration Corporation Employees' Union, Behind Doctors' Pharmacy, Sadar, Nagpur (M.S.).

APPEARANCES :

For Workmen—Shri N. K. Chatterji, General Secretary.

For Management—Shri R. B. Singh, Manager.

INDUSTRY : Mineral Exploration. DISTRICT : Nagpur (M.S.)

Dated July 27, 1978.

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-29011/2/78-D. III. B. Dated 8th/17th February, 1978, for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the action of the Management of the Mineral Exporation Corporation Ltd., Nagpur in changing the hours of work in their workshop from 6-1/2 hours to 8 hours per day with effect from 28th June, 1976 was justified ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled and from what date ?"

2. It is not disputed that this workshop, the employees of which have agitated the present dispute through the Mineral Exploration Employees Union (hereinafter called as M.E.C. Union) was established by the Indian Bureau of Mines (hereinafter called as I.B.M.). It was registered under Factories Act in January 1961. This workshop was transferred to Geographical Survey of India (hereinafter called as G.S.I.) in the year 1966, when the exploratory wing and other allied activity of I.B.M. were transferred to G.S.I. In October 1972 Mineral Exploration Corporation was incorporated as a Public Sector Corporation (hereinafter called the Corporation) and was registered under Companies Act. On or about 21st October, 1972 this workshop was transferred from G.S.I. to M.E.C. The employees of G.S.I. in the workshop were at first taken on deputation. Option was given to them and thereafter those who exercised the option in favour of remaining with M.E.C. were permanently absorbed in the service of the Corporation. There is no Standing Order in the workshop.

3. During the emergency with effect from 28th June, 1976, the effective working hours, which were 6-1/2 hours upto that time were changed to 8 hours. After this the management had some negotiations with another Union viz. National Mineral Exploration Corporation Employees' Union (hereinafter called the N.M.E.C.E. Union) and minutes of the discussion before the Assistant Labour Commissioner were drawn on 21st June, 1976 under which some settlement was arrived. Admittedly M.E.C. Union made no attempt and gave no notice under Sec. 19 of the Industrial Disputes Act for setting aside the said alleged settlement of 21st June, 1976. The result was that admittedly the workers started working 8 hours from the date from which 8 hours rule was implemented. Since the formation of the Corporation the strength of the employees increased from 242 to 1180. The headquarters of the Corporation are at Nagpur with branches and zonal offices at other places. The workshop is admittedly registered under Factories Act.

4. The case of the management is that the employees of the Corporation are governed by the rules and bye-laws and other circulars issued from time to time. The reference about the working hours of the workshop, which is a factory under Factories Act, could be made only by the State Government to a State Tribunal. This Tribunal is, therefore, alleged to be having no jurisdiction over the dispute. It is further alleged that the dispute raised was different to the dispute which has been referred to this Tribunal for adjudication, hence the reference is alleged to be invalid in law. On merits it is alleged that from the very beginning i.e. from the time of I.B.M. the working hours of the workshop were 8 hours. The same continued with G.S.I. for sometime, after which it was felt that the workload was considerably reduced. The employees also made representation and therefore by way of concession the working hours were reduced to 6-1/2 hours. This concession was withdrawn on 28th June, 1976 after due notice under Sec. 9A of the Industrial Disputes Act.

5. When the notice of the change in working hours was put on the notice board the N.M.E.C.E. Union served a 14 days notice of strike vide its letter dated 8th June, 1976. On 31st June, 1976 the management had a discussion with the then N.M.E.C.E. Union in presence of Shri H. G. Bhave, Assistant Labour Commissioner (Central), Nagpur. During the discussion the management conceded to pay the wages at double the rates for extra hours working as per provisions of Factories Act with retrospective effect i.e. with effect from the date when the workshop came to be registered in the name of the Corporation. These wages for extra hours work had not been paid to the employees till then. In consideration of this gesture on the part of the management the Union withdrew their notice of strike and agreed to 8 hours working. It is said that as the notice was withdrawn which was the main bone of contention there was no need to mention this fact specifically in the settlement, which was recorded on completion of negotiations with the active participation of Assistant Labour Commissioner who was the Conciliation Officer. After that settlement the workers continued working 8 hours without demur and by and by the arrears of overtime wages were paid to the workmen. It is alleged that till the settlement was arrived between the Union and the management survives and is not set aside by proper notice, this M.E.C. Union has no right to raise an industrial dispute on the same point. This M.E.C. Union raised a charter of 13 demands by a 14 days notice for the first time on 25th February, 1977 in which the present demand about their hours of working was also included.

6. The case of this sponsoring Union is that the working hours were 6-1/2 hours from the very beginning. They form part of conditions of service and there was no justification for a change. No notice as required by Section 9A of Industrial Disputes Act was ever given and the change was introduced abruptly. The document dated 28th June, 1976 was not a settlement. It was only a record of the minutes of discussion. M.E.C. Union was not bound by it. The Tribunal has the jurisdiction and the reference is alleged to have been made correctly. There was no discrepancy between the dispute that was raised before the Conciliation Officer and the reference that has been made to this Tribunal.

7. The alleged settlement dated 21st June, 1976 (Ex. M/12) is an important document and therefore it is necessary to closely scrutinise it at the out set for clearly spelling out the nature, character and effect of the same. According to the M.E.C. Union it is not a settlement because—

(i) the heading of the document says that it was merely a record of the minutes of discussion held by the parties before the Assistant Labour Commissioner ;

(ii) it was not executed during the course of conciliation proceedings and there is nothing to show that Rule 58(4) of Industrial Disputes (Central) Rules was complied or not ; and

(iii) it is not in the prescribed form.

These objections are not tenable in my opinion for the reasons that are given in the following paragraphs.

8. Let us first consider the intrinsic evidence created from the contents of the document itself. The heading of Ex. M/12 runs as follows :—

'Minutes of discussion held on 21st June, 1976 before the Assistant Labour Commissioner (Central), Nagpur over the notice of strike dated 8th June, 1976 served by the General Secretary, National Mineral Exploration Corporation Employees Union on the Chairman-cum-Managing Director, Mineral Exploration Corporation Limited Nagpur.'

It will be further pertinent to reproduce as follows 'the short recital of the case' as contained in the same document :—

'The Union, when given to understand that the management is proposing to change the working hours in the workshop and introduce two shifts and a general shift introducting 48 hours effective work in a week, served a strike notice on 8th June, 1976 opposing the said change and proposed to call a strike after the expiry of 14 days from the date of notice. The A.L.C. (Central), Nagpur to whom the strike notice was endorsed called for a meeting on 21st June, 1976 for joint discussions. In the meeting thread bar discussions took place on the issue of the connected matters. As a result of protracted discussions in the light of suggestions and counter suggestions made by the parties, the dispute was resolved on the following terms.'

9. This recital proves that the document was executed during the pendency of conciliation proceedings which commenced when the Assistant Labour Commissioner (Central) after receiving the endorsed notice of strike invited the parties for discussions and with his active participation the discussions ended in a settlement. On the analogy of Sec. 20(1) of Industrial Disputes Act which relates to public utility concern where interveution of Assistant Labour Commissioner

is compulsory, in the present case, where it was not a public utility concern and as such it was discretionary with the Assistant Labour Commissioner to intervene or not, when he exercised that discretion in favour of intervention and actually intervened inviting parties for discussions, the conciliation proceedings commenced and thus Ex. M/12 was a conciliation settlement.

10. According to Form H there is no heading to be given to a conciliation settlement and therefore if the parties chose to give an unnecessary heading describing it erroneously as Minutes of Discussion, that being not an essential feature of the document, could not change its basic nature which has to be spelled out from other essential parts of the document. As said above, at the end of the short recital of the case it is specifically mentioned that the 'dispute was resolved in the following terms'. This was followed by a sub-heading 'Terms of Settlement' under which various terms have been specifically laid down. This clearly goes to show that the parties entered into discussion with the intervention of Assistant Labour Commissioner and the outstanding dispute was settled. It was thus clearly a settlement of industrial dispute brought about during the conciliation proceedings with the active intervention of the conciliation officer, the Assistant Labour Commissioner (Central).

11. The settlement is recorded substantially in Form H prescribed under Rule 58 of Industrial Disputes (Central) Rules. The form does not prescribe any heading as said above and therefore as stated earlier the heading given was only a superfluity. All essential features of the form are there. The form requires the names of parties, short recital of the case and terms of the settlement to be given in the document which should be followed by signatures of the parties and the signature of the Assistant Labour Commissioner and the signatures of the witnesses. All these essential forms required for constituting a settlement in law are there in the document Ex. M/12. It can therefore be safely said that the document conforms to the prescribed Form H given under the Rules. In Technological Institute of Textile Vs. Workmen (4 SCLJ 2395) the Supreme Court has insisted only on the compliance of 'necessary formalities'. In the present case as said above none of the necessary formalities suffered non-compliance.

12. This intrinsic evidence of the contents of document itself is further supported by the oral evidence on record and all this evidence leads to the only conclusion that Ex. M/12 is a conciliation settlement within the meaning of Section 2(p) of Industrial Disputes Act.

13. According to the evidence of Shri Sabnani (M.W. 3) N.M.E.C.E. Union was the only active union during the time of emergency when working hours were changed. M.E.C. Union which has now raised the dispute, being the Communist Union, was dormant at that time and its leader Shri N. K. Chatterji had become inactive, even though the said Union had its existence since the time of I.B.M. Shri P. B. Jachak (W.W. 1), who signed the settlement dated 21st June, 1976 (Ex. M/12) also supported that N.M.E.C.E. Union was in existence at that time. He has, of course, stated that it was only a minority Union and was not a registered body. It has been held in State of Bihar Vs. Kripa Shankar Jaiswal (4 SCLJ 2365) that even an unregistered Union could raise a valid industrial dispute. There is abundant case law in support of the view that even a minority union could raise an industrial dispute successfully. The aforesaid case of Shri Jaiswal at page 2368 further pronounces that :—

> 'a dispute becomes an industrial dispute even where it is sponsored by a Union which is not registered as in the instant case or the dispute is raised by some only of the workers, because in either case the matters fall within Sec. 18(3) (a) and (d) of the Act.'

Section 18(3)(d) of the Act speaks of the wider import of the settlement i.e. its binding character on all the workmen of the establishment which should necessarily mean that it binds the rival Union as well. In Ram Nagar Cane & Sugar Co. Vs. Jatin Chakrovorty (4 SCLJ 2369) it was held that settlement with one union is binding on the rival union as well. Thus it is clear that the settlement Ex. M/12 binds the rival M.E.C. Union and unless notice to set aside is given under Section 19 of the Industrial Disputes Act the present M.E.C. Union will not be competent to raise an industrial dispute on the same matter.

14. This brings us to the question as to whether the settlement Ex. M/12 settled the dispute about working hours. Admittedly in the terms of the settlement that aspect of the dispute has not been touched. However, the short recital of the case makes a specific mention that the dispute was specifically of the change of working hours for which a 14 days notice of strike had been served by N.M.E.C.E. Union. It was for the settlement of the said dispute about working hours that the conciliation proceedings started. This short recital of the case thereafter mentions at the end that 'the dispute was resolved on the following terms'. This use of the word 'dispute' has to be co-related to the dispute mentioned in the first part of the short recital of the case and thus the inference will be that the dispute about the change of working hours was settled on the terms given in the settlement. This analysis of the recital in the document supports the statement of Shri Sabnani (M.W. 3) that a bargain was struck. The management threw a bait before the N.M.E.C.E. Union by making an offer of payment of overtime wages at double the rate since the date the workshop came to be registered in the name of the Corporation. This offer was substantially advantageous to the workmen and it appears that on such offer being made by the management the union withdrew the strike notice and conceded accepting 8 hours effective working. As the notice was withdrawn so it was not necessary to mention the fact of agreement about 8 hours working.

15. After the said settlement the workers started working 8 hours without a demur and this situation continued till at last the present M.E.C. Union raised the dispute by serving a 14 days notice containing a charter of 13 demands on 25th February, 1977 for the first time. The management also gradually paid the arrears of overtime allowance at double the rates as agreed under Ex. M/12. The acceptance of the payment and working for 8 hours without a demur for months together was a conduct that confirmed that not only N.M.E.C.E. Union but all the workmen accepted and welcomed the settlement Ex. M/12. Much credence cannot be given to the evidence of Shri P. B. Jachak (W.W. 1) who signed the settlement Ex. M/12 and yet made many statements suppressing the whole truth and at places was bold enough to tell lies. Thus the settlement N.M.E.C.E. Union (Ex. M/12) is as well binding on M.E.C. Union and it is not competent to raise an industrial dispute without giving a notice under Sec. 19 of the Industrial Disputes Act for setting aside the settlement.

16. As no valid industrial dispute came into existence for want of notice under Section 19 of the Industrial Disputes Act the reference was bad and was not maintainable. Award is given accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-29011/2/78-D. III. B]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

New Delhi, the 21st August, 1978

S.O. 2584.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Nagpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Reserve Bank of India, Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 7-8-1978.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NAGPUR

Reference (CGT) No. 1 of 1977

ADJUDICATION

BETWEEN

Reserve Bank of India, Nagpur.—First Party.

AND

Their Workmen.—Second Party.

In the matter of reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 regarding selection of Shri D. D. Pete, as Electrician-cum-Caretaker.

APPEARANCES :

Shri Modak, Advocate, for the Party No. 1/First Party.

Shri Deshpande, Advocate, for the Party No. 2/ Second Party.

AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour, under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for the adjudication of an industrial dispute between the Reserve Bank of India and Their Workmen in respect of the following demand.

"Whether the management of the Reserve Bank of India, Nagpur is justified in selecting Shri D. D. Pete as Electrician-cum-Caretaker without notifying the vacancy and inviting applications from amongst Class IV Staff for filling the said post ? If not, what will be remedial measure ?"

2. The reference was originally made to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur and it has been received in this Tribunal on transfer of the proceedings vide Government of India Ministry of Labour Order dated 21-3-1977.

3. The Rashtriya Reserve Bank Karmachari Sangh, Nagpur filed a statement of claim in justification of the demand made. It is alleged that in the Reserve Bank of India at Nagpur, there is a post of Caretaker and another of Asstt. Caretaker since last about 10 years. As per the conditions of service, the post of Asstt. Caretaker is to be offered to Ex-serviceman or persons from the Territorial Army or Police. There was also no condition that the candidates should possess educational qualifications and in any case, it was not necessary that he should be a Matriculate. The post of Caretaker or Asstt. Caretaker is Class III post. As per Agreement between All India Reserve Bank Workers Federation and the Reserve Bank of India (Central Office) Bombay, reached in the year 1966 and also as per custom, usage and practice and also the conditions of service, the post in Class II Grade has to be first notified or advertised and the employees already working in Class IV fulfilling the necessary qualifications are eligible to apply for the said post. It is also their condition of service that while selecting candidates for Class III post persons with necessary qualifications but working in Class IV posts, are given preference in the matter of promotion to the Class III post.

4. It is further submitted that at the end of 1967, a Waiting List was prepared of Class IV employees possessing qualifications for the post of Asstt. Caretaker. Thus whenever a vacancy in the post of Asstt. Caretaker, is to be filled in, persons from the Waiting List are promoted as Asstt. Caretaker. Out of that Waiting List one Shri P. S. Sirsat who was at Sr. No. 1 in the List, was given the post of Asstt. Caretaker in the year 1968 when a vacancy arose. Whenever persons working as Asstt. Caretaker were going on long leave, the post of Asstt. Caretaker was temporarily offered to Shri D. D. Pete who was the seniormost in the waiting, List for the post of Asstt. Caretaker. Such an occasion arose once in 1971 when Shri Sirsat went on long leave, and after his return Shri Pete was reverted to his substantive post in Class IV The post of Asstt. Caretaker is not a technical post and no technical qualifications are required for that post. In the year 1973, a new post was created by the Management to look after the newly created quarters for the Staff. This post was described as "Electrician-cum-Caretaker," and was a Class III post. The Management fixed qualifications for the said post and the candidates for the post were required to be holders of Wireman's Diploma or Licence. Sri Pete did not possess that qualification. He had no experience of working as Electrician either. On the contrary, there were other employees who were fulfilling all the necessary qualifications for the said post. As per the terms of the Agreement, in the matter of promotion so also as per custom, usage and practice and the conditions of service of Class IV employees, it was necessary for the Management to advertise and/or notify the said Class III post and invite applications from amongst the Class IV employees fulfilling the necessary qualifications required for the said post. However, nothing of the kind was done by the Management and the Management to the surprise of all concerned, chose to appoint Shri Pete to the said post of Electrician-cum-Caretaker. It is emphasised that Pete did not possess the necessary qualifications required for the said post. He was given a chance to acquire Wireman's licence within a period of six months. He was continued in that post for first six months without holding such a Licence. On his failure to get himself qualified during that period of six months, further favour was shown to him by extending the period by further six months when he secured the Wireman's Licence. It is submitted that the Wireman's Licence secured by him is not legal and proper and is in contravention of the Rules. The appointment of Shri Pete in the post of Electrician-cum-Caretaker is not legal and proper and is not at all justified for the reasons already stated. As pointed out, Shri Pete did not possess necessary qualifications, there were other Class IV employees who possessed higher technical qualifications than Pate but, they were not considered, for the post ; they were not even given an opportunity to offer themselves for selection. This was done by the Management to show favouritism to Pete neglecting the just and proper claims of the employees in Class IV. After the affected employees in Class IV learnt about appointment of Pete in the post of Electrician-cum-Caretaker, they made representations to the Management but the same were not considered. Shri Pete was appointed to that post with effect from 10-9-1973. The Union enclosed to the Statement of Claim a Chart showing that the directly affected 8 employees were holding the necessary qualifications for being considered for appointment to the post of Electrician-cum-Caretaker. It was therefore, prayed that it may be declared that the appointment of Pete an Electrician-cum-Caretaker is unjustified. The Management may further be directed to notify the said post and allow all persons from Class IV to apply for the said post. It may further be directed that while selecting persons for the said post of Electrician-cum-Caretaker, the qualifications for the said post as on 10-9-73 should only be considered.

5. In the Reserve Bank Workers Union, Nagpur, there are 2 factions one headed by Shri G. C. Deshpande, Chief Secretary and the other headed by Shri A. M. Aglekar, also styling himself as the Chief Secretary. The former has filed a statement of claim supporting the stand of the Management and the latter has filed a statement of claim which is practically identical with that filed by the Rashtriya Reserve Bank Karmachari Singh, Nagpur.

6. The Management has filed a detailed reply together with a Rejoinder justifying the appointment of Pete to the post of Electrician-cum-Caretaker. It is alleged that Pete was selected for the post of Asstt. Caretaker in the year 1969 and his name was placed on the Waiting List along with 2 employees considered suitable for the post. Pete was the senior-most amongst the 3. In the year 1973, the post of Asstt. Caretaker was sanctioned to look after the maintenance etc. of the Banks newly constructed Staff Quarters at Amravati Road and to attend to other miscellaneous caretaking jobs including assistance to the Caretaker Grade II, in the Bank's duties. As it was decided that the Resident Caretaker should also attend to the minor electrical jobs in the said quarters such as replacement of fuse, wires, bulbs etc. the post was designated as Electrician-cum-Caretaker. As the caretaking duties were more predominant and important than the technical duties of Electrician. Shri Pete was considered a suitable candidate for the post and he was appointed to officiate against the post with effect from 10-9-1973. In fact, the suggestion to appoint Pete to that post emanted from the Reserve Bank Workers Union itself. The proposal was not only supported by the local Union at Nagpur but also by the All India Workers' Federation. It is true that at the time of his appointment, Shri Pete did not possess Wireman's Certificate. But, it was felt by the Management that there may not be many occasions to attend to electrical defects/repairs, in terms of the contract for construction of the quarters, there was a condition which placed liability on the Contractor to remove any defects during the period of one year from the date of the completion of the quarters. So, the main duty of the Electrician-cum-Caretaker was in the nature of Caretaking duty only. The Bank therefore, decided that there would be no difficulty from the functional point of view in appointing Pete to the post especially since Pete had earlier officiated as Asstt. Caretaker.

7. It is admitted that as per the Appointment Letter, issued to Pete he was asked to produce a Wireman's Licence within a period of six months from the date of his appointment. Accordingly, he applied for admission to the Electrical Wireman's Examination which was to be held in Nov. 1973. But, permission was refused on the ground that he did not possess one year's practical experience as required under Examination Rules. Shri Pete therefore, requested for extension of time for completing the examination. He was granted extension of time upto November, 1974 to enable him to obtain necessary Wireman's Certificate. Shri Pete appeared for the Wireman's Examination held in 1974 and passed the same. Shri Pete thus complied with the condition of obtaining Wireman's Licence within the extended period. It is admitted that in September 1973, certain employees had submitted representations against the appointment of Pete; but the Bank was of the view that the duties of the Electrician-cum-Caretaker attached to the Amravati Road Staff Quarters, were predominantly care taking duties and more important than the technical duties of an Electrician. It is pointed out that this is not the first time that an appointment has been made to the post of Electrician-cum-Caretaker without the candidate acquiring Wireman's Certificate. There have been other instances which are detailed in para 10 of the reply. It is pointed out that although the appointment of Shri Pete was made at the instance of the Reserve Bank Workers Union, the same Union has now made an issue of it. This appears to be an outcome of a split in the Reserve Bank Workers Union, Nagpur. The appointment of Shri Pete has been made bona fide by the Bank and at the request of the Union itself. There was no reason for the Management to show any special favour to Pete. Shri Pete has since acquired necessary Wireman's Licence within the period prescribed by the Bank. There is therefore, absolutely no reason to interfere with the appointment of Shri Pete.

8. The facts of this case lie within a narrow compass. In support of the demand made, the Rashtriya Reserve Bank Karmachari Sangh has examined one witness and the Bank has also examined one witness in rebuttal. The Bank has also examined one witness in rebuttal. The Bank has produced certain documents in support of its defence.

9. Shri D. D. Pete was a member of the Class IV Staff of the Reserve Bank, Nagpur and by the order dated 7-9-1973 Exh. C-5, he was appointed as an officiating Electrician-cum-Caretaker on a purely temporary basis on the terms and conditions specified underneath the order. Pursuant to this order, Shri Pete started officiating as Electrician-cum-Caretaker, which is a Class III post of the Bank, with effect from 10-9-1973. It is the submission of the Rashtriya Reserve Bank Karmachari Sangh, Nagpur, and the faction of the Reserve Bank Workers Union, Nagpur, headed by the Chief Secretary Shri Aglekar, that the appointment of Pete is illegal, improper and unjustified and so, it should be set aside and remedial measures may be ordered to be adopted.

10. Shri Avinash Rajan Mishra, Personnel Officer of the Bank has entered the witness box and has stated that although Shri Pete is appointed to the post of Electrician-cum-Caretaker, basically the appointment is to the post of Caretaker. He has further stated that the Bank had issued a Circular dated 1-1-1969 Ex. C-1 inviting applications from the Class IV employees of the Bank for the purpose of preparing Waiting List for the post of Asstt. Caretaker. According to the circular, it was necessary that the candidate should have good general education, and possess good reading and writing knowledge of English, Hindi and Marathi. It is further stated that the candidate should have experience of having served in Military, Police or Territorial Army. The Circular was displayed on the Notice Board and a copy supplied to the Union. Eligible candidates were interviewed by the Selection Committee. A waiting list of the selected candidatss was then prepared vide Exh. C-2. It may be noted that in that Waiting List, the name of Pete is at the top. Name of Pande is at Sr. No. 2 and the name of Jumde is at Sr. No. 3. It appears that the substantive post of Pete is Chowkidar Grade III. Shri Mishra asserts that the appointments to the post of Asstt. Caretaker are made from this waiting list as and when the vacancies arise. Shri Mishra has further stated that during the period 1969—1973, Shri Pete had occasions to officiate in the post of Astt. Caretaker in the leave vacancy. As regards the duties of Asstt. Caretaker, Shri Mishra asserts that his services were essentially required in the Staff Quarters in the Civil Lines and the newly constructed quarters on Amravati Road and after 1 p.m. he has to report for duty in the Bank's main-building.

11. Now, it may be noted that a new post of Electrician-cum-Caretaker was created by the Bank in September 1973 and Shri Pete was appointed to that post as the first ever incumbent. If that were the post of Asstt. Caretaker then perhaps, no exception could have been taken to the appointment of Shri Pete to that post since he was selected for that post and was the seniormost in the Waiting List. It may however be noted that the post created was Electrician-cum-Caretaker. It may be noted that for the purpose of recruitment to the post of Electrician-cum-Caretaker, the Management had addressed a confidential letter dated 24-7-1973 Exh. C-3 to the Employment Exchange. The said Authority was requested to forward to the Bank, applications from suitable candidates for enlistment in the waiting list for the post of Electrician-cum-Caretaker. The relevant particulars of the vacancy, qualifications etc. were furnished in the statement enclosed to Exh. C-3. The designation of the post is shown as "Electrician-cum-Caretaker. As regards academic and technical qualificaions, the essential qualification is at least Matriculation or equivalent examination with a Wireman's Licence/Certificate (2nd Class) and the preferential qualification is supervisory's Certificate. As regards experience, handling of minor electrical repairs including Motor Pumps, Plumbing, and general supervision of buildings is shown as essential and Organisational ability to control staff etc. is shown as preferential. Now, it would appear that from the Employment Exchange, the Bank had received as many as 12 applications. Shri Mishra says that the Bank did not hold any interviews in view of the Bank's policy to give preference to the candidates from the staff over those from the open market. If that were true, then, it is difficult to appreciate as to why the Management should have moved the Employment Exchange in this matter. It was indeed an exercise in futility. However, the working of the mind of the Management is reflected in laying down the academic and technical qualifications as also the experience. The Management desired that the candidates should be at least a Matriculate and should possess a Wireman's Licence. As the designation of the post itself indicates, a Wireman's Licence was needed because the incumbent to the post had to serve as Electrician and not simply Caretaker. It may be noted that Shri Pete was neither a Matriculate nor did he hold a Wireman's licence at the time of his appointment as Electrician-cum-Caretaker.

12. One can indeed appreciate the stand of the Management that all other things being equal, for promotion post, preference should be given to the members of the staff in the lower Class or Grade vis-a-vis the candidates from the open market. Such a practice obtained in several Companies, Corporations and Concerns. But at the time of making such a departmental promotion, the Management must act fairly and give an equal opportunity to all the eligible staff members to compete for the post. In the instant case, it is an admitted position that the Management had not invited any applications from amongst the Class IV employees, fulfilling the necessary qualifications required for the post. When a question about this matter was put to Shri Mishra he has explained it away by saying that since the waiting list Exh. C-2 was available with the Management, it was not considered necessary to notify the post and invite applications from Class IV employees. But, as I have pointed out, the waiting list C-2 is for the post of Asstt. Caretaker and not for the newly created post of Electrician-cum-Caretaker. It was indeed open to the Management to promote Pete to the post of Asstt. Caretaker on the basis of the Waiting List Exh. C-2. But, it appears that the said post has been converted into the post of Electrician-cum-Caretaker for which different and higher qualifications are prescribed vide Enclosure to Exh. C-3.

Now, in justification of the appointment of Shri Pete the stand taken by the Management is that his appointment was suggested by the Reserve Bank Workers Union, Nagpur, vide letter dated 31-7-1973 Exh. C-4. It is stated that the

All India Workers Federation which is an All India Body representing Class IV employeess of the Bank, had discussions with the Central Office of the Bank at Bombay when the Secretary, and Vice President of the Federation met the Chief Manager on 25-7-1973 and supported appointment of Pete to the post of Electrician-cum-Caretaker. It may well be that the appointment of Shri Pete was sponsored by the Local Union as also All India Federation; but, in my opinion that is neither here nor there. The Management cannot abdicate its managerial functions in such manner. An appointment has to be made after examining the claims of all the affected employees. It is often said that justice should not only be done but it should also appear to be done. The same rule would apply to the selection and appointment on promotion of a particular candidate. Unfortunately that is not followed in this case.

14. As I have pointed out the designation of the post is Electrician-cum-Caretaker. It is an admitted fact that at the time of his promotion Shri Pete did not possess the Wireman's Licence. Now the stand taken by the Management is that the duties of the Electrician-cum-Caretaker attached to the Amravati Road Staff Quarters are predominantly caretaking duties and more important than the technical duties of an Electrician and in view of the previous experience of Shri Pete as an Asstt. Caretaker he was selected for the new post. It is submitted that such appointments have been made by the Management even though the candidate did not possess the Wireman's Licence. Such instances are given in para 10 of the written statement. In my opinion, nothing turns on this aspect of the matter. In view of the technical qualifications prescribed in the Annexure to Exh. C-3, the Management should not have appointed Shri Pete to this post when he did not hold a Wireman's licence/Certificate, especially when there were some 8 candidates listed in the Chart annexed to the written statement filed by the Rashtriya Reserve Bank Karmachari Sangh, Nagpur possessing such technical qualifications, were available for consideration. In this connection I may refer to the evidence as given by Shri Raju who is working as Air Conditioned Plant Attendant. He holds a certificate of competency and Wireman's Permit issued by the former Government of C.P. & Berar. The Government of Maharashtra has also issued a Certificate of competency to him. He has undergone training and gained experience in the Khaparkheda Power House. He says that 2—3 years training and experience is required for passing this Examination and acquiring a Certificate. He says that along with him, there are 7 other workers holding technical qualifications like him from the beginning. Along with others, this witness had also made a representation to the Management to consider his claim for this post but, his claim was overlooked.

15. It is the case of the aggrieved workers that this appointment was offered to Shri Pete out of turn for the reason that he was a favourite of the Manager. It has come on record that before joining this appointment Shri Pete was working as a Peon to the Manager who it is suggested, might have developed a soft corner for him by reason of close contact. It is further pointed out that as per the appointment order Exh. C-5, Shri Pete was given six months' time to acquire Wireman's licence. He failed to acquire the licence within that period. It is submitted that the Management was generous enough to extend the period for obtaining Wireman's Licence for further six months vide Exh. C-7. On this background and having regard to the facts and circumstances of the case, the suggestion made by the aggrieved workers that a special favour has been shown to Shri Pete by the Management, cannot be regarded as wholly unjustified.

16. It would be clear from the above discussion, that the Management of the Reserve Bank of India, Nagpur, was not justified in selecting Shri Pete for the post of Electrician-cum-Caretaker without notifying the vacancy and inviting applications from amongst the Class IV Staff for filling in the said post. I hold accordingly. I further direct the Management to notify the said post and allow all eligible persons from Class IV to apply for the said post and then make a selection on the basis of senority, educational and technical qualifications, experience, skill and suitability. I make an Award accordingly.

Nagpur, Dated 26th July, 1978.

W. K. ALMELKAR, Presiding Officer.

[No. L-12012/7/75-D.II.A.]

Sd/- D. W. WAGHMARE,
for Secy.

R. P. NARULA, Under Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1978